रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित * * रांची, सोमवार 08 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 03 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 90 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

ललाट पर टीका और पीतांबर धारण कर मुख्यमंत्री ने की पूजा-अर्चना

जय जगन्नाथ

लगातार न्यूज नेटवर्क। रांची। राजधानी रांची में रविवार को जगन्नाथपुर में अद्भुत और विहंगम नजारा दिखा. रथ यात्रा के इस पावन मौके पर भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा. सभी ने भगवान जगन्नाथ के जयकारे लगाए और शीश नवाया. इस मौके अपार जनसमूह उमड़ पड़ा. सबने मिल कर रथ को खींचा और भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद लिया. भगवान जगन्नाथ अपने भाई-बहन के साथ नौ दिन तक मौसीबाड़ी में रहेंगे. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पूरी तरह से भक्तिभाव में लीन दिखे. पीतांबर वस्त्र धारण कर पूरी नेम निष्ठा से जगन्नाथ स्वामी की पूजा-अर्चना की. सीएम हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर भी इसकी जानकारी दी. एक वीडियो ट्वीट कर उन्होंने लिखा- रांची में महाप्रभु की ऐतिहासिक रथ यात्रा में शामिल होने का परम सौभाग्य मिला. **जय जगन्नाथ स्वामी!** -फोटो : रमीज

कब क्या-क्या हुआ

- 3.00 बजे सुबह से ही श्री विष्णुसहस्त्रनामर्चना हुई.
- 4:30 बजे सीएम सपरिवार जगन्नाथपुर मंदिर पहुंचे
- 5:10 बजे पूजा-अर्चना की प्रक्रिया पूरी हुई
- 5:11 बजे रथ से सीढ़ी को हटा दिया गया. फिर रस्साबंधन
- 5.15 बजे सीएम ने थोड़ी देर के लिए रथ खींचा.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	68,200
चांदी (किलो)	97,000

ब्रीफ खबरें

नीट-यूजी मामलाः सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट विवादों से घिरी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 से संबंधित याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई करेगा. इन याचिकाओं में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) की पांच मई को हुई परीक्षा में गड़बड़ी और कदाचार का आरोप लगाने वाली और इसे फिर से आयोजित करने का निर्देश देने का अनुरोध करने वाली याचिकाएं भी शामिल हैं. सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड की गई आठ जुलाई की वाद सूची के अनुसार, चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला एवं न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ परीक्षा से संबंधित कुल 38 याचिकाओं पर सुनवाई करेगी.

जिम्बाब्वे पर भारत की आसान जीत

हरारे। टीम इंडिया ने रविवार को जिम्बाब्वे को दूसरे टी20 मैच में 100 रनों से करारी शिकस्त दी. पहले मैच में भारतीय टीम 116 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 102 रन ही बना सकी थी. लेकिन दूसरे टी20 मैच में भारतीय बल्लेबाज फॉर्म में दिखे और जिम्बाब्वे के खिलाफ सबसे बड़ा टोटल खड़ा कर दिया. इस जीत के साथ भारत ने सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है. भारत ने इस तरह टी20 में जिम्बाब्वे के खिलाफ सबसे बड़े अंतर से जीत हासिल की. **-खेल पेज भी देखें**

घाटी में छह आतंकी ढेर, दो जवान शहीद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में हुई दो मुठभेड़ों में छह आतंकी मारे गए और दो जवान शहीद हो गए. अधिकारियों ने बताया, मोदरगाम मुठभेड़ स्थल से दो आतंकियों के शव बरामद किए गए जबकि चिन्नीगाम स्थल से रविवार को चार शव बरामद किए गए. मुठभेड़ में पैरा कमांडो समेत दो सैन्यकर्मियों ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए. जम्मू-कश्मीर के डीजीपी आरआर स्वैन ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में आतंकियों का सफाया करना एक बड़ी उपलब्धि है.

पुरी की यात्रा में भगदड़ एक की मौत, कई घायल

पुरी। ओडिशा के पुरी में रविवार को भव्य जगन्नाथ रथ यात्रा निकाली गई. इस यात्रा में भगदड़ मचने से एक की मौत हो गई. कई लोग घायल हैं. हादसे के बाद घायलों को तुरंत अस्पतालों में पहुंचाया गया. यह भगदड़ रथ खींचने के दौरान हुई. एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल था, जिसकी मौत हो गई. बताया जा रहा है कि यह घटना भगवान बलभद्र के रथ को खींचने के दौरान हुई, जिसे सबसे पहले खींचा गया था.

हेमंत 3.0 का फ्लोर टेस्ट आज, जीत तय

आज ही मंत्रिमंडल का विस्तार, मिल सकता है नए चेहरों को मौका

कौशल आनंद। रांची

विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तीसरी बार फ्लोर टेस्ट से गुजरेंगे. हालांकि राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने इस बार मुख्यमंत्री बने हेमंत सोरेन को फ्लोर टेस्ट का निर्देश नहीं दिया. इसके बावजूद हेमंत ने सदन में विश्वास मत हासिल करने का निर्णय लिया है. सोमवार को हेमंत सोरेन सदन में अपनी सरकार का विश्वास मत हासिल करेंगे. विश्वास मत के बाद हेमंत सरकार का कैबिनेट विस्तार राजभवन में दिन के 3.30 बजे होगा. राजभवन के बिरसा मंडप में राज्यपाल नये मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे.

हेमंत सोरेन सरकार का सदन में विश्वास मत हासिल करना तय माना जा रहा है. क्योंकि विधानसभा के वर्तमान संख्या बाल के आधार पर सरकार के पास बहुमत के आंकड़े से अधिक विधायकों का समर्थन है और इसको लेकर हेमंत सोरेन निश्चित हैं. बता दें कि पहली बार हेमंत सोरेन ने दिसंबर 2019 में सरकार गठन के समय, दूसरी बार पांच सितंबर 2022 और अब सोमवार 8 जुलाई को विश्वास मत हासिल करने के लिए फ्लोर टेस्ट में जा रहे हैं.

संख्या बल सरकार के पक्ष में : झारखंड विधानसभा के कुल 81 सदस्यों में से लोकसभा चुनाव में चार विधायकों के सांसद बनने के बाद सदस्यों की संख्या घटकर 77 रह गई है. झामुमो से दो विधायक जोबा मांझी और नलित सोरेन, भाजपा से दो विधायक मनीष जायसवाल और ढुल्लू महतो सांसद बन चुके हैं. ये लोग विधायकी से इस्तीफा भी दे चुके हैं. ऐसे में विधनसभा की वर्तमान संख्या केवल 77 रह गई है. अगर इंडिया गठबंधन की बात करें, तो इनके पास कुल 47 विधायकों का समर्थन है. जिसमें झामुमो 26, कांग्रेस 18, राजद एक, माले एक और मनोनीत एक विधायक शामिल हैं. झामुमो के विधायक लोबिन हेंब्रम को पार्टी छह साल के लिएनिष्कासित कर दिया है, वहीं विधायक चमरा लिंडा निलंबित हैं. जबकि जामा विधायक सीता सोरेन ने भाजपा में जाने के बाद अपना इस्तीफा स्पीकर को दे दिया है, जिसे स्पीकर ने स्वीकार भी कर लिया है. इसलिए झामुमो के विधायकों की संख्या 26 हो गई है.

चार विधायकों के सांसद बनने के बाद अब विधानसभा की सदस्य संख्या रह गयी है 77, इसलिए राह और आसान

यह है विधानसभा में दलगत स्थिति

विधानसभा में कुल सीटें 81

अब विधानसभा में सदस्यों की संख्या	77	स्पीकर को छोड़कर विधायकों की संख्या	76

सत्ता पक्ष	विपक्ष
झामुमो : 26	भाजपा : 24
कांग्रेस : 18	आजसू : 3
राजद : 01	एनसीपी : 1
माले : 01	कुल : 28
मनोनीत : 01	अन्य
कुल : 47	निर्दलीय : 2

नलिन सोरेन, जोबा मांझी, ढुल्लू महतो, मनीष जायसवाल सांसद बने. सीता सोरेन ने इस्तीफा दिया.

● वर्तमान विधानसभा के कार्यकाल में हेमंत तीसरी बार और चंपाई एक बार जा चुके हैं फ्लोर टेस्ट में

तीन विधायकों पर रहेगी सबकी नजर

हेमंत सरकार के विश्वास मत के दौरान तीन विधायकों की भूमिका पर सबकी नजरें रहेंगी. इनमें झामुमो से निष्कासित लोबिन हेंब्रम और निलंबित विधायक चमरा लिंडा प्रमुख हैं. इसके अलावे भाजपा विधायक रहते हुए कांग्रेस का दामन थाम चुके जेपी भाई पटेल पर भी नजरें रहेंगी. जेपी को लेकर प्रतिपक्ष के नेता अमर बाउरी ने स्पीकर कोर्ट में मामला दर्ज कराया है. जो अभी लंबित है. ऐसे में जेपी वोट करेंगे या नहीं, यह पूरी तरह से स्पीकर के निर्णय पर निर्भर करेगा. इसके अलावे कांग्रेस के एक अन्य विधायक एवं पूर्व मंत्री आलममीर आलम जो टेंडर कमीशन मामले में जेल में हैं, कोर्ट से सत्र में हिस्सा लेने की अनुमति मांगी है.

आज हटेगा पर्दा, कौन-कौन बनेगा सरकार में मंत्री

जानकारी के अनुसार सोमवार दोपहर दो बजे विधानसभा की कार्यवाही समाप्त हो जाएगी. यानी की फ्लोर टेस्ट हो जाएगा. इसके बाद अपराह्न 3.30 बजे हेमंत सोरेन अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करेंगे. शपथ ग्रहण समारोह राजभवन के बिरसा मंडप में होगा, जहां राज्यपाल नये मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे. हेमंत सरकार 3.0 में नए चेहरों को मौका मिल सकता है. झामुमो से दीपक बिरुआ, बेबी देवी, हफीजुल अंसारी और मिथिलेश ठाकुर को छोड़ कर नए चेहरे शामिल हो सकते हैं. हेमंत सोरेन के छोटे भाई बंसत सोरेन ड्राप हो सकते हैं. इनके बदले लातेहार विधायक बैजनाथ राम को जगह दी जा सकती है. ये पलामू प्रमंडल से मिथिलेश ठाकुर की जगह ले सकते हैं. ठीक इसी तरह से कांग्रेस की तरफ से आलमगीर के बदले डॉ. इरफान अंसारी को जगह मिलना बताया जा रहा है. बादल पत्रलेख को भी बदले जाने की चर्चा है. इनकी जगह दीपिका सिंह पांडेय को जगह देने की चर्चा है. हालांकि कांग्रेस में पेंच विधायक दल के नेता को लेकर भी फंस रहा है. आलमगीर आलम न केवल मंत्री थे, बल्कि पार्टी विधायक दल के नेता भी रहे हैं. इसलिए अब यह पद किसे मिलेगा, यह भी देखना दिलचस्प होगा. इस पद को लेकर पार्टी के सीनियर नेता डॉ. रामेश्वर उरांव की चर्चा जोरों पर है.

देवघर : ताश के पत्तों की तरह ढही तीन मंजिली इमारत

तीन की मौत, कई लोगों के फंसे होने की आशंका

लगातार न्यूज नेटवर्क। देवघर

झारखंड के देवघर में भी सूरत जैसा बड़ा हादसा हो गया है. यहां भी रविवार को तीन मंजिला इमारत गिरने से हड़कंप मच गया. इस हादसे में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य लोगों के फंसे होने की आशंका है. एनडीआरएफ और जिला प्रशासन की टीमें मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हैं.

अधिकारियों ने बताया कि देवघर के एक इलाके में सुबह करीब छह बजे तीन मंजिला इमारत ढह गई. उन्होंने बताया कि मलबे में अब भी कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है और वहां राहत एवं बचाव अभियान जारी है. देवघर के सिविल सर्जन रंजन सिन्हा ने बताया, मलबे में दबे छह लोगों को बाहर निकाल कर यहां सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया. उनमें से एक महिला सहित दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक बच्चे समेत तीन अन्य का उपचार जारी है.

बचाव अभियान में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के एक दल को तैनात किया गया है. देवघर के एसडीपीओ ऋत्विक श्रीवास्तव ने कहा, इमारत ढहने के बाद मलबे में अब भी कुछ और लोगों के फंसे होने की आशंका है और घटनास्थल पर राहत एवं बचाव अभियान जारी है. उन्होंने बताया कि इमारत ढहने के बाद मलबे से बाहर निकाले गए लोगों को देवघर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

घटनास्थल पर राहत एवं बचाव और राहत अभियान का नेतृत्व कर रहे एनडीआरएफ के निरीक्षक रंधीर कुमार ने बताया कि मलबे में फंसे हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं. देवघर के डीसी विशाल सागर ने कहा, शुरुआती जानकारी के मुताबिक यहां कुछ निर्माण कार्य चल रहा था. संभानना यह भी जताई जा रही है कि घर उतना मजबूत नहीं था और इसी की वजह से गिर गया. उन्होंने कहा, मामले की जांच की जाएगी, लेकिन फिलहाल प्राथमिकता लोगों की जान बचाना है. बचाव कार्य लगातार चलाया जा रहा है. मौके पर वरीय अधिकारी भी मौजूद हैं.

राहत व बचाव कार्य में लगी एनडीआरएफ की टीम.

- एनडीआरएफ और जिला प्रशासन की टीमें मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हैं
- इमारत ढहने के बाद मलबे से बाहर निकाले गए लोगों को देवघर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है

देवघर हादसे पर मरांडी ने जताया शोक

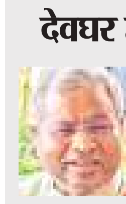

रांची। देवघर स्थित एक पुराने मकान के गिर जाने से तीन लोगों की हुई मौत पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने गहरा शोक प्रकट किया है. मरांडी ने कहा कि घटना को सुनकर मर्माहत हूं. उन्होंने मृतकों की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की. उन्होंने कहा कि ईश्वर परिजनों को धैर्य एवं साहस प्रदान करें. घायलों के जल्दी स्वस्थ होने की कामना है.

सूरत में भी गिरी इमारत, 7 मरे

इससे पहले शनिवार को सूरत में पांच मंजिला इमारत के गिरने से हड़कंप मच गया था. यह घटना सचिन जीआईडीसी इलाके की है. इसमें 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक औरत को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया. यह हादसा इतना भीषण था कि मलबे के नीचे से लोगों की आवाजें आ रही थीं.घटना को 12 घंटे से ज्यादा का समय बीत चका है और रेस्क्यू ऑपरेशन अभी भी जारी है. बताया जा रहा है कि कुछ और लोग मलबे में फंसे हो सकते हैं. एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम मौके पर मौजूद हैं. इमारत का निर्माण साल 2017 मे किया गया था. इमारत में कुल 30 फ्लैट थे, जिनमें 5 में लोग रह रहे थे. घटना के वक्त कुछ लोग काम पर गए हुए, जबकि कुछ घर में सो रहे थे.

बड़ा संकट वैश्विक बैंक सिटी ग्रुप की एक नई रिपोर्ट पर कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना

देश में बेरोजगारी की दर बढ़ कर 42% तक पहुंची

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस ने रविवार को आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने नोटबंदी, जीएसटी, चीन से बढ़ते आयात के कारण रोजगार सृजन करने वाले एमएसएमई को तबाह कर भारत में बेरोजगारी के संकट को बढ़ा दिया है.

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक बयान में वैश्विक बैंक सिटीग्रुप की नयी रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि कुछ चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं, जो चुनाव में कांग्रेस द्वारा कही गई बातों की पुष्टि करते हैं. रमेश ने कहा, कांग्रेस बेरोजगारी पर चिंता जताती रही है. उन्होंने कहा, पीएम मोदी ने केवल बड़े कारोबारियों को लाभ पहुंचाने वाली नीतियां बना कर बेरोजगारी दर को 45 वर्षों के उच्च स्तर पर पहुंचा दिया, जिसमें स्नातकों के बीच बेरोजगारी दर 42 प्रतिशत है.

गांवों में मजदूरी1.5% से कम हो रही : रमेश ने मोदी पर ग्रामीण भारतीयों को और गरीब बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूरी प्रति वर्ष 1.5% से कम हो रही है. रमेश ने कहा, सिटीग्रुप की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सरकार की कई योजनाओं ने जमीनी स्तर पर कोई लाभ नहीं दिया और इनमें सुधार के लिए सुझाव दिए गए हैं. रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने दावा किया कि स्किल इंडिया योजना विफल रही है. केवल 4.4% युवाओं के पास ही किसी तरह का प्रशिक्षण है. कौशल विकास के लिए नयी पहल की सख्त जरूरत है. कांग्रेस के न्याय पत्र में प्रशिक्षुता का जो वादा था वह समय की मांग है. मुद्रा और स्वनिधि जैसे जुमले छोटे व्यवसायों को कर्ज देने में पूरी तरह विफल रहे हैं. इनमें बड़े पैमाने पर सुधार की आवश्यकता है. कम वेतन वाली नौकरियों में काम करने वाले लोग पीड़ित हैं. रमेश ने कहा कि कांग्रेस की न्यूनतम वेतन 400 रुपए रोज की गारंटी अच्छी शुरुआत होगी. रमेश ने कटाक्ष करते हुए कहा, नॉन बायोलॉजिक प्रधानमंत्री और उनके लिए ढोल पीटने वाले अर्थशास्त्री इस पर हमला बोलने लगते हैं, लेकिन वास्तविकता शायद और गंभीर है, यह है रोजगार विहीन विकास.

केवल 21% श्रम शक्ति के पास नियमित नौकरी

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत को अपने युवाओं को रोजगार देने के लिए अगले 10 वर्षों तक प्रति वर्ष 1.2 करोड़ नौकरियां सृजित करनी चाहिए. यहां तक कि 7% जीडीपी वृद्धि भी युवाओं के लिए पर्याप्त नौकरियां पैदा नहीं करेगी. अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में मोदी सरकार की विफलता बेरोजगारी संकट का मूल कारण है. केंद्र के विभिन्न विभागों में 10 लाख रिक्त पद हैं जो न केवल शिक्षित युवाओं के साथ मजाक है बल्कि कामकाज में भी बाधा है. जयराम ने रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत की केवल 21 प्रतिशत श्रम शक्ति के पास नियमित वेतन वाली नौकरी है जो कि कोविड के पहले के समय से 24 प्रतिशत कम है. रमेश ने दावा किया, कोविड के बाद की रिकवरी में एकमात्र लाभार्थी अरबपति वर्ग रहा है. इस बीच वेतनभोगी मध्यम वर्ग के लिए रास्ते बंद हो रहे हैं.

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा की फिर से बढ़ेंगी मुश्किलें

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा की एक बार फिर से मुश्किलें बढ़ गई हैं. हाथरस कांड के बाद महिला आयोग की प्रमुख रेखा शर्मा के खिलाफ किए एक सोशल मीडिया पोस्ट पर महुआ पर एफआईआर दर्ज की गई है. नए कानून के तहत गरिमा को ठेस पहुंचाने को लेकर मामला दर्ज हुआ है.

▪ नए आपराधिक कानूनों के तहत एफआईआर दर्ज

बता दें कि यूपी के हाथरस में पिछले दिनों भोले बाबा के सत्संग में भगदड़ मच गई थी, जिसके बाद 121 लोगों की जान चली गई. हादसे के बाद महिला आयोग प्रमुख रेखा शर्मा मौके पर पहुंची थीं. सामने आए वीडियो में रेखा शर्मा को बारिश से बचाने के लिए किसी ने छाता पकड़ा हुआ था. इस पर महुआ ने एक्स पर लिखा- वह अपने बॉस का पजामा संभालने में व्यस्त हैं. हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद महुआ ने पोस्ट को हटा लिया. एनसीडब्ल्यू ने रेखा शर्मा के विरुद्ध सांसद की आपत्तिजनक टिप्पणी पर संज्ञान लेकर उन पर पुलिस को केस दर्ज को कहा था. आयोग ने पाया कि टिप्पणी भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 79 के अंतर्गत आती है.

इसके बाद, एनसीडब्ल्यू की पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए मोइत्रा ने लिखा- दिल्ली पुलिस आए, कृपया इन स्वतः संज्ञान आदेशों पर कार्रवाई करें. अगर आपको तीन दिनों में गिरफ्तारी के लिए जरूरत हो तो मैं नादिया में हूं. रेखा पर शर्मा पर महुआ ने कहा, मैं अपना छाता खुद संभाल सकती हूं. मोइत्रा ने एक पोस्ट में शर्मा पर भी केस की मांग की.

- राज्य गठन से अब तक 12 बार हो चुका है फ्लोर टेस्ट
- 13वीं बार हेमंत सोरेन विश्वास मत हासिल करेंगे
- इस साल दूसरी बार होगा फ्लोर टेस्ट
- चंपाई के बाद अब हेमंत सोरेन फ्लोर टेस्ट पास करेंगे

फ्लोर टेस्ट में हेमंत सोरेन का स्ट्राइक रेट 100%

रवि भारती। रांची

यूं ही झारखंड को राजनीति की प्रयोगशाला नहीं कहा जाता. राज्य गठन के बाद से अब तक रिकॉर्ड 12 बाद सदन में फ्लोर टेस्ट हो चुका है. आठ जुलाई को 13वीं बार सीएम हेमंत सोरेन फ्लोर टेस्ट का सामना करेंगे. हालांकि हेमंत सोरेन का फ्लोर टेस्ट पास करने का स्ट्राइक रेट शत-प्रतिशत है. हेमंत सोरेन ने दो बाद डिप्टी सीएम रहते और एक दफा सीएम के रूप में फ्लोर टेस्ट पास कर चुके हैं. आठ जुलाई को चौथी बार हेमंत सोरेन फ्लोर टेस्ट का सामना करेंगे. वहीं इस साल दो बार फ्लोर टेस्ट की परिस्थिति बनी है. पांच फरवरी को हेमंत सोरेन के इस्तीफे के बाद चंपाई सरकार ने फ्लोर टेस्ट में विश्वास मत हासिल किया था. बताते चलें कि सदन में अबतक 12 बार तत्कालीन सरकारों द्वारा लाए गए विश्वास प्रस्ताव में नौ बार सरकारों ने अपना बहुमत साबित किया. दो बार प्रस्ताव आने के बाद वोटिंग से पहले ही तत्कालीन मुख्यमंत्रियों ने अपना इस्तीफा दे दिया था. एक बार वोटिंग की अनुमति ही नहीं दी गई थी. वहीं सदन में अबतक दो ही बार अविश्वास प्रस्ताव आया है.

सबसे पहले बाबूलाल मरांडी ने लाया था विश्वास प्रस्ताव : सबसे पहले 23 नवंबर 2000 को बाबूलाल मरांडी ने विश्वास प्रस्ताव लाकर बहुमत साबित किया था. उसके बाद 11 मार्च 2005 को शिबू सोरेन ने विश्वास प्रस्ताव लाया था. लेकिन प्रोटेम स्पीकर ने प्रस्ताव पेश करने की अनुमति नहीं दी. 15 मार्च 2005 को अर्जुन मुंडा ने विश्वास मत हासिल किया था. 14 सितंबर 2006 को अर्जुन मुंडा ने बहुमत नहीं होने के कारण सदन में इस्तीफा घोषणा की. 20 सितंबर 2006 को मधु कोड़ा बहुमत साबित किया. 29 अगस्त 2008 को स्टीफन मरांडी (तात्कालीन संसदीय कार्य मंत्री) का प्रस्ताव बहुमत से स्वीकृत हो गया. सात जनवरी 2010 को रघुवर दास का (संसदीय कार्य मंत्री) प्रस्ताव बहुमत से स्वीकृत हो गया. 30 मई 2010 को सुदेश महतो (उप मुख्यमंत्री) का प्रस्ताव बहुमत नहीं होने के कारण शिबू सोरेन का इस्तीफा हुआ. 14 सितंबर 2010 को हेमंत सोरेन (उप मुख्यमंत्री) का प्रस्ताव बहुमत से स्वीकृत हुआ. 18 जुलाई 2013 को हेमंत सोरेन का (उप मुख्यमंत्री) प्रस्ताव बहुमत से स्वीकृत हुआ. पांच सितंबर 2022 को हेमंत सोरेन (मुख्यमंत्री) ने बहुमत साबित किया. पांच फरवरी 2024 को चंपई सोरेन (मुख्यमंत्री) ने बहुमत साबित किया.

सदन में अब तक दो बार आ चुका है अविश्वास प्रस्ताव

विधानसभा में अब तक दो बार अविश्वास प्रस्ताव आ चुका है. सबसे पहले तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष स्टीफन मरांडी तथा विधायक फुरकान अंसारी ने 17 मार्च को 2003 को तत्कालीन मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की सूचना विधानसभा सचिवालय को दी थी. लेकिन अविश्वास प्रस्ताव आने से पहले ही बाबूलाल मरांडी ने उसी दिन मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था. दूसरी बार नेता प्रतिपक्ष के रूप में अर्जुन मुंडा, विधायक सीपी सिंह और राधाकृष्ण किशोर 18 दिसंबर 2007 को तत्कालीन मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाये थे, जो अस्वीकृत हो गया था. इसमें मधु कोड़ा सरकार ने अपना बहुमत साबित कर दिया था.

फ्लोर टेस्ट के बाद मंत्रिमंडल का गठन

आठ जुलाई को मुख्यमंत्री विधानसभा में विश्वासमत हासिल करने सदन में आएंगे. इसके लिए विधानसभा का विशेष सत्र सुबह 11 बजे बुलाया गया है. विश्वासमत का काम ठीक से निपट गया तो उसी दिन हेमंत मंत्रिमंडल का विस्तार भी कर सकते हैं. इसके लिए रविवार की शाम या सोमवार की सुबह राजभवन से हेमंत समय मांग सकते हैं. यह देखना दिलचस्प होगा कि मंत्रिमंडल में किसे जगह दी जाती है. वैसे पूरी उम्मीद है कि पुराने मंत्रिमंडल को ही बहाल कर लिया जाएगा. जो दो पद खाली हैं, उन पर किसे बिठाया जाए, सारी माथापच्ची इसी पर होनी है.

राज्य सरकार एक बड़ी आबादी के साथ कर रही खिलवाड़ : आजसू

सरकार में आते ही छह माह के अंदर ओबीसी समाज को देंगे अधिकार : सुदेश

प्रमुख संवाददाता। रांची

पूर्व मुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने कहा कि इस राज्य की एक बड़ी आबादी के साथ इस राज्य की सरकार खिलवाड़ कर रही है. राज्य सरकार ने चुनावी घोषणा में वादा किया था कि जैसे ही सरकार में हम आएंगे 6 माह के अंदर ओबीसी समाज का अधिकार देने का काम करेंगे. लेकिन सरकार के विदाई वर्ष में भी इस राज्य के ओबीसी समाज के साथ लॉलीपॉप दिखाने का काम किया गया. वे रविवार को ओबीसी एकता अधिकार मंच के अरगोड़ा स्थित केंद्रीय कार्यालय के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि इस सरकार में बैठे मंत्री और मुख्यमंत्री केवल घोषणाएं करते हैं, धरातल पर एक भी काम नहीं हो रहा है और ओबीसी समाज को छला जा रहा है. हम ओबीसी समाज की लड़ाई को मजबूती के साथ विधानसभा में रखने का काम करेंगे और हम ओबीसी समाज के लोगों से आग्रह करते हैं कि इस लड़ाई को मजबूती के साथ एकजुटता के साथ खड़ा होकर लड़ाई लड़े ताकि ओबीसी समाज का हक अधिकार मिल सके.

ओबीसी एकता अधिकार मंच के केंद्रीय कार्यालय का उद्घाटन

समारोह को संबोधित करते सुदेश महतो. साथ में केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ.

ओबीसी समाज के साथ हम कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे: संजय सेठ

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि ओबीसी समाज के साथ हम कंधों से कंधा मिलाकर चलेंगे. ओबीसी समाज के हर लड़ाई को मजबूती के साथ हम लड़ाई में खड़ा रहेंगे. विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि हम ओबीसी एकता अधिकार मंच के साथ हर मौके पर खड़े रहेंगे, जहां भी मेरी जरूरत होगी वहां मंच को मेरा सहयोग और समर्थन मिलेगा. राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने ओबीसी एकता अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रसाद और मंच के पदाधिकारियों के कार्यों को सराहना करते हुए सहयोग और समर्थन करने की बात कहे. मौके पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने ओबीसी एकता अधिकार सह न्याय यात्रा रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. न्याय यात्रा रथ राज्य के सभी जिलों में प्रखंड स्तर से लेकर पंचायत स्तर तक ओबीसी समाज को जगाने का कार्य करेगी .

ओबीसी समाज की आवाज बुलंद की जाएगी : ब्रह्मदेव

ओबीसी एकता अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रसाद ने कहा कि पूरे प्रदेश में ओबीसी समाज के लोगों को जागने के लिए, राजनैतिक, शैक्षणिक क्षेत्र में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, यह गैर राजनैतिक संगठन ओबीसी समाज का गठन किया गया है. ओबीसी एकता अधिकार मंच का एकमात्र उद्देश्य ओबीसी समाज के हक, अधिकार की लड़ाई को मजबूती देने के लिए राज्य के 24 जिले में ओबीसी समाज का संगठन खड़ा कर ओबीसी समाज के आवाज को बुलंद करना.

ओबीसी एकता अधिकार मंच का एकमात्र उद्देश्य ओबीसी समाज के हक, अधिकार की लड़ाई को मजबूती देना है

अभ्यर्थियों के पास पीजीटी परीक्षा में भ्रष्टाचार के पुख्ता प्रमाण: अमर बाउरी

प्रमुख संवाददाता। रांची

जेएसएससी पीजीटी परीक्षा में हुई धांधली की जांच की मांग को लेकर राजभवन के समक्ष धरना दे रहे अभ्यर्थियों से रविवार को नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने मुलाकात की. इस दौरान रांची विधायक सीपी सिंह सिंह,कांके विधायक समरी लाल, राजमहल विधायक अनंत ओझा और गोड्डा विधायक अमित मंडल भी मौजूद थे. नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि जेएसएससी पीजीटी मामले में कई गड़बड़ियां सामने आई हैं, जिस तरह से अभ्यर्थियों ने अपने साथ हो रहे अन्याय के पुख्ता प्रमाण दिखाए हैं. इससे लगता है कि झारखंड सरकार ने सफल अभ्यर्थियों से पैसे लेकर नौकरी बेचने का काम किया है. सरकार को चाहिए कि जब सीबीआई पहले से ही नियुक्ति घोटाले मामले पर अपनी जांच कर रही है तो इस मामले की जांच भी एक साथ करवा दें.

सरकार नौकरी बेचने का कर रही है काम : बाउरी ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रति वर्ष 5 लाख नौकरी देने का वादा किया था और नौकरी नहीं मिलने पर 5 से 7 हजार रुपये का भत्ता देने का वादा युवाओं से किया था. लेकिन नौकरी देना तो दूर सरकार नौकरी को बेचने का काम कर रही है. कई मामले की जांच एसआईटी का गठन कर की गई, जिसमें राज्य सरकार के ही दो अधिकारियों की गिरफ्तारी भी की गई. लेकिन पूरा मामला ठंडे बस्ते में चला गया और किसी पर भी कोई भी कार्रवाई नहीं की गई.

अभ्यर्थियों से बात करते अमर बाउरी और सीपी सिंह.

ब्लैकलिस्डेड कंपनी को सौंपा गया था काम: सीपी सिंह

रांची के विधायक सीपी सिंह ने कहा कि जिस तरह से छात्रों ने प्रमाण पेश किए हैं, उससे लगता है कि झारखंड के पांच सेंटर से ही अभ्यर्थी सफल हुए हैं, जिस कंपनी को परीक्षा करवाने का टेंडर दिया गया वह कंपनी पहले से ही ब्लैक लिस्टेड है, बावजूद इसके फिर से उसी कंपनी से परीक्षा करवाने पर भी सरकार के ऊपर सवाल खड़े हो रहे हैं. इस पूरे मामले की जांच केंद्रीय जांच एजेंसी से करवाने की बात कही, ताकि छात्रों को न्याय मिल सके. वहीं उन्होंने छात्रों को उच्च न्यायालय जाने का भी सुझाव दिया, ताकि कोर्ट के माध्यम से इस पूरे मामले की जांच सीबीआई से करवाई जा सके.

अभ्यर्थियों को दी जा रही है धमकी

बाउरी ने कहा कि धरने पर बैठे अभ्यर्थियों को पहले तो समझाने का काम किया जा रहा था, लेकिन अब उन्हें धमकी भी दी रही है. यदि युवाओं के साथ कोई भी छेड़छाड़ होती है तो सड़क से लेकर सदन तक भारतीय जनता पार्टी इस लड़ाई को लड़ने का काम करेगी. युवाओं के साथ सरकार छेड़छाड़ ना करें नहीं तो सत्ता के साथ झारखंड से भी उन्हें हाथ धोना पड़ेगा.

मुस्लिम लीग ने 20 सीटों पर चुनाव लड़ने का किया ऐलान

बैठक में शामिल मुस्लिम लीग के नेतागण.

संवाददाता। रांची

इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग झारखंड प्रदेश कमेटी की बैठक मेन रोड स्थित होटल सरताज में प्रदेश अध्यक्ष अशरफ हुसैन की अध्यक्षता में हुई. उन्होंने कहा कि विधानसभा के 20 सीटों का चयन विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक दृष्टिकोणों से किया गया है. प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि समाज के सभी वर्गों के लिए विकास और समावेशी नीति को बढ़ावा देना है, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में सुधार के लिए पार्टी ने कई योजनाएं तैयार की है. प्रदेश महासचिव शान उल हक ने अपने समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं से शांतिपूर्ण और सुसंगत चुनाव अभियान चलाने का आग्रह किया. उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सभी की भूमिका अहम है और हमें एक स्वस्थ और सकारात्मक चुनाव प्रक्रिया का पालन करना चाहिए. प्रदेश उपाध्यक्ष अंजनी कुमार सिन्हा ने कहा कि हमारा उद्देश्य एक ऐसा समाज बनाना है, जिसमें हर व्यक्ति को समान अवसर मिले और सभी को विकास का लाभ मिल सके. प्रदेश उपाध्यक्ष सहाबुद्दीन ने कहा कि मुस्लिम लीग ने समाज के सभी वर्गों से समर्थन और सहयोग की अपील की है. वहीं प्रदेश महासचिव शानुल हक ने कहा आईयूएमएल झारखंड प्रदेश इलेक्शन पार्लियामेंट्री बोर्ड की बैठक आगामी 14 जुलाई को होगी.

35 सदस्यीय राज्य कमेटी का गठन किया गया

झारखंड राज्य लेखा लिपिक का प्रथम राज्य स्तरीय सम्मेलन

संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य लेखा लिपिक संघ का प्रथम राज्य स्तरीय आयोजन किया गया. सम्मेलन में रांची के अलावा झारखंड के विभिन्न जिलों के सभी कार्य विभाग के लेखा लिपिकों ने भारी संख्या में भाग लिया. सम्मेलन में 35 सदस्यीय राज्य कमेटी का गठन किया गया. सम्मेलन में झारखंड सरकार से कई बिंदुओं पर मांग संबंधी प्रस्ताव पारित भी कराया गया. सम्मेलन की अध्यक्षता अविनाश कुमार मिश्र ने किया. विशिष्ट अतिथि लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग के पदाधिकारी सह झारखंड लेखा पदाधिकारी /लेखाकार संघ के अध्यक्ष सुशील कुमार मिश्र, महासचिव सतीश चंद्र दास, झारखंड राज्य राजपत्रित कर्मचारी महासंघ के संरक्षक नवीन चौधरी, एनएमओपीएस/ जेएचएआरओटीईएफ के प्रांतीय अध्यक्ष अरविंद कुमार, मीडिया प्रभारी शिवानंद, डिप्लोमा अभियंता संघ के महामंत्री कुमार बृजेश, सीडेक के तकनीकी पदाधिकारी महावीर तिर्की, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग झारखंड के अवर सचिव राजीव कुमार चौधरी, उच्च तकनीकी शिक्षा विभाग झारखंड के प्रशाखा पदाधिकारी संजय कुमार,महाधिवक्ता कार्यालय के सहायक प्रशाखा अधिकारी राजशेखर सहित अलग-अलग वक्ताओं ने संबोधित किया.

सम्मेलन में संबोधित करते वक्ता.

पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी ने भाजपा को किया बाय-बाय

प्रमुख संवाददाता। रांची

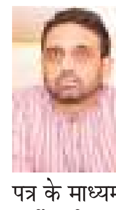

बहरागोड़ा से पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी ने बीजेपी को बाय-बाय कर दिया है. उन्होंने अपना इस्तीफा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को भेज दिया है. उन्होंने लिखा है कि पत्र के माध्यम से मैं भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे रहा हूं. यह निर्णय मैंने गहन चिंतन और आत्ममंथन के उपरांत लिया है. षाड़ंगी ने इस्तीफे की कॉपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष और प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह को भी भेजी है. राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि कुणाल षाड़ंगी जल्द झामुमो का दामन थाम सकते हैं.

महत्वपूर्ण मुद्दों के प्रति पार्टी रही उदासीन : कुणाल ने अपने इस्तीफे में लिखा है कि पिछले कई महीनों से मैं यह महसूस कर रहा हूं कि कई बार पूर्वी सिंहभूम जिले की बुनियादी समस्याओं से जुड़े विषयों और संगठनात्मक विषयों को आपके और अन्य वरीय पदाधिकारियों के संज्ञान में लाने के बावजूद पार्टी जिले के महत्वपूर्ण मुद्दों के प्रति बिलकुल उदासीन है. जब मैंने प्रदेश के प्रवक्ता के पद से त्यागपत्र दिया था, तो मुझे उम्मीद थी कि मेरे द्वारा रखे गए विषयों पर पार्टी संज्ञान लेगी, लेकिन दुखद है कि स्थिति आज भी जस की तस है.

संगठन के आंतरिक अनुशासन के प्रति भी कोई गंभीरता नहीं : षाड़ंगी ने कहा है कि जिले की कई बुनियादी सुविधाओं और विशेष तौर पर युवाओं के मुद्दों पर यहां से चुने हुए जनप्रतिनिधि हमेशा से मौन रहे हैं और संगठन के आंतरिक अनुशासन के प्रति भी कोई गंभीरता दिखाई नहीं देती है.

भाजपा में रहकर संभव नहीं : पूर्वी सिंहभूम जिले की जनता के हित में यह आवश्यक है कि उनकी आवाज को जोरदार तरीके से बुलंद किया जाए, ताकि उनकी समस्याओं का उचित समाधान हो स, जो वर्तमान परिस्थिति में भाजपा में रह कर मुझे संभव प्रतीत नहीं होता है.

चिंताजनक सूबे के 15 जिलों के 2439 लोगों के डीएल रद्द करने की अनुशंसा

हर दिन 81 लोगों के डीएल रद्द करने की सिफारिश

संवाददाता। रांची

झारखंड में हर दिन 81 लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने सिफारिश की जा रही है. पिछले एक महीने के दौरान राज्य के 15 जिलों में 2439 लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने की सिफारिश पुलिस द्वारा संबंधित जिले के डीटीओ से की गयी है. इनमें सबसे अधिक रांची जिले में 706 और देवघर जिले में 602 लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने की सिफारिश की गई. यह कार्यक्रम एमवी एक्ट के तहत धारा 183, 184, 185, 189, 190, 914सी, 194डी और 197ई के तहत की गई है.

इन कारणों से आपका ड्राइविंग लाइसेंस हो सकता है रद्द

ओवर स्पीडिंग करते पकड़े जाने पर जुर्माना तो लगेगा ही, साथ ही यातायात पुलिस के पास आपका ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने का भी अधिकार रहता है. इसलिए सड़क पर चलते समय ओवर स्पीडिंग से बचें. यदि पुलिस आपको सड़क पर खतरनाक तरीके से वाहन चलाते हुए पकड़ती है, तो लाइसेंस जब्त की संभावना के साथ-साथ आप पर भारी जुर्माना लगाया जा सकता है. खतरनाक ड्राइविंग में लापरवाही से गाड़ी चलाना और नियम का पालन न करना शामिल है. यदि आपकी ड्राइविंग सड़क पर अन्य मोटर चालकों के जीवन के लिए खतरा है, तो इसे खतरनाक ड्राइविंग माना जाएगा. यहां तक कि मोटरसाइकिल पर स्टंट करना भी सार्वजनिक सड़कों पर खतरनाक ड्राइविंग मानी जाती है. दोपहिया वाहन पर तीन लोगों का बैठना भी मोटर व्हीकल एक्ट के अनुसार अपराध है.

जानें किसे जिले में कितने लोगों का ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने की सिफारिश की गई है

रांची :	706	रामगढ़ :	08
लोहरदगा :	01	कोडरमा :	127
सिमडेगा :	01	गिरिडीह :	28
खूंटी :	05	बोकारो :	67
जमशेदपुर :	287	दुमका :	13
सरायकेला :	262	देवघर :	602
पलामू :	290	गोड्डा :	31
हजारीबाग :	04	कुल :	2439

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | जमशेदपुर, सोमवार 08 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 03 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 90 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

उत्कल समाज

बेल्डीह

बिष्टुपुर

रथ पर सवार होकर मौसीबाड़ी पहुंचे महाप्रभु जगन्नाथ

जय जगन्नाथ के जयकारे से भक्तिमय हुई लौहनगरी

देवनगर गांधी आश्रम

मानगो हनुमान मंदिर

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

रविवार को लौहनगरी जय जगन्नाथ के नारे से गूंज उठी. शहर के चारो ओर से अलग-अलग मंदिरों एवं संस्थाओं ने रथयात्रा निकाली. बेलडीह काली बाड़ी को छोड़कर सभी जगहों की रथयात्रा 1 किलोमीटर से 4.5 किलोमीटर तक की दूरी तय की. सबसे लंबी दूरी बिष्टुपुर राम मंदिर से निकली रथयात्रा ने तय किया. यह रथयात्रा राम मंदिर से प्रारंभ होकर गोपाल मैदान, जुस्को गोलचक्कर, स्ट्रेट माइल रोड, कीनन स्टेडियम, साकची बड़ा गोल चक्कर, होते हुए साकची वाहन पड़ाव स्थल पर जाकर समाप्त हुई. तीन-अलग-अलग रथों पर सवार भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा एवं सबसे पीछे बलभद्र का रथ चल रहा था. तीनों रथों को लोग खींचते हुए जय जगन्नाथ, महा प्रभू जगन्नाथ की जय हो जयघोष करते हुए आगे बढ़ रहे थे. जगह-जगह विभिन्न संगठनों की ओर से सेवा शिविर लगाया गया था. जहां रथ को खींचने में शामिल लोगों को शर्बत, पानी, ग्लूकोज, चना, वगैरह प्रदान किया जा रहा था. रथ खींचने वाले अधिकांश लोग नंगे पांव चल रहे थे.

बिष्टुपुर राम मंदिर से इस्कॉन की ओर से निकाली जाने वाली रथयात्रा में लोगों की भीड़ को देखते हुए यातायात पुलिस की ओर से मेन रोड को दो छोर पर बंद कर दिया गया था. वोल्टास मोड़ के समीप रोड को बंद कर दिया गया था. किसी भी वाहन का प्रवेश वर्जित था. केवल पैदल आने-जाने वाले लोग ही बैरिकेडिंग के रास्ते से जा रहे थे. स्टेशन-जुगसलाई की ओर से आने वाले लोगों को बोल्टास गोलचक्कर से पीएम मॉल अथवा सिंहभूम चैंबर के रास्ते से जाने के लिए कहा जा रहा था.

खासमहल

वहीं बिष्टुपुर थाना गोलचक्कर के बैरिकेडिंग लगाकर साकची की ओर से आने वाले वाहनों को गोपाल मैदान खरकई लिंक रोड होकर आना जाना कर रहे थे. जिसके कारण उक्त रोड काफी देर जाम हो गया. जिसके बाद ट्राफिक पुलिस की मदद से जाम हटाया गया.

रथयात्रा को लेकर शहर को 8 थाना क्षेत्र में बांटकर पुलिस बल व दंडाधिकारी (मजिस्ट्रेट) तैनाती की गई थी. रथ यात्रा में किसी तरह का व्यवधान अथवा अव्यवस्थआ नहीं हो. इसके लिए पुलिस हमेशा तत्पर थी. ट्राफिक पुलिस को जगह-जगह तैनात किया गया था. जिससे आवागमन सामान्य बना रहे. शहर के अलग-अलग हिस्सों में विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए 12 मजिस्ट्रेत प्रतिनियुक्त रहे.

खासमहल जगन्नाथ मंदिर से रविवार की शाम में रथयात्रा निकाली गई. जिला परिषद अध्यक्ष बारी मुर्मू, उपाध्यक्ष पंकज सिंहा समेत अन्य ने पूजा अर्चना कर रथ खींचा. इसके अलावे नागा मंदिर बेलडीह, काली मंदिर नामदा बस्ती, जुगसलाई रथ गली, गोलपहाड़ी जगन्नाथ मंदिर, भारतीय कृष्ण भावनामृत संघ, सिदगोड़ा बाबूडीह बस्ती से रथ यात्रा निकली. स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता रविवार को साकची उत्कल एसोसिएशन की ओर से निकाले गए रथयात्रा में शामिल हुए. पूजा अर्चना करने के बाद रथ के समक्ष माथा टेका और रथ यात्रा वाले मार्ग पर झाड़ू लगाकर सेवा की.

झारखंड भाजपा के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले देवनगर गांधी आश्रम से निकाली गई रथ यात्री में शामिल हुए. पूजा-अर्चना कर रथ खींचा. कहा कि भगवान जगन्नाथ की दिव्य यात्रा हमारे जीवन को स्वास्थ्य, खुशी और आध्यात्मिक समृद्धि से भर दे. जुगसलाई विधानसभा बोड़ाम प्रखंड अंतर्गत बोड़ाम ग्राम स्थित जगन्नाथ मंदिर में आज आयोजित महाप्रभु श्री जगन्नाथ की रथयात्रा में जुगसलाई के विधायक मंगल कालिंदी शामिल हुए. उन्होंने माथा टेक कर महाप्रभु का आशीर्वाद लिया.

(फोटो : प्रसेनजीत)

घाटशिला, बहरागोड़ा, आदित्यपुर में रथ खींचने को उमड़े श्रद्धालु

शुभम संदेश टीम

घाटशिला के मऊभंडार शिव मंदिर परिसर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर परिसर से रविवार की शाम भक्तिभाव के साथ गुडिचा रथ यात्रा निकाली गई. रथ यात्रा मंदिर परिसर मऊभंडार से निकलकर घाटशिला, गोपालपुर पुराना रेलवे क्रासिंग तक पहुंची.भक्तों के लिए सूर्य मंदिर विकास परिषद गोपालपुर, गणेश पूजा समिति दहीगोड़ा सहित अन्य ने सेवा शिविर लगाए थे. हजारों की संख्या में श्रद्धालु रस्सी के सहारे रथ को खींच कर गुंडिचा स्थित मौसीबाड़ी तक महाप्रभु को ले गए.

बहरागोड़ा प्रखंड के पाटपुर स्थित जगन्नाथ मंदिर से प्रभु जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र तथा बहन सुभद्रा के साथ रथ पर सवार होकर कालीबाड़ी स्थित मौसी घर के लिए रवाना हुए. रथ यात्रा के साथ कीर्तन मंडली भी चल रही थी. मुख्य पुजारी दुर्गा पद पाठक, सहयोगी पुजारी देवाशीष पाठक,निपेन दुबे तथा राम कुमार ने पूजा अर्चना की. रथ यात्रा का संचालन श्री श्री जगन्नाथ चेतना सेवा समिति द्वारा किया गया. भुतिया पंचायत स्थित लाउडोका के जगन्नाथ मंदिर से भव्य रथ यात्रा निकाली गई. यहां से निकली रथयात्रा सांडरा पंचायत के मासड़ा गांव स्थित मौसीबाड़ी पहुंची.

मऊभंडार

बहरागोड़ा

आदित्यपुर रेलवे कॉलोनी शिव दुर्गा साईं मंदिर से धूमधाम से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकली. लोहे के बने रथ में भगवान जगन्नाथ बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा संग इच्छापुर दुर्गा मंदिर में बनाए गए मौसीबाड़ी पहुंचे. इस दौरान भक्तों की भीड़ लगी रही. पिछले वर्ष ही यहां पुरी धाम से भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा की मूर्ति लाकर विधि विधान से प्राण प्रतिष्ठा पूजन कराया गया था.

ब्रीफ खबर

यूसिल के नए तकनीकी निदेशक बने अनुत्तम मिश्रा

जादूगोड़ा | अनुत्तम मिश्रा यूसिल के नए तकनीकी निदेशक नियुक्त किए गए हैं. सोमवार को वह यूसिल में योगदान देंगे.19 जुलाई 2023 से इंडियन रेअर अर्थ लिमिटेड, मुंबई में तकनीकी निदेशक के रूप में कार्यरत हैं. सार्वजनिक उद्यम चयन समिति (पीईएसबी) ने उन्हें यूसिल के तकनीकी निदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है. पूर्व तकनीकी निदेशक राजेश कुमार 30 जून को रिटायर हो गये थे.

भाखर में साप्ताहिक हाट का पंसस ने किया शुभारंभ

गुड़ाबांदा | प्रखंड अंतर्गत सिंहपुरा पंचायत के भाखर गांव में साप्ताहिक हाट का शुभारंभ रविवार को पंचायत समिति सदस्य सिंहपुरा पुष्पा महतो ने फीता काट कर किया. साप्ताहिक हाट आयोजन कमेटी ने उपस्थित के दुकानदारों का स्वागत गमछा ओढ़ाकर किया. पंसस पुष्पा महतो ने इस अवसर पर कहा कि भाखर में साप्ताहिक हाट के आयोजन से ग्रामीणों को सहुलियत होगी.

असंगठित मजदूरों के लिए कार्यशाला का आयोजन

जमशेदपुर | परसुडीह गौरी भवन में असंगठित मजदूरों के क्षमता संवर्धन के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया. इसमें काफी संख्या में मजदूर एवं विभिन्न संगठनों के लोग शामिल हुए. वक्ता के रूप में कंज्यूमर कोर्ट प. सिंहभूम के मेंबर राजीव कुमार, अधिवक्ता शमशाद खान, रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर (सीआईएसफ) बलराम पात्रो, रिटायर्ड लेबर सुपरिंटेंडेंट राकेश कुमार, अनिरुद्ध सरकार, अरुण कुमार एवं तपन कुमार गोराई समेत अन्य मौजूद थे.

श्री लक्ष्मीनारायण की प्राण प्रतिष्ठा के साथ पांच दिवसीय महायज्ञ संपन्न

जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय रहे प्रमुख यजमान

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

श्री लक्ष्मीनारायण प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के पांचवें और अंतिम दिवस रविवार को श्री लक्ष्मीनारायण, शिव परिवार, हनुमान जी, मां काली की प्रतिमाओं की मंत्रोच्चारण के साथ प्राण प्रतिष्ठा हुई. प्राण प्रतिष्ठा के बाद हवन के साथ ही यज्ञ की पूर्णाहुति हुई. इस पांच दिवसीय महायज्ञ के प्रमुख यजमान जमशेदपुर पूर्वी के विधायक और श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर जीर्णोद्धार समिति के संयोजक सरयू राय रहे. साथ ही स्थानीय लोग भी यजमान बने. प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही अब आम लोग मूर्तियों का पूजन-दर्शन कर सकेंगे. यज्ञ की समाप्ति के हजारों लोगों ने महाभोग ग्रहण किया.

पांच दिनों तक चले इस प्राण-प्रतिष्ठा महायज्ञ में हजारों लोग शामिल हुए. इन पांच दिनों में महायज्ञ परिसर का पूरा वातावरण भक्तिमय रहा. मंदिर परिसर में एक यज्ञवेदी बनाया गया था. समस्त धार्मिक अनुष्ठान वहीं संपन्न हुए. वहीं पांचों दिन रामधुन गाने वाले गायकों का दल निरंतर रामधुन गाता रहा. पांच दिनों तक चले इस महायज्ञ को सफल बनाने में सर्वश्री आशुतोष राय, हरेराम सिंह, अनिकेत सिंह, असीम जी, मुकेश सिंह, राघवेंद्र सिंह, पप्पू सिंह आदि की महती भूमिका रही. यह पूरा महायज्ञ बेगूसराय से पधारे प्रख्यात पंडित गौरीशंकर ठाकुर जी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ.

श्री लक्ष्मीनारायण की पूजा करते विधायक सरयू राय.

विवाद के बाद पीट- पीट कर भाई की हत्या

जमशेदपुर | आजादनगर थाना अंतर्गत अमर ज्योति स्कूल के पास विवाद के बाद भाई ने भाई की पीट-पीटकर हत्या कर दी. कपाली अलकबीर पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास रहने वाले दो भाई इसरार और इकरार अमर ज्योति स्कूल के पास सब्जी बेचने का काम करते हैं. दोनों मूल रूप से उत्तरप्रदेश के मुरादाबाद के रहने वाले हैं. शनिवार रात दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया जिसके बाद इकरार ने इसरार की लाठी-डंडे से पिटाई शुरू कर दी. इसमें इकरार का बेटा भी शामिल था. इसरार को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल लाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई.

खेलने के दौरान तबीयत बिगड़ने से 11 वर्षीय किशोर की मौत

संवाददाता | जमशेदपुर

एमजीएम थाना अंतर्गत एनएच 33 स्थित आनंद विहार कॉलोनी निवासी जीतेन गुप्ता के 11 वर्षीय पुत्र निहाल गुप्ता की खेलने के दौरान तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई. घटना रविवार सुबह 9 बजे की बताई जा रही है. निहाल को पड़ोसियों ने अचेत अवस्था में देखा और परिजनों को सूचना दी. सूचना पाते ही परिजन अचेत अवस्था में निहाल को लेकर एमजीएम अस्पताल पहुंचे जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए टीएमएच रेफर कर दिया गया.

टीएमएच ले जाने के क्रम में रास्ते में ही निहाल की मौत हो गई. इस संबंध में निहाल के पिता जीतेन गुप्ता के बयान पर एमजीएम थाना में अस्वाभाविक मौत का मामला दर्ज कराया गया है. पिता ने पुलिस को बताया कि निहाल घर के पास स्थित खटाल के पास खेल रहा था. वह लोहे की गेट पर अचेत अवस्था में पाया गया. उसे इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे पर उसकी मौत हो चुकी थी. इधर, पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का पता चल पाएगा.

चिंताजनक पानी के अभाव में मक्का की खेती हुई प्रभावित, तिलहन व मोटे अनाज की जिले में बुआई शून्य

सुखाड़ की ओर पूर्वी सिंहभूम, 0.33 प्रतिशत ही हो पायी धान की रोपनी

सुनील पांडेय | जमशेदपुर

दक्षिण-पश्चिमी मानसून की बेरूखी ने पूर्वी सिंहभूम जिले के किसानों के माथे पर चिंता की लकीर खींच दी है. वर्षा नहीं होने से जहां धान की रोपनी बंद है. वहीं खरीफ फसलों की बुआई भी प्रभावित हुई है. इसके साथ-साथ मानसून के दौरान होने वाली सब्जी की फसल भी सूखने के कगार पर पहुंच गई है. कुल मिलाकर किसानों के माथे पर चिंता की लकीर दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है. किसानों में सुखाड़ की चिंता सताने लगी है. अभी तक जिले में सामान्य वर्षापात (316.4 मिलीमीटर) के विरूद्ध वास्तविक वर्षापात केवल 50 मिलीमीटर की हुई है. ऐसे में धान की रोपनी तो दूर धान के बिचड़े सूखने पर दोबारा बिचड़े लगाए जा रहे हैं. ऐसे में अनुमान लगाया जा सकता है कि धान की रोपनी का सीजन बीतने बाद यहा संभव है रोपनी हो. जिले में धान की रोपनी का लक्ष्य पिछले वर्ष की तरह 110000 (एक लाख 10 हजार हेक्टेयर) हेक्टेयर भूमि पर रखा गया है. लेकिन जुलाई माह के पहले सप्ताह में नगण्य वर्षा के कारण मात्र 363 हेक्टेयर (0,33 प्रतिशत) ही धान की रोपनी हो पाई है. यही स्थिति अन्य खरीफ फसलों की भी है. खेतों में पानी नहीं रहने के कारण फसलों को बचाना अब किसानों के लिये चुनौती बन गई है. झारखंड में इस बार मानसून काफी विलंब से पहुंचा. इसका कारण विभाग जलवायु परिवर्तन को मान रहा है. हालांकि केरल में मानसून 1 जून के पहले ही आ गया. झारखंड में अक्सर 15 जून तक प्रवेश हो जाता है. लेकिन इस बार 21-22 जून को इसकी इंट्री हुई. किसानों ने अपने खेतों में धान की बिचड़ा लगाया. लेकिन पर्याप्त वर्षा नहीं होने के कारण बिचड़ा सूखने लगा. कहीं-कहीं किसानों ने बोरिंग व जलाशयों के माध्यम से बिचड़ा बचाया. लेकिन रोपनी लायक खेतों में पानी नहीं जमा हुआ.

फसल	लक्ष्य	बुआई
(सभी आंकड़े हेक्टेयर में)		
धान	110000	5568
मक्का	11820	624
दलहन	22200	217
तेलहन	2650	00
मोटे अनाज	1190	00
कुल	147860	1207

दलहन की मात्र 0.52 प्रतिशत ही बुआई

पूर्वी सिंहभूम जिले में खरीफ फसलों में दलहन, तेलहन एवं कुछ मोटे अनाज (ज्वार, बाजरा, मड़ूआ वगैरह) की खेती होती है. दलहन की खेती लक्ष्य (22200 हेक्टेयर) का मात्र 0 .52 प्रतिशत ही हुई है. जबकि तेलहन की खेती लक्ष्य के अनुरूप शून्य है. इसी तरह तेलहन (मुंगफली, तिल, सोयाबीन, सरगुजा एवं अंडी) की बुआई का लक्ष्य 2650 हेक्टेयर भूमि पर था. लेकिन अभी तक जिले में इसकी कहीं भी बुआई नहीं हुई है.

6.17 प्रतिशत ही हो पायी है मक्का की बुआई

जिले में मक्का की बुआई का लक्ष्य 11820 हेक्टेयर भूमि पर निर्धारित किया गया है. जिसमें केवल 729 हेक्टेयर (6 .17 प्रतिशत) में ही अब तक फसल लगाई जा सकी है. विभाग का मानना है कि अगर पर्याप्त वर्षा नहीं हुई तो उपरोक्त फसलों को बचाना किसानों के लिये काफी मुश्किल होगा. जिसके कारण नि:संदेह पैदावार प्रभावित होगी.

विलंब से मानसून आने के कारण अभी धान की रोपनी के लिए पर्याप्त समय है. अगर आने वाले दिनों में वर्षा नहीं होती है तो यह चिंता की बात है. विभाग प्रखंडवार आंकड़े प्रतिदिन प्राप्त कर रहा है. आंकड़ों के आधार पर 15 जुलाई के बाद इसका आकलन करके विभाग को सूचित किया जाएगा. हालांकि मक्का की फसल के संबंध में कहा कि अभी शुरुआती दौर है. जुलाई माह तक मक्का की बुआई होती है. अभी इसमें विलंब नहीं हुआ है. हालांकि सब कुछ वर्षापात पर निर्भर करता है.

दीपक कुमार
जिला कृषि पदाधिकारी

ब्रीफ खबरें

सर्पदंश से 18 वर्षीय युवक गंभीर, ले गए झाड़ग्राम

घाटशिला । धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र के भारुडीह गांव निवासी विनोद हांसदा के 18 वर्षीय पुत्र कारु हांसदा को रविवार को घर के बाहर सांप काट लिया. आनन फानन में परिवार वाले कारु को लेकर अनुमंडल अस्पताल पहुंचे. अनुमंडल अस्पताल की चिकित्सक डॉ मीरा मुर्मू ने जांच कर सांप काटने के लक्षण कारू में पाये. उसे 10 एंटी स्नेक वेनम दिया गया, इसके बाद तत्काल उसे बेहतर इलाज के लिए एमजीएम रेफर किया गया. परिवार वाले एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर न ले जाकर निजी वाहन से झाड़ग्राम के लिए रवाना हो गए. परिजनों ने बताया कि उसे गेहूंवन सांप ने काटा है. सांप घर के अंदर ही छुपा हुआ है.

फुलडूंगरी में हुई लोगों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच

घाटशिला । एक निजी संस्थान द्वारा रविवार को फुलडूंगरी में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया. स्वास्थ्य शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेत्री गीता मुर्मू शामिल हुईं. सभी चिकित्सक को धन्यवाद देते हुए गीता मुर्मू ने कहा कि अगर इस तरह की निःशुल्क शारीरिक स्वास्थ्य जांच छोटे-छोटे गांव में आयोजित की जाए तो काफी अच्छा होगा. इससे गांव के अंतिम व्यक्ति को स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी. संस्थान का यह कार्य काफी सहरनीय है. स्वास्थ्य सिविल में फुलडूंगरी तथा आसपास के क्षेत्र से काफी संख्या में लोगों ने जांच कराई.

कांग्रेस पार्टी ने लगाया चिकित्सा सह पेंशन शिविर

जमशेदपुर । गोलमुरी प्रखंड कांग्रेस कमिटी की ओर से रविवार को रथयात्रा के मौके पर चिकित्सा सह पेंशन शिविर का आयोजन किया गया. इसमें 334 लोगों की जांच कर उन्हें दवा दी गई. साथ ही 129 लोगों का सर्वजन पेंशन योजना के तहत फॉर्म भरा गया. चिकित्सा शिविर में दर्जनभर विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं. मौके पर मौजूद कांग्रेस जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने सभी चिकित्सकों का सम्मान किया. उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की ओर से इस तरह के शिविर का आयोजन निरंतर किया जाएगा. मौके पर सन्नी सिंह, सचिन कुमार सिंह, निखिल तिवारी, हरिहर प्रसाद, कुमार गौरव, सुशील घोष सहित अन्य मौजूद थे.

जादूगोड़ा मुक्तिधाम में बनेगा सामुदायिक भवन

जादूगोड़ा । जादूगोड़ा थाना क्षेत्र के यूसिल डैम स्थित मां तारा काली मंदिर मुक्तिधाम में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के प्रयास से 40 लाख रुपये की लागत से एक सामुदायिक भवन और हाइ मास्ट लाइट लगेगी. यह जानकारी मां तारा काली मंदिर मुक्तिधाम के संचालक टिक्की मुखी ने दी. उन्होंने बताया कि बन्ना गुप्ता से मंदिर के समीप एक सामुदायिक भवन, हाइ मास्ट लाइट व तोरण द्वार बनाने का आग्रह किया गया था. पूर्वी सिंहभूम उपायुक्त ने यूसिल प्रबंधन को सीसीआर के तहत यह काम कराने के लिये पत्र लिखा. इसका टेंडर भी निकाला जा चुका है. जल्द ही मुक्ति धाम में सामुदायिक भवन और हाई मास्ट लाइट बन कर तैयार हो जाएगा. यहां पर होने वाले कार्यक्रमों में लोगों को सुविधा होगी.

दीप्ती कंस्ट्रक्शन पर टाटा स्टील के कर्मियों की सोसायटी सम्पूर्ण सहकारी समिति के सदस्यों का आरोप

डेवलोपर को 48 माह में देना था फ्लैट, 13 वर्ष में भी नहीं हुआ पूरा

संवाददाता । आदित्यपुर

प्रेसवार्ता को संबोधित करते सम्पूर्ण सहकारी समिति के सदस्य.

मांझी टोला में टाटा स्टील के 16 कर्मचारियों ने एक साथ 36 कट्ठा जमीन 1983 में ख़रीदकर सम्पूर्ण सहकारी समिति बनाई. जिसके बाद कर्मचारियों ने जमीन को डेवलप करने के लिये 25 अप्रैल 2011 को दीप्ती कंस्ट्रक्शन के विनय चौबे के साथ एग्रीमेंट किया. इसके तहत उस जमीन पर सद्गुरु अपार्टमेंट्स नामक फ्लैट बनाया गया है. एग्रीमेंट के तहत 48 माह में कर्मचारियों को फ्लैट बनाकर देना था. लेकिन 13 साल में डेवलपर ने अधूरा अपार्टमेंट्स बनाकर रखा है. रविवार को यहां आयोजित प्रेसवार्ता में टाटा स्टील के कर्मचारियों की सोसायटी के सदस्यों ने उक्त आरोप लगाए. प्रेस वार्ता में जूस्को यूनियन के अध्यक्ष रघुनाथ पांडेय, बीके दीक्षित, अजय कुमार दुबे, रविन्द्र कुमार, बीके तिवारी शामिल थे.

कर्मचारियों का आरोप है कि सोसायटी के हिस्से की बिल्डिंग में एग्रीमेंट तोड़कर काली ईंट लगाई गई है. अब तक लिफ्ट भी नहीं लगा है. कर्मचारियों ने घटिया मेटेरियल का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है. फ्लैट में सीवरेज लाइन, टाइल्स, स्टील का इस्तेमाल सब घटिया स्तर का है. जबकि डेवलपर ने जमीन पर अपने हिस्से का फ्लैट बेहतर तरीके से बनाकर बेच दिया है. कर्मचारियों ने बताया कि डेवलपर के विरुद्ध सरायकेला कोर्ट में अपील दायर कर रखा है. इसके खिलाफ डेवलपर हाई कोर्ट गए हुए हैं. अब हमलोग रिटायर हो गए हैं, घर की बहुत जरूरत है. लैंड लॉर्ड के साथ 48 माह का करार था 36 फ्लैट बनाकर देने का. एग्रीमेंट में देर होने पर 7000 रुपये प्रति माह जुर्माना का भी प्रावधान है.एक कट्ठा जमीन पर एक फ्लैट 1000 वर्गफीट कारपेट एरिया का बनाकर देना था. कुल 16 कर्मचारियों से 36 कट्ठा जमीन लिया गया है. डेवलपर ने सोसायटी के सेक्रेट्री एनके तिवारी और अध्यक्ष अवधेश सिंह को अपनी तरफ मिला लिया है.

36 में 30 फ्लैट कंप्लीट, मामला कोर्ट में विचाराधीन : चौबे

आदित्यपुर : सम्पूर्ण सहकारी समिति के सदस्यों के आरोप पर डवलपर विनय चौबे ने अपना पक्ष रखते हुए कहा है कि उन्होंने एग्रीमेंट के मुताबिक 36 में 30 फ्लैट कंप्लीट कर रखा है. 6 का काम चल रहा है. लेकिन समिति के सदस्य फ्लैट लेना नहीं चाह रहे हैं. वे लोग रजिस्ट्री ऑफिस जाकर वहां से भागकर आ गए और सरायकेला न्यायालय में केस कर दिया है, जिसके क्वैश कराने के लिए वह हाई कोर्ट गये हैं. टाटा स्टील कर्मी जानबूझकर बखेड़ा कर रहे हैं. जहां तक काली ईंट लगाने का आरोप है तो वह एनजीटी के गाइड लाइन के अनुसार 60/40 के अनुपात में लाल और काली ईंट लगाई गई है. बाकी सारे कार्य दुरुस्त हैं, लिफ्ट लगाने की प्रक्रिया चल रही है. वैसे में जब मामला कोर्ट में विचाराधीन है तो सोसायटी के सदस्यों को कोर्ट के फैसले का इंतजार करना चाहिए.

चोरी की 12 बाइक बरामद गिरोह के दो चोर गिरफ्तार

- फर्जी आरसी बनाकर रखते थे बंधक
- एक और सदस्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी

संवाददाता । जमशेदपुर

बरामद बाइक के साथ बर्मामाइंस थाना पुलिस के टीम.

बर्मामाइंस पुलिस ने बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है. पुलिस ने बाइक चोर गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों में लाल बाबा फाउंड्री निवासी सतपाल सिंह और जुगसलाई निवासी अंकित सोनकर उर्फ छोटू शामिल है. पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर कुल 12 चोरी की बाइक, बाइक चोरी करने के लिए इस्तेमाल में आने वाली मास्टर चाबी और चार वाहनों की फर्जी आरसी बरामद की है. इसके अलावा पुलिस ने अन्य जगहों से सात बाइक बरामद किये हैं जिसे बर्मामाइंस थाना क्षेत्र में लावारिस हालत में पाया गया. पुलिस मान रही है कि ये बाइक भी चोरी की हैं. इनमें कई बाइक एचएसएम गेट के बाहर, डायमंड रेस्टेरेंट का बाहर और बर्मामाइंस पार्किंग के पास पाई गई हैं. पुलिस को शक है कि चोर गिरोह बाइक को चुराने के बाद इन जगहों पर छुपा देते हैं. फिलहाल पुलिस इन बाइक के असली मालिकों का पता लगाने में जुट गई है.

रविवार को मामले का खुलासा करते हुए एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि बीते कई दिनों से बर्मामाइंस में बाइक चोरी की घटना बढ़ गई थी जिसको देखते हुए एक टीम का गठन किया गया था. टीम ने पहले सतपाल सिंह को गिरफ्तार किया जो बाइक चोरी करता था. सतपाल के पास से एक मास्टर चाबी बरामद की गई. इसके बाद पूछताछ में अंकित सोनकर का नाम आया जो चोरी की बाइक को खपाने का काम करता था.

मामले का खुलासा करते एसएसपी किशोर कौशल.

मास्टर चाबी का इस्तेमाल कर करते थे चोरी

कई वाहनों के नंबर प्लेट बदलकर रखा बंधक

एसएसपी ने बताया कि सतपाल बर्मामाइंस में कंपनियों के बाहर खड़ी बाइक को मास्टर चाबी की मदद से चुराता था. अंकित उस वाहन का नंबर प्लेट बदल देता था और उसका फर्जी आरसी बना लेता था. इसके बाद पैसे की तंगी का बहाना बनाकर बाइक को 15-20 हजार में बंधक रख देता था. जो रुपये मिलते थे उसे दोनों आपस में बांट लेते थे. जितनी भी बाइक बरामद की गई है उसमें से कई बाइक के नंबर प्लेट बदल दिए गए हैं ताकि किसी को शक नहीं हो. एसएसपी ने बताया कि इस संबंध में एक और सदस्य फरार है जो फर्जी आरसी बनाने का काम करता था. पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है.

घाटशिला में एनएच-18 पर कार ने टाटा 407 को मारी टक्कर, 5 घायल

कोलकाता से जमशेदपुर जा रहे थे युवक-युवती

संवाददाता । घाटशिला

श्याम सुंदरपुर थाना के समीप एनएच 18 फोरलेन पर रविवार को एक कार ने टाटा 407 वाहन को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी. इस दुर्घटना में कार सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गये जबकि दो युवती एवं एक अन्य युवक को भी चोट आई है. सभी कोलकाता से जमशेदपुर के मानगो जा रहे थे.

घटना के संबंध में श्याम सुंदरपुर थाना के एएसआई देव कुमार प्रसाद ने बताया कि काफी तेज रफ्तार से युवकों ने स्विफ्ट डिजायर कार से 407 वाहन को ठोकर मार दी. हाईवे पेट्रोल एवं अन्य वाहन की मदद से पांचों घायलों को अनुमंडल अस्पताल घाटशिला पहुंचाया गया. पांचों का इलाज डॉ मीरा मुर्मू ने किया. उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल फजल खान तथा इस्माइल को बेहतर इलाज के लिए एमजीएम रेफर किया गया है. इस दुर्घटना में कार चला रहा मानगो निवासी फजल खान को गंभीर चोट आई है. जबकि इस कार के आगे बैठी बारीडीह निवासी नंदनी कुमारी को हल्की चोट लगी है. पीछे बैठे मोहम्मद इस्माइल, बंटी सिंह एवं सिमरन कौर तीनों जमशेदपुर के जवाहर नगर एवं मानगो का रहने वाले हैं. पुलिस युवतियों से नंबर लेकर परिजनों से संपर्क करने का प्रयास कर रही है. परिजन के आने के बाद इन लोगों को परिवार के हवाले किया जाएगा. पुलिस को मामला संदिग्ध लगता है क्योंकि युवतियां अपने परिवार का सही नंबर नहीं दे रही हैं.

घाटशिला के अनुमंडल अस्पताल घायल की ड्रेसिंग करते स्वास्थ्यकर्मी

किसी भी आपातकाल में डायल करें 112, जल्द होगा समाधान

- 24 घंटे सक्रिय रहती है टीम

संवाददाता । जमशेदपुर

अब किसी भी आपातकालीन सेवा के लिए में डायल 112 को तैयार किया गया है. 112 नंबर पर फोन कर देश के नागरिक किसी भी कोने में सुरक्षा और सहायता आसानी से पा सकते हैं. डायल 112 को लेकर आम लोगों को जागरूक करने के लिए पुलिस प्रशासन के द्वारा व्यापक अभियान भी चलाया जा रहा है.

डीएसपी सीसीआर अंजनी तिवारी ने बताया कि 112 का इस्तेमाल देश के किसी भी कोने से किया जा सकता है. पूर्व में पुलिस को बुलाने के लिए लोग 100 और एंबुलेंस के लिए 108 पर फोन करते थे पर अब यह सारी सुविधा 112 पर ही मिल जाएगी. किसी भी प्रकार की मुसीबत होने पर जब कोई व्यक्ति 112 पर फोन करता है तो राज्य स्तर पर बनाई गई कंट्रोलिंग टीम द्वारा तत्काल इस पर एक्शन लिया जाता है. उन्होंने बताया कि राज्य की टीम पूरी सूचना लेने के बाद तत्काल संबंधित थानों को या फिर संबंधित विभाग को इसकी जानकारी देता है. इसके बाद सूचना देने वालों को सहायता पहुंचाई जाती है. राज्य स्तर के अलावा जिला स्तर और थाना में भी इसके लिए एक टीम कार्यरत है, जो 24 घंटे सक्रिय रहती है. इसके अलावा मॉनिटरिंग टीम के द्वारा सूचना मिलने से लेकर सहायता पहुंचने तक की पूरी मॉनिटरिंग की जाती है. 112 नंबर पर डायल कर आपातकालीन मेडिकल, अग्निशमन अन्य आपातकालीन स्थिति में भी इसके माध्यम से सहायता प्राप्त की जा सकती है.

मुसीबत बनी गंडानाटा जाने वाली सड़क

पंद्रह गांवों को बहरागोड़ा मुख्य बाजार से जोड़ती है

- दस साल से नहीं हुई है इसकी मरम्मत
- तालाबनुमा गड्ढे बन गये हैं सड़क पर

संवाददाता । बहरागोड़ा

बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र की राजलाबांध पंचायत अंतर्गत पीडब्ल्यूडी चौक अवस्थित जिला परिषद बस टर्मिनल से गंडानाटा जाने वाली सड़क मुसीबत का पर्याय बन गई है. एक साल पहले स्वीकृत होने के बावजूद भी सड़क मरम्मत की दिशा में कोई पहल नहीं हुआ है. इस सड़क पर मोटरसाइकिल, साइकिल तो दूर की बात है पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है. प्रतिदिन कई गांवों के ग्रामीण तथा स्कूली बच्चे आवागमन के लिये इसी सड़क पर निर्भर हैं. यह सड़क पाथरा तथा पूर्णापाणी पंचायत के लगभग पंद्रह गांवों को बहरागोड़ा मुख्य बाजार के साथ जोड़ती है. बरसात के इस मौसम में सड़क पर तालाबनुमा गड्ढे बन गये हैं

लगभग दस साल पहले प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत इस सड़क की मरम्मत हुई थी. उसके बाद संबंधित विभाग ने इस सड़क की ओर देखा ही नहीं. क्षेत्र के लोगों ने कई बार जनप्रतिनिधियों को इससे अवगत कराया है मगर आज तक मरम्मत की दिशा में किसी प्रकार का पहल नहीं हुआ है. आए दिन कॉलेज एवं स्कूल के विद्यार्थी साइकिल पर गिरकर जख्मी हो रहे हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की मरम्मत नहीं होने के कारण मुख्य धारा से जुड़ने में कई गांव के लोग वंचित रह जा रहे हैं. गांव के लोगों के साथ जनप्रतिनिधि सौतेला व्यवहार कर रहे हैं. लोगों ने मांग की है कि सड़क की जल्द से जल्द मरम्मत हो.

न्यूज अपडेट

12 को मुख्यमंत्री से मिलेंगे झारखंड आंदोलनकारी

आदित्यपुर । गम्हरिया प्रखंड के 46 झारखंड आंदोलनकारियों को अब तक सर्टिफिकेट नहीं मिला है. सभी आंदोलनकारियों ने बैठक कर 12 जुलाई को रांची जाकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलने का निर्णय लिया है. झारखंड सरकार की गृह कार्य आपदा आयोग की सर्वे सूची में बहुत सारे आंदोलनकारियों का नाम नहीं है. जिसे अब चिन्हित किया जा रहा है. आज की बैठक में झारखंड आंदोलनकारी वीरेंद्र गुप्ता के अलावा अमृत महतो, वीरेंद्र प्रधान, अनादि आचार्या, मनोहर कर्मकार, विनय चंद्र महतो, खिरोद सरदार, राजेश महतो आदि शामिल थे. आंदोलनकारी मुख्यमंत्री से बचे हुए आंदोलनकारी का सर्टिफिकेट जारी करते हुए उन्हें और उनके परिवार वालों को हर तरह का लाभ देने की मांग करेंगे.

विभूतिभूषण विद्या सम्मान समारोह 14 जुलाई को

घाटशिला । गौरीकुंज उन्नयन समिति की ओर से गौरीकुंज परिसर में रविवार को बैठक आयोजित कर सम्मान समारोह आयोजित करने को लेकर चर्चा की गई. इस संबंध में समिति के अध्यक्ष तापस चटर्जी ने बताया कि 14 जुलाई को विभूतिभूषण विद्या सम्मान समारोह का आयोजन आशा ऑडिटोरियम में किया जाएगा. समारोह में क्षेत्र के जैक बोर्ड फर्स्ट सेकंड एवं थर्ड होने वाले उन सभी विद्यार्थियों को विभूतिभूषण विद्या अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा. उन्होंने बताया कि इसके लिए समिति द्वारा बैठक कर स्कूलों से संपर्क किया गया है. समिति द्वारा पूरी तैयारी कर ली गई है. बैठक में मुख्य रूप से शिल्पी सरकार, मानसी चटर्जी, रमा गुप्ता, मृणाल कांति विश्वास, संदीप चंद्र, प्रदीप भद्र, संजय सिन्ह उपस्थित थे.

गुड़ाबांदा के बनमाकड़ी में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

गुड़ाबांदा । रथ यात्रा के पवित्र अवसर पर रविवार को गुड़ाबांदा के बनमाकड़ी गांव में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया. भारत सरकार के उद्यम राइट्स लिमिटेड के सहयोग से स्वयंसेवी संस्था सिटिजंस फाउंडेशन ने इस स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया. शिविर में 10 स्पेशलिस्ट डॉक्टरों ने 407 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की. डॉक्टरों के परामर्श पर मरीजों को मुफ्त दवाइयां दी गईं. स्वास्थ्य शिविर में रक्त जांच तथा रक्तचाप जांच की निःशुल्क व्यवस्था थी. पूर्णिमा नेत्रालय के नेत्र चिकित्सकों ने नेत्र रोगियों की नेत्र जांच की.विशिष्ट अतिथियों ने डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन किया. मौके पर प्रमुख शुभजीत मुंडा, मुखिया मनमथ देऊरी समेत ग्रामीण उपस्थित थे.

निजी खर्च से सड़क एवं नाली की सफाई कराई

बहरागोड़ा । प्रखंड के राजलाबांध पंचायत क्षेत्र में स्थित मौसी बाड़ी के लिए जगन्नाथ महाप्रभु की रथ रथयात्रा को देखते हुए उपमुखिया पपू राउत और वार्ड सदस्यों ने मिलकर अपने निजी खर्च से नाली और सड़क की साफ सफाई करवाई. विदित हो कि इस नाली से सड़क पर गंदी पानी बहता रहता था. जिसमे राहगीरों को काफी दिक्कत होती थी.इसके साथ महाप्रभु की रथ यात्रा को देखते हुए यह साफ सफाई कार्य अति आवश्यक था. इस दौरान उपमुखिया पपु राउत ने कहा कि रथ यात्रा और श्रद्धालुओं को आवागमन की सहूलियत को देखते हुए यह कार्य कराया गया.इस मौके पर वार्ड सदस्य उमेश राउत,कौशिक मइति,बिल्टू पैरा, नयन कर,संतोष कुइला, घासीराम मंडल आदि उपस्थित थे.

पंचायत सचिव संघ की जिला स्तरीय बैठक आयोजित

घाटशिला । झारखंड राज्य पंचायत सचिव संघ की जिला स्तरीय बैठक रविन्द्र नाथ सरदार की अध्यक्षता में एवं जिला मंत्री महावीर महतो की उपस्थिति में रविवार को धरमबहाल पंचायत सचिवालय में हुई. बैठक में सभी प्रखंड के अध्यक्ष एवं पंचायत सचिव शामिल थे. बैठक में पंचायत सचिव ने कहा कि मूल ग्रेड पे 2400 रुपया, बीपीआरओ के पद पर प्रोन्नति सहित अन्य मांगों के अलावा अगले कार्यक्रम के संबंध में विचार विमर्श किया गया. इसमें जिले के सभी प्रखंड मुख्यालयों पर 19 जुलाई को, जिला मुख्यालय के समक्ष 31 जुलाई और राज भवन जाकिर हुसैन पार्क के समक्ष 21 अगस्त को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा. उपरोक्त सभी बिंदुओं पर संघ के पदाधिकारी ने निर्णय लिया और सभी से कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की गई. मौके पर कमल किशोर घोष सहित काफी संख्या में पंचायत सचिव उपस्थित थे.

संस्थान 25 एकड़ में फैली है यूनिवर्सिटी, 92 विषयों की होती है पढ़ाई, छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास पर ध्यान

सोना देवी विश्वविद्यालय : उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिए उत्कृष्ट संस्थान

संवाददाता । जमशेदपुर

शहर के कोलाहलपूर्ण वातावरण से एकदम दूर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 18 पर सोना देवी विश्वविद्यालय है. यह विश्वविद्यालय पूर्वी सिंहभूम जिले के जमशेदपुर के घाटशिला अनुमंडल में है. विश्वविद्यालय का शुभारम्भ कोल्हान क्षेत्र में वर्ष 2023 में किया गया है. विश्वविद्यालय का प्राकृतिक वातावरण एवं अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित सुन्दर परिसर न केवल उच्च शिक्षा के लिए झारखंड राज्य का एक उत्कृष्ट संस्थान है, बल्कि यहां का शांतिपूर्ण वातावरण विद्यार्थियों को ज्ञानार्जन के लिए स्वप्रेरित करता है. 25 एकड़ क्षेत्र में फैले इस विश्वविद्यालय के 11 स्कूलों में डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी एवं डीलिट की उपाधि हेतु 49 पाठ्यक्रमों तथा 92 विषयों में उच्च शिक्षा के लिए अध्ययन-अध्यापन का कार्य चल रहा है. इसके विभिन्न पाठ्यक्रमों को झारखंड सरकार के साथ-साथ, भारत सरकार के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), भारतीय भेषज परिषद् (पीसीआई), भारतीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एनसीटीई) आदि द्वारा मान्यता प्राप्त हो चुकी है. विश्वविद्यालय के कैंपस में वाई फाई , सीसीटीवी, डिजिटल क्लास रूम, कक्षाओं में विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों का उपयोग, कक्षाओं में नवीनतम शिक्षा प्रौद्योगिकियों का उपयोग एवं निरंतर मूल्यांकन, कैंटीन , कैफेटेरिया की सुविधा, अत्याधुनिक पुस्तकालय, विश्वस्तरीय प्रयोगशालाएं,आधुनिक सुविधाओं से युक्त ऑडिटोरियम, एडवांस्ड कंप्यूटर लैब, इन्डोर एवं आउटडोर खेलकूद एवं मनोरंजन की सुविधाएं, छात्र-छात्राओं के लिए सभी सुविधाओं से सुसज्जित अलग-अलग छात्रावास की सुविधा, बस सुविधा आदि उपलब्ध हैं. इससे कि सोना देवी विश्वविद्यालय द्वारा कोल्हान क्षेत्र के कई जिलों पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम एवं सरायकेला खरसावां तथा आस पास के प्रदेशों – उड़ीसा , पश्चिमी बंगाल के विधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, मूल्य आधारित, व्यावसायिक एवं रोजगारपरक शिक्षा प्रदान की जा सके. विश्वविद्यालय में अनुसंधान और शोध कार्य सोना देवी विश्वविद्यालय में निम्नलिखित विषयों में अनुसंधान, शोध कार्य एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने की अति उत्तम व्यवस्था है. वर्तमान में 27 विषयों में शोध एवं अनुसंधान कार्य 7 राज्यों के शोधार्थियों द्वारा किया जा रहा है.

आर्थिक सहयोग की व्यवस्था

सोना देवी विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं को आर्थिक सहायता हेतु गरीब एवं मेधावी विधार्थियों के लिए छात्रवृति का प्रावधान है. स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर 50% तक छात्रवृति की सुनिश्चितता, बैंक से ऋण की सुविधा और झारखंड सरकार की ई-कल्याण छात्रवृति की भी सुविधा उपलब्ध है.

सोना देवी विश्वविद्यालय में अध्यनरत छात्र- छात्राओं के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास एवं भविष्य में उनके रोजगार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के अन्तर्गत ही इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स, सॉफ्ट स्किल्स, लाइफ स्किल्स (जीवन कौशल), व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम, नेतृत्व विकास कार्यक्रम, समूह चर्चा, वाद-विवाद, इवेन्ट मैनेजमेंट, मॉक इंटरव्यू, नृत्य - संगीत, चित्रकला तथा यौगिक क्रिया-कलाप आदि नियमित रूप से कराये जाते हैं. यहां सांस्कृतिक एवं खेलकूद कार्यक्रम, सेमिनार, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, पानी बचाओ, बेटी पढ़ाओ आदि पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है.

भविष्य की कार्य योजना

सोना देवी विश्वविद्यालय में व्यावसासिक एवं रोजगार परक शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाता है. अत: एक दो साल में ,विश्वविद्यालय में अनेक रोजगार लक्षी पाठ्यक्रम जैसे डीएलईडी, बीएड, एमएड, बीपीएड, लॉ (कानून), नर्सिंग, पारा मेडिकल एवं एलाइड हेल्थ साइंस के अनेक पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए जायेंगे. करिअर काउन्सलिंग सेंटर, मानसिक स्वास्थ्य केंद्र का संचालन शीघ्र ही सोना देवी विश्वविद्यालय में किया जायेगा.

प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट की सुविधा

सोना देवी विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले सभी छात्र-छात्राओं के लिए शत-प्रतिशत सुनिश्चितता के साथ प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट की अच्छी व्यवस्था है., क्योंकि विश्वविद्यालय की प्रशिक्षण एवं प्लेसमैन्ट इकाई देश की लब्ध प्रतिष्ठित कम्पनियों, उद्यमियों, गैर सरकारी संगठनों, सरकारी प्रतिष्ठानों, औद्योगिक घरानों तथा निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के नवरत्न प्रतिष्ठानों के साथ सतत सम्पर्क में हैं. विश्वविद्यालय के उच्च शैक्षिक योग्यता वाले, अनुभवी, प्रशिक्षित एवं निपुण संकाय सदस्यों द्वारा छात्रों को प्रोफेशनल एवं व्यक्तिगत स्तर पर मेंटरिंग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है. सोना देवी विश्वविद्यालय ने इतने कम समय में ही देश-विदेश के कई प्रतिष्ठित संस्थानों, विश्वविद्यालयों एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ एमओयू भी किए हैं.

चांडिल, चाईबासा, चक्रधरपुर और किरीबुरु में प्रभु जगन्नाथ भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा के साथ पहुंचे मौसी बाड़ी

जय जगन्नाथ के उद्घोष के साथ भक्तों ने खींचा रथ

चांडिल

चांडिल में रथयात्रा में उमड़ी भक्तों की भीड़.

चाईबासा

चाईबासा में रथ यात्रा में प्रसाद लेने के लिए मची होड़.

चक्रधरपुर

प्रभु जगन्नाथ व उनके भाई-बहन को मौसी बाड़ी ले जाते भक्त.

किरीबुरु

किरीबुरु में प्रभु जगन्नाथ का रथ खींचते और दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु.

संवाददाता | चांडिल

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में रथयात्रा का त्योहार रविवार को हर्षोल्लास और पारंपरिक रूप से मनाया गया. चांडिल में वृहद स्तर पर रथ यात्रा का आयोजन किया जाता है. चांडिल स्थित श्री साधु बांध मठिया, श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा नागा संन्यासी आश्रम से तीन अलग-अलग रथ पर सवार होकर महाप्रभु जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ चांडिल स्टेशन स्थित मौसीबाड़ी के लिए रवाना हुए. इसके पूर्व श्री साधु बांध मठिया मठ में तीनों ग्रहों की महाआरती एवं वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ पूजा-अर्चना की गई.

इस अवसर पर आश्रम में श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया. जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष महंत विद्यानंद सरस्वती के नेतृत्व में निकाली गई इस रथ यात्रा के दौरान सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे. रथ यात्रा के दौरान रथ खींचकर आशीर्वाद लेने के लिए श्रद्धालुओं की होड़ लगी रही. अलग-अलग रथों पर सवार तीनों विग्रहों को भजन कीर्तन के साथ श्रद्धालुओं ने चांडिल स्टेशन स्थित मौसीबाड़ी तक पहुंचाया गया.

चांडिल में श्रीसाधु बांध मठिया मठ से निकलने वाली रथ यात्रा चांडिल-धनबाद राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 32 के रास्ते चांडिल स्टेशन स्थित मौसीबाड़ी तक जाती है. रथ यात्रा के साथ महंत इंद्रनंद सरस्वती, महंत मेघानंद सरस्वती, महंत केशवानंद सरस्वती समेत कई महंत भी चल रहे थे.

चांडिल में ब्रह्मलीन महंत परमानंद सरस्वती ने वर्ष 1980 से यहां तीन अलग-अलग रथ चलाने की परंपरा शुरू की थी. फिलहाल जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष महंत विद्यानंद सरस्वती की अगुवाई में रथ यात्रा निकाली जाती है. महंत विद्यानंद सरस्वती ने तीनों रथों को लोहे का बनवाया है. इन रथों में वाहन का टायर वाला पहिया लगा है और स्टेयरिंग भी है. इस वर्ष रथ यात्रा के दौरान पहले की अपेक्षा श्रद्धालुओं की भीड़ कम देखी गयी. आश्रम से निकलने के बाद रथ तेजी से गंतव्य की ओर रवाना हुआ. टायर वाले पहिया लगा रहने के कारण इस वर्ष रथ को खींचने में भक्तों को परेशानी नहीं हुई. वहीं रथों पर स्टेयरिंग लगा रहने के कारण रथों को आसानी से सड़कों पर मोड़ा जा रहा था. रथ यात्रा में विधायक सविता महतो, हरेलाल महतो, भाजपा के जिलाध्यक्ष उदय सिंहदेव, सुखराम हेम्ब्रम, हिकिम चंद्र महतो, कार्तिक महतो, मधुसूदन गोराई, पप्पू वर्मा, खगेन महतो, बनुसिंह सरदार, सारथी महतो, विशाल चौधरी आदि शामिल हुए.

चाईबासा में निकली प्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा

चाईबासा | चाईबासा में रविवार को प्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली गई. भगवान जगन्नाथ भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ मौसीबाड़ी के लिए रवाना हुए. 9 दिनों बाद भगवान अपने घर लौटेंगे. पोस्ट ऑफिस चौक से रथ निकाल कर मौसी बाड़ी तक पहुंची. इधर, रथ यात्रा में भीड़-भाड़ को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से पुलिस प्रशासन की भी तैनाती कर दी गई है. जगह-जगह पर पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे. साथ ही दंडाधिकारी की भी नियुक्ति कर दी गई है. मालूम हो कि चाईबासा में रथ यात्रा के दौरान हजारों लोगों की भीड़ होती है. प्रभु जगन्नाथ के भक्तगण अपनी-अपनी आस्था के साथ रथ के सामने पहुंचते हैं और पूजा अर्चना करते हैं. देर शाम को पोस्ट ऑफिस चौक में हजारों की संख्या में भीड़ जुटी.

गुंडिचा मंदिर के लिए रवाना हुआ महाप्रभु का रथ

संवाददाता | चक्रधरपुर

जय जगन्नाथ उद्घोष के साथ रविवार शाम चक्रधरपुर की पुरानी बस्ती में महाप्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली गई. रथ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी. पुरानी बस्ती स्थित मंदिर से महाप्रभु जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा की विग्रह को रथ पर सवार कर मौसीबाड़ी गुंडीचा मंदिर के लिए रवाना किया गया. जहां श्रद्धालुओं ने श्रद्धा भक्ति के साथ महाप्रभु का रथ खींचा.

इस दौरान रथ पर सवार झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक षाड़ंगी व पुजारी ने श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद उछाले, जिसे लेने के लिए लोगों में होड़ मची रही. रथ यात्रा के दौरान पुरानी बस्ती में खासकर महिलाओं ने घर से बाहर निकाल कर शंख, घंटी बजाकर महाप्रभु जगन्नाथ का स्वागत किया. रथ यात्रा के दौरान चक्रधरपुर के शहरी क्षेत्र के विभिन्न इलाकों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे. इस अवसर पर पुरानी बस्ती में प्रसाद के दुकानों के अलावा खिलौने के दुकान भी लगाए गए थे. रविवार देर शाम महाप्रभु जगन्नाथ के रथ को आधे रास्ते तक लाया गया. सोमवार को पुनः श्रद्धालु रथ को खींचकर पुरानी बस्ती स्थित गुंडिचा मंदिर तक लेकर जाएंगे. चक्रधरपुर की पुरानी बस्ती के अलावे केरा, देवगांव, बंदगांव प्रखंड की कराईकेला, सोनुआ, मनोहरपुर में भी श्रद्धा भाव के साथ रथ यात्रा निकाली गई. जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी थी.

भगवान जगन्नाथ को भक्तों ने पहुंचाया मौसीबाड़ी

किरीबुरु | हिल्टॉप, किरीबुरु स्थित जगन्नाथ मंदिर से किरीबुरु के सीजीएम कमलेश राय के नेतृत्व में मंत्रोच्चार एवं भक्तों की भारी जयघोष के साथ भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा रथ पर सवार होकर मौसीबाड़ी के लिये निकले. सैकड़ों भक्त वर्षा के बावजूद रथ खींच उन्हें मौसीबाड़ी ले जा रहे हैं. हालांकि वर्षा की वजह से हर वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष भीड़ थोड़ा कम रही. इससे पहले भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा से पूर्व किरीबुरु एवं सारंडा क्षेत्र में 7 जुलाई की शाम लगभग 3 बजे से निरंतर जारी मूसलाधार वर्षा से रथ यात्रा कार्यक्रम एवं जन-जीवन पूरी तरह से प्रभावित रहा. शाम साढ़े चार बजे से रथ खींचने का कार्यक्रम तय था, लेकिन पांच बजे तक मूसलाधार वर्षा जारी रही. आज सुबह से धूप थी, लेकिन दोपहर बाद बारिश होने लगी.

आजसू जिलाध्यक्ष रामलाल मुंडा के पिता का निधन

चक्रधरपुर | आजसू पार्टी के जिलाध्यक्ष चक्रधरपुर के गोपीनाथपुर पंचायत स्थित लौजोड़ा गांव निवासी रामलाल मुंडा के पिता मंगल मुंडा का निधन रविवार को हो गया. वे 103 वर्ष के थे. वे कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे. रविवार को लौजोड़ा गांव स्थित आवास में ही मंगल मुंडा का निधन हो गया.

इधर आजसू पार्टी के जिलाध्यक्ष रामलाल मुंडा के पिता मंगल मुंडा के निधन की खबर पाकर पूर्व पार्षद सह झामुमो नेता दिनेश जेना, वेद प्रकाश दास, विवेक कुमार व अन्य ने रामलाल मुंडा के घर पहुंचकर शोक व्यक्त किया.

ईचा डैम रद्द करने का वादा पूरा करें चम्पाई : संघ

चाईबासा | राजनागर प्रखंड हेरमा पंचायत अंतर्गत राजस्व ग्राम धोड़ाडीह में ईचा खरकई बांध विरोधी संघ कोल्हान ने जन जागरण सह जनांदोलन चलाया. पिछले कई महीनों से संघ द्वारा ईचा डैम को रद्द करने के लिए यह जनांदोलन कोल्हान के 87 गांव में चला कर लोगों जागरूक किया जा रहा है.

संघ के अध्यक्ष बीर सिंह बुड़ीउली ने कहा कि स्थानीय विधायक सह पूर्व मुख्यमंत्री ने आदिवासी मूलवासियों को ठगा है. मुख्यमंत्री बनकर भी ईचा डैम रद्द नहीं करा सके. 2019 के चुनाव में झामुमो ने डैम रद्द कराने को चुनावी मुद्दा बनाया था. पूर्व सीएम चम्पाई सोरेन ईचा डैम रद्द करने का वादा पूरा करें.

लापता रांदो सिरका का अब तक नहीं चला पता

थाना से बाहर निकलते मुंडा व रांदो सिरका के पिता, इनसेट में रांदो सिरका.

संवाददाता | किरीबुरु

गुवा थाना अन्तर्गत कोलायसाई गांव निवासी रांदो सिरका (20 वर्ष) 17 जून की सुबह से लापता है. अब तक उसका कहीं कोई अता-पता नहीं चल पा रहा है. रांदो सिरका की तलाश में उसके पिता बोंज सिरका एवं गांव के मुंडा चन्द्रमोहन सिरका तीन बार गुआ थाना का चक्कर लगा चुके हैं, लेकिन पुलिस उसके बारे में कुछ भी बताने को तैयार नहीं है. पुलिस सिर्फ इतना आश्वासन दे रही है कि पता चलने पर बताया जायेगा.

बोंज सिरका व मुंडा चन्द्रमोहन सिरका ने बताया कि रांदो सिरका 17 जून की सुबह बैल-बकरी लेकर पास के कोल्हान जंगल में चराने गया था. उसी दिन अहले सुबह लिपुंगा गांव क्षेत्र के जंगलों में पुलिस व नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी, जिसमें पांच नक्सली मारे गये थे. एक महिला समेत दो नक्सली को पुलिस ने पकड़ा था. उसी दिन पुलिस ने मेरा बेटे को जंगल से पकड़ कर अपने साथ ले गई है. गुवा पुलिस भी बोंज के बारे में जानकारी नहीं दे रही है.

17 जून की सुबह लगभग 4.30 बजे कोबरा, सीआरपीएफ-26 बटालियन, झारखंड पुलिस का संयुक्त दल लिपुंगा गांव के समीप नक्सलियों के डेरा पर हमला कर दिया था. इस हमले में पांच नक्सली मारे गये थे, जिसमें सारंडा सब जोनल कमेटी के सदस्य कांडे उर्फ दिरीसुम होनहागा, पुलिस के कोल्हान मुक्त करने के अभियान का मुकाबला हेतु गठित स्पेशल दस्ता के कमांडर सह सारंडा एरिया कमेटी सदस्य सिंगराय, उम्मीदवार पार्टी सदस्य सपनी हांसदा, पीएलजीए का सदस्य सूर्या देवगम उर्फ मुंडा और सांस्कृतिक टीम के साधारण सदस्य जोगा मारला शामिल थे. इन नक्सलियों की याद में भाकपा माओवादी संगठन के दक्षिणी जोनल कमिटी ने 10 जुलाई को 24 घंटे का कोल्हान बंद बुलाया है.

रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं : सुखराम उरांव

चक्रधरपुर | चक्रधरपुर के रेलवे महात्मा गांधी सभागार में रविवार को भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धौनी के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. शिरडी साईं भक्त मंडल, त्रिवेणी इंजीकॉन्स प्राइवेट लिमिटेड व धौनी फैन्स क्लब के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में शाम पांच बजे तक कुल 185 यूनिट रक्त संग्रह किया गया. मुख्य अतिथि विधायक सुखराम उरांव ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है, रक्तदान से किसी को जीवन मिल पाता है. युवाओं ने शिविर में शामिल होकर रक्तदान किया.

मानकी मुंडा स्वशासन प्रथा का उल्लंघन किया जा रहा

चाईबासा | पुटीदा से रघुनाथपुर एनएच 75 ई चाईबासा बायपास सड़क निर्माण के नाम पर कोल्हान में प्रवृत्त पारंपरिक मानकी मुंडा स्वशासन प्रथा का लगातार उल्लंघन किया जा रहा है. यह दुर्भाग्यपूर्ण है.

जनजातीय मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुसूची पांच राज्य और जिला में स्थानीय स्वशासन से परामर्श और पारंपरिक ग्रामसभा से सहमति प्राप्त करने के बाद ही बायपास सड़क निर्माण करने के लिए विज्ञापन प्रकाशित करना चाहिए. यह बातें रविवार को सदर प्रखंड तुईबीर गांव में खूंटकट्टी रैयत रक्षा समिति के तत्वावधान में आयोजित बैठक में कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष सन्नी सिंकु ने कहीं.

श्रमदान कर बनाई सड़क सुखराम ने किया उद्घाटन

श्रमदान कर बनाई गई सड़क का उद्घाटन करते सुखराम हेम्ब्रम.

संवाददाता | चक्रधरपुर

चांडिल | ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में ऐसे भी गांव हैं, जहां से बाहर निकलने के लिए अब तक जनप्रतिनिधि और प्रशासन सुगम सड़क तक नहीं बनवा पाई हैं. ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र ऐसा निर्वाचन क्षेत्र है जहां से निर्वाचित होकर वर्तमान सांसद संजय सेठ केंद्र में मंत्री बने हैं. पहले भी तत्कालीन सांसद सुबोधकांत सहाय केंद्र में तीन बार मंत्री रह चुके हैं.

इस विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित होकर तत्कालीन विधायक दिवंगत सुधीर महतो राज्य के उप मुख्यमंत्री बने थे. वर्तमान विधायक सविता महतो सत्ताधारी दल से हैं और शहीद परिवार से हैं. बावजूद इसके गांवों तक पहुंच पथ का नहीं होना क्षेत्र की जनता के साथ जनप्रतिनिधियों के लिए भी दुर्भाग्य की बात है. नीमडीह प्रखंड के रांगाडीह से चिंगड़ा पारकिडीह के बीच सड़क नहीं होने के कारण गांव के लोग नारकीय जीवन जीने पर विवश थे. लोगों को आवागमन करने में कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था. इस परेशानी से छुटकारा पाने के लिए आदिवासी बहुल गांव के लोगों ने स्वयं ही श्रमदान कर सड़क निर्माण कर लिया.

सड़क की समस्या से जूझ रहे आदिवासी बहुल गांव के ग्रामीणों ने बैठक कर सड़क बनाने का निर्णय लिया. इसके लिए कई प्रकार की सामग्री की जरूरत महसूस हुई तो ग्रामीणों ने झारखंड आंदोलनकारी सह स्वच्छ चांडिल स्वस्थ चांडिल के संस्थापक सुखराम हेम्ब्रम से 30 जून को मिलकर इसकी सूचना दी. इसके बाद सुखराम हेम्ब्रम ने 2 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण के लिए सहयोग करने का भरोसा दिया और ग्रामीणों की जरूरतों को पूरा किया. नीमडीह प्रखंड के रांगाडीह से चिंगड़ा पारकिडीह बीच श्रमदान कर बनाए गए सड़क का झारखंड आंदोलनकारी सुखराम हेम्ब्रम ने उद्घाटन किया.

न्यूज अपडेट

पोर्टरखोली व गार्ड बारिक में लगा पुनरीक्षण शिविर

चक्रधरपुर | आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर द्वितीय विशेष संक्षिप्त मतदाता पुनरीक्षण कार्य के तहत रविवार को चक्रधरपुर के रेलवे क्षेत्र स्थित पोर्टरखोली एवं गार्ड बारिक में विशेष शिविर लगाया गया. इस दौरान मतदाता सूची से किसी कारणवश हटाये गये नामों का सत्यापन किया गया. साथ ही नये मतदाताओं का नाम भी सूची में जोड़ा गया. शिविर के दौरान पोड़ाहाट अनुमंडल पदाधिकारी रीना हांसदा ने भी पहुंचकर निरीक्षण किया. साथ ही मतदान केन्द्र संख्या 16 एवं 17 के डोर टू डोर जाकर मतदाताओं का सत्यापन किया. शिविर में स्थानीय लोगों ने सत्यापन कराया. इस मौके पर अंचलाधिकारी गिरजानंद किस्कू सह सहायक निर्वाचन पदाधिकारी गिरजानंद किस्कू के अलावे अन्य अधिकारी, कर्मचारी व स्थानीय लोग मौजूद थे. बता दें कि लोकसभा चुनाव के दौरान इन बूथों में बड़ी संख्या में मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से डिलिड रहने पर लोगों ने नाराजगी जतायी थी.

अभिनंदन सह विजय संकल्प सभा 15 जुलाई को

चाईबासा | भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में विशेष बैठक जिला अध्यक्ष संजय पांडे की अध्यक्षता में हुई. बैठक में संजय पांडे ने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद पूरे राज्य के प्रदेश नेतृत्व द्वारा सभी विधानसभा क्षेत्र में अभिनंदन सह विजय संकल्प सभा कार्यक्रम करना तय किया गया है. चाईबासा विधानसभा में 15 जुलाई को अभिनन्दन सह विजय संकल्प कार्यक्रम करना तय किया गया है. कार्यक्रम संयोजक रामानुज शर्मा ने बताया कि 15 जुलाई को चाईबासा विधानसभा स्थित चाईबासा नगर, सदर, झींकपानी, टोंटो और हाटगम्हरिया मंडलों के बूथों में बढ़त लिए 7 बूथों के बूथ समिति, प्रभारी, संयोजक, सह संयोजक को सम्मानित किया जाएगा. कार्यक्रम में सभी 284 बूथों के बूथ समिति, मंडलों के वरिष्ठ कार्यकर्ता मिलाकर 500 कार्यकर्ता एकत्रित होंगे. बैठक में कार्यक्रम प्रभारी विजय देवगम, ब्राजील सुंडी, जिला उपाध्यक्ष राकेश बबलू शर्मा, मीडिया प्रभारी हेमन्त कुमार केशरी आदि उपस्थित थे.

सम्मान चक्रधरपुर के मधुसूदन स्कूल में एचीवर्स मीट का किया गया आयोजन, छात्राओं ने प्रस्तुत किया नृत्य

सीबीएसई बोर्ड के 10वीं व 12वीं के टॉपर हुए सम्मानित

टॉपर्स को सम्मानित करते डीएसपी पारस राणा, अध्यक्ष व डायरेक्टर.

स्कूल के टॉपर्स के साथ डीएसपी पारस राणा, अध्यक्ष, डायरेक्टर व अन्य.

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करती छात्राएं.

- विद्यार्थियों को दिया गया मोमेंटो, मेडल व स्मृति पत्र

संवाददाता | चक्रधरपुर

चक्रधरपुर के आसनतलिया स्थित मधुसूदन स्कूल में रविवार को एचीवर्स मीट 2024 का आयोजन किया गया. मधुसदून महतो उच्च विद्यालय व मधुसूदन पब्लिक स्कूल के सीबीएसई बोर्ड की 10वीं बोर्ड और 12वीं की परीक्षा के साथ-साथ नीट, जेईई में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया.

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पोड़ाहाट अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पारस राणा उपस्थित थे. कार्यक्रम के दौरान दोनों स्कूल की छात्राओं ने स्वागत गान पेश किया. इस दौरान पोड़ाहाट अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पारस राणा व अन्य अतिथियों ने स्कूल के टॉपर्स व परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मोमेंटो, मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पोड़ाहाट अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पारस राणा ने विद्यार्थियों का हौसला अफजाई किया.

उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में भी लक्ष्य निर्धारित कर बेहतर करें. स्कूल के अध्यक्ष श्याम सुंदर महतो ने कहा कि बिना मेहनत के सफलता पाना आसान नहीं है. परीक्षा में बेहतर परिणाम लाकर विद्यार्थियों ने विद्यालय व क्षेत्र का मान बढ़ाया है. विद्यालय परिवार प्रत्येक वर्ष बेहतर परिणाम हासिल करने वाले विद्यार्थियों को इसी तरह सम्मानित करते आयी है और यह आगे भी जारी रहेगा. इस अवसर पर मधुसूदन पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर बीके हिन्दवार, प्राचार्य के नागराजू, मधुसूदन महतो उच्च विद्यालय के प्राचार्य प्रशांत तिवारी व अन्य ने भी संबोधित करते अपने संबोधन में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी. कार्यक्रम के अंत में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य की प्रस्तुति दी. कार्यक्म में मुख्य रुप से मधुसूदन महतो उच्च विद्यालय के डायरेक्टर लक्ष्मण महतो, उप प्राचार्य आरती कोड़वार, मधुसूदन महतो उच्च विद्यालय के प्राचार्य प्रशांत तिवारी उपस्थित थे. इनके अलावा मौके पर विद्यालय के सदस्य सचिदानंद राम, डीएन महतो, गणेश्वर महतो, ओम प्रकाश महतो, प्रभात कुमार महतो, कमलेश कुमार महतो, यशोदा महतो, कमेश्वर महतो समेत दोनों विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं व विद्यार्थियों के अभिभावक मौजूद थे.

एचीवर्स मीट सम्मान समारोह के दौरान सीबीएसई बोर्ड में जिला टॉपर मधुसूदन पब्लिक स्कूल के 10वीं टॉपर राज महतो को मधुसूदन महतो स्मृति पुरस्कार के रूप में 10 हजार रुपये नगद देकर सम्मानित किया गया. वहीं सीबीएसई 12वीं विज्ञान की स्कूल टॉपर दीपिका रानी नाग को सरस्वती देवी स्मृति पुरस्कार 10 हजार नगद व मन्दोदरी स्मृति पुरस्कार के रुप में पांच हजार रुपये नगद प्रदान किये गये. मधुसूदन महतो उच्च विद्यालय की 10वीं टॉपर प्रगति गोयल भी स्मृति पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया.

इन विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान मधुसूदन पब्लिक स्कूल दसवीं बोर्ड के टॉपर राज महतो के अलावे सुजल साहु, आयुष राज, जगदीश महतो, राज शंकर, देवानंद महतो, अनुपमा महतो, धर्या जे सांध्वी, स्मृति महतो, अंश राज प्रधान, कला बारहवीं टॉपर संचिता महतो, जयदीप रॉय, जयता सरकार, प्रिया बोयपाई, निर्मला पालित बख्शी, विज्ञान टॉपर दीपका रानी सिंह, प्रणिता मिश्रा, अनुराग भेंगरा, आयुष कुमार सिंह, रवि शंकर महतो, मधुसूदन महतो उच्च विद्यालय के दसवीं टॉपर प्रगति गोयल, नीलम कुमारी, खिरोद महतो, अंजली मंडल के अलावे अन्य बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के साथ-साथ नीट परीक्षा में बेहतर अंक लाने वाले संयुक्ता प्रमाणिक, मुस्कान अग्रवाल, आईआईटी जेईई परीक्षा में बेहतर अंक लाने वाले रोहित महतो व हर्ष अंकित गुप्ता को भी सम्मानित किया गया.

ऑफिसर्स एसोसिएशन ने सांसद जोबा माझी को सौंपा मांगपत्र

- स्टेज- दो फॉरेस्ट क्लियरेंस दिलाने की सांसद से मांग की
- दोनों खदानों के चलने से 40 हजार लोग होंगे लाभान्वित

संवाददाता | किरीबुरु

आभार यात्रा के क्रम में 6 जुलाई की रात लगभग 10 बजे सांसद जोबा माझी सेल की मेघालया गेस्ट हाउस पहुंचीं. वहां झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस ऑफिसर्स एसोसिएशन की ओर से उन्हें मांग पत्र सौंपा गया. मांग पत्र देकर अनुरोध किया गया कि किरीबुरु एवं मेघाहातुबुरु खदान का जीवन एक साल में खत्म हो जाएगा.

इसके लिए स्टेज-दो फॉरेस्ट क्लियरेंस दिलाने का प्रयास करें. पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात कर फॉरेस्ट क्लियरेंस दिलाएं. इन दोनों खदानों के चलने से लगभग 40 हजार सारंडावासी और सिंहभूम वासी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हैं. सांसद जोबा माझी ने भी आश्वासन दिया कि उक्त समस्या का समाधान के लिए विभागीय मंत्री से बात करेंगी और सदन में मामले को उठाएंगी.

मांग पत्र देने वालों में मेघाहातुबुरु के सीजीएम आरपी सेलबम, किरीबुरु के सीजीएम कमलेश राय, मेघाहातुबुरु के महाप्रबंधक विकास दयाल, एसोसिएशन के अध्यक्ष अवधेश कुमार, सचिव यूबीएस राठौर, अनिल कुमार, डॉ. मनोज कुमार, मोहन कुमार, प्रकाश गुप्ता आदि शामिल थे.

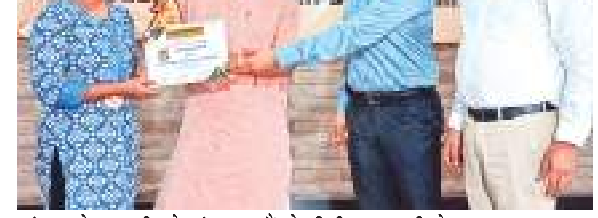
सांसद जोबा माझी को मांग पत्र सौंपते सीजीएम आरपी सेलवम व अन्य.

भगवान के दर्शन करने उमड़े हजारों श्रद्धालु , रथ खींचने को लेकर दिखा भारी उत्साह, विदेशी भक्तों का संकीर्तन, नृत्य रहा आकर्षण का केंद्र

चौपारण में दो जगहों से निकली रथ यात्रा

संवाददाता। चौपारण

प्रखंड में रविवार को दो स्थानों से भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा निकाली गई. जीटी रोड सियरकोनी से इस्कॉन संस्था के तत्वाधान में भक्ति वेदांता और गुरुकुल के संस्थापक सह संचालक डॉ केशवानंद प्रभु, उज्जवल सखा प्रभु एवं पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव की अगुवाई में दूसरी बार भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली गई. वहीं चौपारण जीटी रोड के ताजपुर केसरवानी ठाकुरबाड़ी सह राधा कृष्ण मंदिर से केसरवानी समाज की अगुवाई में 43वीं भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा निकाली गई. रथ यात्रा में विभिन्न क्षेत्रों के श्रद्धालु भगवान के दर्शन के लिए उमड़ पड़े. स्थानीय विधायक सह निवेदन समिति सभापति उमाशंकर अकेला एवं रवि शंकर अकेला ने विधि विधान और धार्मिक अनुष्ठान के साथ रथ को विदा किया. विदित हो कि केसरवानी समाज द्वारा जीटी रोड ताजपुर में ठाकुरबाड़ी का निर्माण तथा राधा कृष्ण मंदिर की स्थापना के बाद पहली बार 1982 में रथ यात्रा निकाली गई थी. इस दौरान थाना दीपक कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में पुलिस जवान मुस्तैद थे. चौपारण जीटी रोड सियरकोनी (जगन्नाथ नगर) से निकली जगन्नाथ रथ यात्रा सुबह नौ बजे से प्रारंभ होकर नौ बजे चैथी मोड़ पहुंची. पूजा-अर्चना कर जगरन्नाथ मंदिर से जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा को रथ पर सुशोभित किया गया. युवा सामाजिक कार्यककर्ता रिशु वर्णवाल, डॉ कश्यप, श्रवण केशरी, सोनू वर्णवाल एवं उनकी टीम द्वारा शरबत, लस्सी, पानी की सेवाएं उपलब्ध कराई गईं.

जगन्नाथ रथ यात्रा में शामिल केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी व सांसद मनीष.

रथ यात्रा में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री, सांसद, विधायक : रथ के आगे रस्सी खींचने वाले भक्त तथा उससे आगे विदेशी भक्त हरिनाम का संकीर्तन कर श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बने रहे. अन्य चार वाहनों पर पुरी, आडिशा के कलाकारों कार्यक्रम किया. कार्यक्रम में दो सौ से अधिक वांलिटयर के साथ, विहिप के 150 सदस्य, दुर्गावाहिनी के चालीस बालिका सदस्यों ने सेवा दी. सियरकोनी धाम चौपारण द्वारा निकाले गए भव्य रथ यात्रा का शुभारंभ केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, सांसद मनीष जायसवाल, चतरा सांसद कालीचरण सिंह, बरही के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव, बरकठा विधायक अमीत यादव, सिमरिया विधायक किसुन दास सहित मुख्य आयोजक हरिचंद्र सिंह, संजय सिंह, रामचंद्र सिंह, राजदेव यादव, प्रभात सिंह, अभिषेक सिंह, बिनोद सिंह आदि ने अतिथियों का स्वागत किया.

सिलवार में भगवान का दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

संवाददाता। हजारीबाग

सदर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सदर प्रखंड की सिलवार पंचायत स्थित सिलवार जगन्नाथ धाम में रविवार को प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य रथ यात्रा मेले का आयोजन हुआ. बता दें कि यहां वर्ष 1952 में एक खपरैल मंदिर से भगवान जगन्नाथ की पूजा- अर्चना कुछ स्थानीय लोगों ने मिलकर शुरू की थी जो आज वृहत रूप ले चुकी है. यहां स्थापित भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र की प्रतिमा ओडिशा के पुरी से लायी गयी है. हरे- भरे पहाड़ियों की श्रृंखलाओं के बीच अवस्थित इस स्थल में वर्तमान समय में एक भव्य मंदिर का निर्माण हो गया है. मंदिर परिसर की खूबसूरती से आकर्षित होकर यहां आयोजित धार्मिक रथ मेले में सम्मिलित होने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा. धार्मिक मान्यता के अनुरूप विधिवत पूजा- अर्चना के उपरांत सिलवार मंदिर से भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र संग रथ पर सवार होकर केशुरा पहाडी स्थित मौसीबाडी पंहुचेंगे. इस दौरान श्रद्धालुओं के साथ सांसद मनीष जायसवाल ने रथ को प्रणाम कर क्षेत्र की सुख, समृद्धि और खुशहाली की मंगलकामना की. मौके पर उनके साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघ कार्यवाह श्रद्धानंद सिंह भी मौजूद रहे. मेले में आकर्षक का केंद्र झुला, मौत का कुआं, ठेले और खोमचे में बिक रही तरह- तरह की मिठाइयां रहीं. स्थानीय लोग हिल ट्रैकिंग का भी जमकर आनंद ले रहे हैं. मेले के दौरान मंदिर समिति के लोग और पुलिस बल के जवान तत्परता और सक्रियता से मेले के सफल संचालन में जुटे हैं. मौके पर विशेषरूप से रामगढ़ जिले के भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता, भाजपा नेता टोनी जैन, जयनारायण प्रसाद, महेश प्रसाद, ज्योत्सना देवी, पूनम मिश्रा, भागीरथ प्रसाद, महेंद्र राम, जगदीश प्रसाद, सामेंद्र सिन्हा, सुभाष प्रसाद, राजेंद्र प्रसाद, छोटेलाल शर्मा, कृष्णा मेहता, बबन गुप्ता, रंजन चौधरी आदि मौजूद रहे.

भाजपा नेता भैया अभिमन्यु प्रसाद सिलवार के जगन्नाथ धाम पहुंचे और पूजा अर्चना कर हज़ारीबाग वासियों के लिए प्रार्थना कर सुख समृद्धि खुशहाली की कामना की. साथ में विवेक बरियार, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष अननेश्वर प्रसाद, किशोर सावंत, भैया नितेश एवं पूजा समिति के सदस्यगण उपस्थित थे.

भगवान जगन्नाथ की पूजा करते हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल.

ब्रीफ खबरें

कोडरमा में सांप के डसने से पांच गंभीर

कोडरमा। कोडरमा, मरकच्चो, डोमचांच थाना क्षेत्र में रविवार को सांप के डसने से पांच लोग घायल हो गए. इनमें दीपक सिंह (28), काजल देवी (26), सरस्वती देवी (35), विनोद कुमार यादव (38) और गीता देवी (46) शामिल हैं. जानकारी के अनुसार कई लोग खेत में काम करने के दौरान, कोई घर के बाहर काम कर रहे थे, जब सांप ने डस लिया. सांप के डसने से बाद आनन- फानन में कोडरमा सदर अस्पताल लाया गया जहां सभी का इलाज चल रहा है.

गांजा तस्कर बिहार के नालंदा से गिरफ्तार

कोडरमा। तिलैया पुलिस ने गत माह भारी मात्रा में बरामद हुए गांजा के मामले में फरार चल रहे आरोपी को बिहार के नालंदा से गिरफ्तार किया है. आरोपी की पहचान उमेश सिंह निवासी कैलाशपुर तिलैया के रूप में हुई है. आरोपी की गांजा बरामदगी के दो अलग-अलग मामलों में तलाश चल रही थी. पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने बताया कि उमेश सिंह तीन माह से फरार चल रहा था. उसपर एनडीपीएस एक्ट व अन्य धाराओं के तहत तिलैया थाने में दर्ज प्राथमिकी अभियुक्त उमेश सिंह तीन माह से फरार चल रहा था. पुलिस द्वारा इसकी गिरफ्तारी को लेकर लगातार प्रयास किया जा रहा था. सूचना प्राप्त हुई कि उक्त वांछित अपराधी नालंदा जिला के बैन थाना अंतर्गत लक्ष्मीपुर गांव में छिपा हुआ है. ऐसे में गिरफ्तारी के लिए थाना प्रभारी, तिलैया विनय कुमार के नेतृत्व में विशेष छापामारी टीम का गठन किया था.

हजारीबाग में आयोजित सम्मेलन में संगठन को मजबूत करने पर जोर

इंटक का मजदूरों के शोषण के खिलाफ लड़ाई का ऐलान

- वक्ताओं ने कोल कंपनियों और जिला प्रशासन को उग्र आंदोलन छेड़ने की दी चेतावनी

संवाददाता। हजारीबाग

राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस का सम्मेलन रविवार को हजारीबाग के टाउन हॉल में संपन्न हुआ. इसमें विस्थापित प्रभावित रैयतों व मजदूरों की समस्याओं को लेकर चिंतन मनन हुआ. इस दौरान हजारीबाग के अनुज सिंह और शशांक सिंह के नेतृत्व में दर्जनों युवकों ने राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस का दामन थामा. सैकड़ों महिलाओं ने राष्ट्रीय मजदूर नेता अर्जुन राम के नेतृत्व में राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस का दामन थामा. इस मौके पर भवनाथपुर के पूर्व विधायक मजदूरों के नेता राज राजेंद्र प्रताप देव ने कहा कि इंटक का कार्यक्रम हजारीबाग में होना कहीं ना कहीं अपने आप में इस बात का परिचायक है कि आने वाले समय में मजदूरों के हितों की लड़ाई यहां पर पुरजोर तरीके से लड़ी जाएगी. महिला नेत्री मीरा तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस पूरे भारत का सबसे बड़ा मजदूर संगठन है और पूरे राज्य में एक जोरदार आंदोलन किया जाएगा. अध्यक्ष सुरजीत नागवाला ने कहा हजारीबाग में कोल कंपनियां मजदूरों का शोषण कर रही है. यहां पर किसी भी कानून का कोई अनुपालन नहीं हो रहा है. जिला प्रशासन कोयला कंपनियों को सह देने का काम कर रहा है. पूरे केरेडारी, बड़कागांव क्षेत्र में किसानों की जमीन लूटी जा रही है, उन्हें उचित मुआवजा नहीं दिया जा रहा है. मजदूरों के हितों की अनदेखी हो रही है. उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष से आग्रह किया है कि जल्द ही बड़कागांव और केरेडारी की धरती पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लें और मजदूरों मिलने का काम करें.

हजारीबाग में राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के सम्मेलन को संबोधित करते वक्ता.

कोयला कंपनियां बातचीत कर समस्या का हल निकालें

प्रदेश संयुक्त महासचिव महेंद्र मिश्रा ने कहा कि हजारीबाग में राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस नए सिरे से लोगों को जोड़ने का काम करे, असंगठित मजदूर, दैनिक वेतन भोगी, मजदूर कोयला मजदूर, मोटीया मजदूर, संगठित मजदूर इंटक से जुड़ें और प्रदेश अध्यक्ष के हाथों को मजबूत करें ताकि उनके हक और अधिकार की लड़ाई हजारीबाग से चलकर रांची तक पहुंचे और रांची से चलकर संसद तक गूंजे. राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राकेश्वर पांडे ने कहा कि राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस की स्थापना 1947 में हुई थी और लगभग 3 :30 करोड़ सदस्य राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के हैं. देश नहीं अभी तो विदेश में भी राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस का परचम लहरा रहा है. हजारीबाग की जो भी कोल मजदूरों की समस्या है, इंडस्ट्रियल एरिया के मजदूरों की जो समस्या है, विस्थापित प्रभावित की जो समस्या है उसको जल्द ही देश के पटल पर लाने का काम करेंगे और एक बड़े आंदोलन की तैयारी होगी. प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यक्रम के माध्यम से कोयला कंपनियों को चेताते हुए कहा कि कोयला कंपनियां बातचीत करके समस्या का हल निकालें. नहीं तो हम लोग किसी भी स्तर तक जाने को तैयार हैं.

बड़ी संख्या में इंटक कार्यकर्ता मौजूद रहे

इससे पहले कार्यक्रम का संचालन धीरज कुमार सिंह ने किया, जबकि अध्यक्षता प्रदेश प्रवक्ता सुरजीत नागवाला ने की. वहीं स्वागत भाषण अर्जुन राम ने दी. दीपक गुप्ता ने सभी प्रदेश नेताओं को बैज पहनाकर उनका स्वागत किया. परमेश्वर कुमार, कजरू साव, सुनील साव, सुनील चंद्रवंशी ने सभी अतिथियों को माला पहनकर स्वागत किया. प्रदेश अध्यक्ष राकेश्वर पांडे और अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के कार्यकर्ता टाउन हॉल में उपस्थित हुए. मौके पर संगठन सचिव शशि आचार्य, सचिन राणा सिंह, सचिव मनोज कुमार सिंह, पूर्व विधायक वरिष्ठ इंटक नेता राजा राजेंद्र प्रताप देव, संयुक्त सचिव सरजू केवट, संगठन सचिव चंद्रशेखर मिश्रा, मीरा तिवारी, अशोक देव, डॉ. प्रकाश कुमार, रितलाल मंडल, सुनील साहू, कजरू साव, परमेश्वर साहू, वरिष्ठ नेता डॉ. आरसी प्रसाद, रेणु कुमारी, संतोष गुप्ता आदि मौजूद रहे.

शाकाहारी लोग लजीज व्यंजन के रूप में इस्तेमाल करते हैं जंगली मशरूम

- जंगली मशरूम चाहे कितने ही महंगे क्यों न हों इसका स्वाद लेने के लिए लालायित रहते हैं लोग

शहर के फुटपाथ पर जंगली मशरूम बेचते स्थानीय लोग.

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

झारखंड के जंगलों में स्वयं उगने वाले खुखड़ी, फुटका और टेकेनस शाकाहारी लोगों के लिए लजीज व्यंजन हैं. ये जंगली मशरूम कितने ही महंगे हों, लोग इसका स्वाद लेने के लिए लालायित रहते हैं. बरसात में जंगली क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों के लिए ये मौसमी मशरूम आजीविका के सर्वोत्तम साधन बने हुए हैं.

जंगल की जमीन से उगे मशरूम की कई प्रजातियां बाजार में काफी महंगी कीमत में बिक रही हैं. हजारीबाग के बाजार में ताजा टेकनस 800 से 1200 रुपये किलो बिक रहा. फुटका 800 से 1000 रुपये प्रति किलो चिक रहा है. बाजार में बिकने वाले अन्य मशरूम में लावा, धरगूज, उबेर चंदन फुटका, बसकरिल आदि शामिल हैं. मॉनसून आने के बाद जुलाई से अगस्त माह तक मशरूम को अलग-अलग कीमतों पर बेचा जाता है. बता दें कि झारखंड में मशरूम की करीब 150 प्रजातियां पायी जाती हैं. इसे आसानी से पचने वाला फैट फ्री खाद्य पदार्थ माना जाता है, जो कैलोरी और फाइवर युक्त है. इसे हृदयरोग से पीड़ित मरीज भी खा सकते हैं. मशरूम की जंगली प्रजातियां जंगल, टांड़ और पत्थरों पर उगती हैं. जंगल पर आश्रित ग्रामीण इसे बेचते हैं. बिना लागत के इससे खासी कमाई हो जाती है है.

क्या कहते हैं वनस्पति विज्ञानी डॉ. पीके मिश्रा

पांच समूह के मशरूम खाने लायक होते हैं. इनमें कुछ विषैले और शेष खाने लायक हैं, जिनकी पहचान जानकार ही कर पाते हैं. आमतौर पर गहरे रंग के मशरूम के इस्तेमाल से बचा जाता है. यह जहरीला माना जाता है. मांस के विकल्प के रूप में शाकाहारी लोग इसका इस्तेमाल करते हैं. मशरूम बेहतर स्वाद के लिए जाना जाता है. इसको पकाने में मांस में इस्तेमाल होने वाले मशालों का प्रयोग किया जाता है. ऐसे में मशरूम की डिश लजीज बन जाती है.

मधुमेह के मरीजों के लिए संजीवनी

विनोबाभावे विश्वविद्यालय हजारीबाग से रिटायर्ड वनस्पति विज्ञानी डॉ. पीके मिश्रा ने बताया कि जंगली मशरूम में प्लेरोटस और लैटिनस, बोलबेरिला और कॉप्रिनस, एग्रिकस, मोर्चेला और कैपरोलस शामिल हैं. बाजार में बिकने वाले मशरूम के अलावा जंगल में मिलने वाली मशरूम की अन्य कई प्रजातियां खाने लायक हैं. हालांकि इस क्षेत्र में काम नहीं हुआ है. नई प्रजाति की पहचान कर उनका इस्तेमाल किया जा सकता है. मशरूम मधुमेह मरीजों के लिए उपयोगी माना जाता है. इसमें काफी मात्रा में प्रोटीन पाए जाते हैं. इसमें वसा और कार्बोहाइड्रेट भी पाया जाता है.

बैठक में ग्रामीणों ने चरणबद्ध आंदोलन चलाने का किया ऐलान

डेली मार्केट को बंद करने का विरोध

संवाददाता। रामगढ़

छावनी परिषद स्थित डेली मार्केट को बंद किए जाने के कारण स्थानीय सब्ज़ी विक्रेताओं को हो रही परेशानियों को देखते हुए रविवार को कांकेबार स्थित पटेल छात्रावास में रामगढ़ के विभिन्न गांवों के लोगों की बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता वार्ड पार्षद प्रतिनिधि मनोज कुमार महतो एवं संचालन द्वारिका प्रसाद ने किया. बैठक में सर्वसम्मति से किसान सहयोग समिति का गठन किया गया तथा निर्णय लिया गया कि प्रतिदिन स्थानीय सब्ज़ी विक्रेताओं को हो रही परेशानियों और बदतमीज़ियों के खिलाफ चरणबद्ध तरीके से आंदोलन किया जायेगा. इस संबंध में सोमवार को सर्वप्रथम छावनी परिषद के अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा. ज्ञापन के माध्यम से रामगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों से जो प्रतिदिन महिला- पुरुष किसान सब्ज़ी बेचने जाते हैं उनके लिए स्थाई डेली मार्केट का स्थल, शौचालय, शेड तथा पीने के लिए स्वच्छ पानी आदि मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने की मांग की जाएगी. ज्ञापन देने के लिए मुर्राम कला, कांकेबार, चेटर, गोसा, बूढ़ाखुखरा, गंडके, गोडातू, दोहाकातू, उसरा, जमीरा, बहातू, चाहा, छत्तर, कुन्दरू, बारलौंग, कोठार, कैथा, हुहूवा, गोबरदरहा आदि गावों के सैकड़ों की संख्या में समाजसेवी, बुद्धिजीवी, किसान आदि शामिल होंगे. बैठक में मुख्य रूप से दामोदर महतो, झलकदेव महतो, चिंतामणि पटेल, सुदर्शन महतो, संतोष निराला, अर्चना महतो, सुरेश महतो, अनिकेत ओहदार, ओम प्रकाश महतो, सोहन महतो, झरी महतो, पवन महतो, नुनूलाल महतो, प्रवीण कुमार, टिकेंद्र महतो, भरत महतो आदि मौजूद रहे.

बैठक में मौजूद रामगढ़ के विभिन्न गांवों के लोग.

रांची रोड स्टेशन मॉडल स्टेशन के रूप में किया जाएगा विकसित

संवाददाता। रामगढ़

ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन तथा सहायक मंडल अभियंता परमानंद प्रसाद के साझा प्रयास से बरकाकाना रेलवे जोड़ा तालाब में दस दिवसीय स्वच्छता तथा पौधरोपण कार्यक्रम का समापन हुआ. वहीं रांची रोड स्टेशन को मॉडल स्टेशन बनाने की पहल पर मरार ग्राम नवनिर्मित सबवे के समीप पौधरोपण तथा स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया. इस क्रम में यूनियन तथा रेलवे पदाधिकारियों की टीम ने रांची रोड स्टेशन का सर्वेक्षण कर इसके सौंदर्यीकरण का रोड मैप तैयार किया. प्रसाद ने कहा कि युवाओं के सहयोग के बिना रांची रोड रेलवे स्टेशन का सौंदर्यीकरण नहीं हो सकता. यूनियन शाखा महेंद्र प्रसाद महतो ने आने वाले समय में बरकाकाना तथा रांची रोड रेलवे स्टेशन को मॉडल स्टेशन बनाने के लिए सभी की प्रशंसा की.

कार्यक्रम के दौरान रेलवे के अधिकारी व अन्य लोग.

5 जुलाई को रात्रि लगभग 9 बजे ओमप्रकाश साव को गोली मार दी थी

स्याल गोलीकांड में दो गिरफ्तार

संवाददाता। रामगढ़

भुरकुंडा ओपी क्षेत्र के सयाल पोड़ा गेट पर ओमप्रकाश साव को गोली मारकर जख्मी करने के आरोपी शिवराज उर्फ शिवा और विक्रम कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है. पुलिस ने आरोपियों के पास से एक देसी पिस्टल और मोटरसाइकिल बरामद की है. घटना को लेकर पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार ने जिला पुलिस मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि बीती 5 जुलाई को स्याल पोड़ा गेट के पास रात्रि लगभग 9 बजे ओमप्रकाश साव को गोली मारकर जख्मी कर दिया गया था. उसका इलाज रांची के मेदांता अस्पताल में चल रहा है. घटना के बाद इस संबंध में पतरातू थाने में मामला दर्ज करते हुए पतरातू अवर निरीक्षक योगेंद्र सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया. पुलिस को सूचना मिली की कांड का आरोपी अपने साथी के साथ उरीमारी से स्याल चेकपोस्ट की ओर एक मोटरसाइकिल पर आने वाला है पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर टीम ने अभियान चलाकर उरिमारी स्याल चेक पोस्ट पर शिवराज और विक्रम को पिस्टल के साथ गिरफ्तार कर लिया. आरोपियों ने पुलिस को बताया कि इसी पिस्टल से पुरानी रंजिश में ओमप्रकाश साव को गोली मारी थी. वहीं अवैध पिस्टल रखने के आरोप में दोनों पकड़े गए अभियुक्तों के विरुद्ध पतरातू थाना में कांड संख्या 183/ 2024 आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया है. छापेमारी दल में पुलिस निरीक्षक पतरातू अंचल योगेंद्र सिंह, भुरकुंडा ओपी प्रभारी अभिषेक कुमार, पतरातू थाना प्रभारी शिवलाल गुप्ता, दरोगा अविनाश कुमार, निर्भय कुमार गुप्ता, कुणाल कुमार सहित सदलबल शामिल थे.

पुलिस ने आरोपियों से कट्टा और बाइक भी बरामद की.

कार्यक्रम

कोनार डैम में दामोदर वैली कारपोरेशन ने 77वां स्थापना दिवस मनाया, गिनाईं उपलब्धियां

'विस्थापितों के आंसुओं पर स्थापना दिवस का जश्न मना रहा डीवीसी'

संवाददाता। विष्णुगढ़

प्रखंड अंतर्गत कोनार डैम में रविवार को डीवीसी ने अपना 77वां स्थापना दिवस मनाया. इस अवसर पर आयोजित समारोह में उपलब्धियां गिनाई गईं. डीवीसी की स्थापना के मूल में बिजली उत्पादन के साथ-साथ बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई और सामाजिक दायित्वों का निर्वहन था, लेकिन अब डीवीसी बिजली उत्पादन और बिक्री करने तक सीमित रह गया है.

सामाजिक दायित्वों से उसे कोई सरोकार नहीं रहा. डीवीसी के डैमों के निर्माण से बहुत बड़ी आबादी विस्थापित हुई. इन विस्थापितों को अलग-अलग जगहों में बसाया जरूर गया, मगर आजतक इन्हें उस भूमि का मालिकाना हक नहीं मिला. लिहाजा भूमिहीन श्रेणी में आने के कारण इन्हें सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है.

खास बातें

- विस्थापितों की आवाज बुलंद करने वाले माही का आरोप
- मेरे सुझाव पर कोई पहल नहीं की गई : मुखिया
- भूमिहीन विस्थापितों को नहीं मिल रहा योजनाओं का लाभ

विस्थापितों की समस्याओं की आवाज बुलंद करने वाले माही पटेल उर्फ महेंद्र प्रसाद महतो अपनी पीड़ा बयां करते हुए कहते हैं कि संवेदनहीन डीवीसी प्रबंधन दरअसल विस्थापितों के आंसुओं पर स्थापना दिवस का जश्न मना रहा है. डीवीसी के तिलैया, मैथन, बोकारो और कोनार डैम के विस्थापित अपने हक और हुकूक के लिए दशकों से आंदोलनरत हैं. इसके बावजूद स्वास्थ्य, बिजली, सिंचाई और पेयजल जैसी न्यूनतम जरूरी सुविधाएं तक इन्हें नहीं मिलीं. मिला है तो बस छलावा.

विस्थापित गांव नावाटांड़ के निवासी और बनासो पंचायत के युवा मुखिया चंद्रशेखर कहते हैं कि मुखिया होने के नाते उन्होंने अपने क्षेत्र के विस्थापितों को स्वरोजगार देने समेत पुनर्वासित गांव के विकास के लिए कई योजनाओं पर अमल करने का सुझाव दिया, परंतु उस पर कोई पहल नहीं हुई. नतीजतन विस्थापित युवा रोजगार के लिए पलायन को मजबूर हैं. इसी गांव के सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश राम ने कहा कि विस्थापित भूमिहीन हैं. इसलिए आवासीय प्रमाणपत्र बनवाना इनके लिए बड़ी समस्या है. पीएम किसान सम्मान निधि जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ भी भूमिहीन होने के कारण इन्हें नहीं मिल पाता है.

प्रजापति समाज की बैठक में राजनीतिक भागीदारी पर चर्चा

जिला कमेटी की बैठक में भाग लेते प्रजापति समाज के लोग.

संवाददाता। इचाक

झारखंड प्रजापति कुम्हार महासंघ की मासिक बैठक प्रजापति भवन परिसर में रविवार को हुई. इसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष नरेंद्र प्रजापति उर्फ पप्पू और संचालन जिला सचिव ने किया. बैठक में आसान विधानसभा चुनाव को देखते हुए राजनीतिक पृष्ठभूमि तैयार करने को लेकर व्यापक चर्चा की गई. इसके अलावा संगठन की मजबूती, प्रखंड वार स्वजातियों की जनगणना, कोष का संग्रह तथा प्रजापति भवन की मरम्मती को लेकर कराने पर सहमति बनी. बैठक में आगामी 20 जुलाई को जिला जिला स्तरीय महासम्मेलन कराने का निर्णय लिया गया, जिसकी तैयारी को लेकर जिला कमेटी की बैठक 10 जुलाई को दोपहर एक बजे से प्रजापति भवन परिसर में रखी गई है.

नागपुरी रंगारंग कार्यक्रम में भाषा संस्कृति के संरक्षण संवर्धन का दिया संदेश

नागपुरी को आपस में संपर्क भाषा बनाए : मंगल सिंह

संवाददाता । गुमला

करौंदी रथ यात्रा मेला में एशियन हेरिटेज फाउंडेशन, नागपुरी साहित्य सांस्कृतिक मंच और नागपुरी लोक आखरा के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें गीत संगीत व नृत्य के माध्यम से नागपुरी संस्कृति, परंपरा, राग-रागिनी के संरक्षण और संवर्धन का संदेश दिया गया. करौंदी जगन्नाथ मंदिर के संरक्षक बड़ाएक केडी सिंह और भाजपा किसान मोर्चा के प्रमंडलीय सह प्रभारी मंगल सिंह भोगता ने फीता काट कर सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुरुआत किया.

फोटोःकार्यक्रम में प्रस्तुति देते कलाकार.

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा किसान मोर्चा के नेता मंगल सिंह भोगता ने नागपुरी को संपर्क भाषा के रूप में प्रयोग करने की सलाह दी. नागपुरी भाषा के संरक्षण व संवर्धन के लिए प्रयासरत नागपुरी साहित्य सांस्कृतिक मंच की प्रशंसा की. केडी सिंह ने भी बच्चों को नागपुरी विषय की पढ़ाई के लिए प्रेरित करने का अनुरोध किया. गायक शंकर सिंह ने नागपुरी गीत के माध्यम से जगन्नाथ महाप्रभु का आवाहन किया. मनीष बरवार के नेतृत्व में प्रशिक्षु छात्राओं ने मर्दानी झुमर और फगुवा रंग में नृत्य प्रस्तुत कर समा बांधने का काम किया. मंजू देवी, रजनी कुमारी, रूपा कुमारी, नीलम कुमारी, गुंजो देवी, सुलोचना देवी, पवन गोप, रोहित सिंह, जतेन्द्र कुमार, पंकज कुमार, बलराम झाड़ी आदि ने एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत कर देर शाम तक समा बांधने का काम किया.

नहीं पहुंच रहा घर घर में पानी

चंदवा में नल जल योजना बनी शो पीस

संवाददाता ।चंदवा

प्रखंड क्षेत्र के अंवादोहर में लगे नल - जल योजना बना शो पीस. कामता पंचायत समिति सदस्य अयुब खान ने लिया जायजा , ग्रामीणों से मिलकर इस संबंध में जानकारी ली, अंम्बादोहर के ग्राम प्रधान प्रमोद भगत ने बताया कि सुमन भगत के घर के पास लगे नल जल टंकी से घर घर में लगे नल में पानी नहीं पहुंच पा रही है.प्रकाश उरांव के घर के पास लगे नल जल का भी यही हाल है,दोनों स्थानों पर लगे नलजल योजना से किसी भी ग्रामीणों को लाभ नहीं मिल पा रहा है.धनेश उरांव के घर के पास लगे पुराना चापानल भी महिनों से खराब पड़ा हुआ है. जोबिया गांव में

जानकारी देते ग्रामीण.

भी करीब तीन माह तक एक नल जल चला इसके बाद बंद हो गया है.

पेयजल के लिए ग्रामीण गांव में इधर उधर भटक रहे हैं.पंसस अयुब खान ने कहा कि शिकायत के बाद भी नल जल योजना में कोई सुधार नहीं हो रहा है, इससे ग्रामीणों में रोष पनप रहा है. अयुब खान ने उपायुक्त गरीमा सिंह से नल जल योजना को ठीक करवा कर पेयजल संकट दूर करने की अनुरोध किया है.मौके पर ग्राम प्रधान प्रमोद भगत, साजीद खान, प्रेमजीत उरांव व अन्य उपस्थित थे.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय उत्तम है पर, मानसिक तनाव बढ़ सकता है. किसी से विवाद हो सकता है. बेकार की बहस से बचें. माता सुख में कमी होगी. कार्यस्थल पर जो लोग आपको पसंद नहीं करते थे, वे आपके कार्यों की तारीफ करेंगे.

वृषभ धन के लिए दिन शुभ है. भाई का सहयोग प्राप्त होगा. साथ ही पराक्रम में वृद्धि होगा. मानसिक उलझन होगा. आपके अपनों को आपकी जरूरत है. अपनों के साथ मौज मस्ती पर खर्च होगा. पिता के व्यवहार में परिवर्तन से चिंतित रहेंगे.

मिथुन पैतृक संपत्ति का सुख बढ़ेगा. किया गया कार्य लाभ देगा. मानसिकता को बदलने की बेहद जरूरत है. उन्नति में बाधा आयेगी. कोई खुशखबरी सुन सकते हैं. किया गया छोटा यात्रा सुखद रहेगी. विष्णु भगवान का ध्यान पूजन करें.

कर्क समय बहुत ही उत्तम है. मानसिक शांति मिलेगी. समय उत्तम है. कोई बड़ा लाभ हो सकता है. किसी की सिफारिश से कार्य हो सकता है. संचित धन का निवेश लाभप्रद रहेगा. किसी के बहकावे में आने से रिश्ते कमजोर होंगे. अपनो का ध्यान रखें. संतान सुख की प्राप्ति संभव.

सिंह आय से ज्यादा खर्च होगा. कोई धार्मिक यात्रा का योग है. दिन की शुरुआत खर्च के साथ होगी. किसी विषय को समझने की जिज्ञासा रहेगी. अपने अधीनस्थों के किये कार्यों की सराहना करें, लाभ होगा. विष्णु भगवान का ध्यान पूजन करें.

कन्या समय बहुत ही उत्तम है. आय भाव में चन्द्र है. कुछ नया सीखने को मिलेगा. जिंदगी से जुडी निजी बातें आज सामने आ सकती हैं. नौकरी में उत्साह की कमी रहेगी. कोई बड़ा कार्य होने से मन खुश होगा. अन्न दान करें.

तुला शेयर बाजार से लाभ का योग है. पिता के कार्य से लाभ होगा. आप कर्म प्रधान है. प्रतियोगिता में सफल होंगे. जीवनसाथी के साथ मतभेद संभव है. अपने कार्य के प्रति ईमानदार रहें. मनचाहा जवाब न मिलने से निराश रहेंगे. अन्न का दान करें.

वृश्चिक ससुराल से कोई शुभ समाचार मिलेगा. भाग्य साथ है. पर स्वयं अपने आप पर से नियंत्रण खो देंगे. आपके किसी गलत व्यवहार से मित्रों से मतभेद हो सकते हैं. कार्य स्थल पर धन लाभ के योग है. इष्ट बल मजबूत करें.

धनु समय थोड़ा उलझन वाला होगा. अपने प्रोफेशन से आप नाखुश हैं, समय के साथ स्थिति आपके अनुकूल बनेगी. जीवनसाथी का व्यवहार मनोबल बढ़ाएगा. कर्ज लेने की स्थिति निर्मित हो सकती है. माता-पिता और गौ सेवा से लाभ होगा.

मकर जरूरत मंद लोगों की मदद करें. मांगलिक कार्यक्रमों की रूप रेखा बनेगी. राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे. यदि बहुत जरूरी हो तो यात्रा करें. पैसों का लेन देन संभव. खान पान पर ध्यान दें. स्वास्थ्य बिगड़ सकता है.

कुंभ घरेलू कार्यों में व्यस्त रहेंगे. विद्यार्थी परिणामों को लेकर चिंतित रहेंगे. मेहमानों का आगमन हो सकता है. पारिवारिक जमीन जायदाद के मसले निपटेंगे. धन कमाने की चाह में कोई गलत फैसले न लें. शनि की वस्तु का दान करें.

मीन संतान के कर्म से लाभ होगा. धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. लोगों से प्रोत्साहन मिलेगा. पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे. मित्रों के साथ समय व्यतीत होगा. बुरी संगत छोड़ दें, अन्यथा नुकसान होगा. पीली वस्तु का दान करें.

राज्य में भाजपा नेतृत्व की मजबूत एनडीए सरकार बनाने का संकल्प लें

झारखंड सरकार भारत की सबसे भ्रष्ट सरकार: बाबूलाल

खास बातें

- झामुमो को परिवार से बाहर का मुख्यमंत्री बर्दाश्त नहीं
- शिबू सोरेन परिवार राज्य को लूटने के लिए चाहता है सत्ता

प्रमुख संवाददाता। रांची/गिरिडीह

गिरिडीह के सरस्वती शिशु मंदिर के सभागार में आज कार्यकर्ता सम्मान कार्यक्रम सह विजय संकल्प सभा का आयोजन किया गया. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हेमंत सरकार भारत की सबसे भ्रष्ट सरकार है. यहां आज विकास के काम ठप्प है. विधि व्यवस्था ध्वस्त है. पुलिस प्रशासन केवल उगाही में लगा है. किसी कार्यालय में बिना पैसे के कोई काम नहीं हो सकता. बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं हैं. व्यापारियों को जेल से धमकी मिलती है. रंगदारी नहीं देने पर जान का खतरा रहता है. बाबूलाल ने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों में एक भी उद्योग राज्य में नहीं लगा. शिबू सोरेन परिवार को सत्ता की भूख ऐसी कि बिना कोई आरोप के अपने ही मुख्यमंत्री को इस्तीफा देने के लिए बाध्य कर दिया.

इंडी अलायंस ने दुष्प्रचार की पराकाष्ठा कर दी : बाबूलाल ने कहा कि इंडी एलायंस ने दुष्प्रचार की पराकाष्ठा कर दी. क्या-क्या नहीं कहा.संविधान बदलने से लेकर आरक्षण खत्म करने का दुष्प्रचार किया. लोगों को भड़काये, लेकिन जनता ने भाजपा नीत एनडीए को ही वोट दिया.

कार्यक्रम को संबोधित करते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी व अन्य.

भाजपा को जनता के विकास की चिंता

बाबूलाल ने कहा कि जनता का इशारा और इरादा स्पष्ट है. जनता ठगबंधन सरकार के लूट, भ्रष्टाचार और वादाखिलाफी से उब चुकी है. शिबू सोरेन परिवार को राज्य को लूटने के लिए सत्ता चाहिए. उन्हें जनता के विकास से कोई लेना-देना नहीं है. जैसे लोकसभा चुनाव में इंडी अलायंस को धूल चटाई है, वैसे ही विधानसभा चुनाव में अपने परिश्रम और प्रभाव से झारखंड से भी भ्रष्ट और निकम्मी सरकार को उखाड़ फेंकना है. भाजपा ने जैसे राज्य बनाया है, वैसे ही राज्य का विकास भाजपा और एनडीए सरकार ही कर सकती है. भाजपा को राज्य के सवा तीन करोड़ जनता के विकास की चिंता है. लेकिन शिबू सोरेन परिवार को अपने परिवार के विकास की चिंता है.

देवघर मकान हादसे में हुई मौत पर जताया शोक

रांची। देवघर स्थित एक पुराने मकान के गिर जाने से तीन लोगों की हुई दर्दनाक मौत पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने गहरा शोक प्रकट किया है. मरांडी ने कहा कि घटना को सुनकर मर्माहत हूं. उन्होंने मृतकों की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की. कहा कि ईश्वर परिजनों को धैर्य एवं साहस प्रदान करें.

झारखंड में एनडीए को 81 लाख से ज्यादा वोट मिले. जबकि इंडी एलायंस 61 लाख पर ही सिमट गयी. राज्य के नौ लोकसभा सीट पर एनडीए प्रत्याशियों की जीत हुई. 52 विधानसभा क्षेत्र में एनडीए की जीत हुई. राज्य में सत्ताधारी गठबंधन के तत्कालीन मुख्यमंत्री सहित सात मंत्री अपने-अपने क्षेत्र में इंडी एलायंस के प्रत्याशी को जीत नहीं दिला सके.

भाजपा की ताकत हैं कार्यकर्ता : बाबूलाल

बाबूलाल ने कार्यकर्ताओं को सम्मानित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की पूंजी है. केवल चुनाव ही नहीं बल्कि दिन प्रतिदिन होने वाले सांगठनिक कार्यक्रमों को कार्यकर्ता ही सफल बनाता है, अभियान को पूरा करता है. बाबूलाल ने कहा कि नेताओं को तो रोज सम्मानित किया जाता है, लेकिन कार्यकर्ता चुपचाप काम में जुटे रहते हैं. जनता के सवालों से जूझते हैं, जन प्रतिनिधियों से संबंधित शिकायतों को सुनते हैं. कार्यकर्ता सब कुछ सहन कर जनता की सेवा में जुटे रहते हैं और उनकी समस्याओं का समाधान करने हर संभव प्रयास करते हैं. ऐसे कार्यकर्ता ही भाजपा की ताकत हैं. वैचारिक लड़ाई को आगे बढ़ाने के सहयोगी हैं. ऐसे कार्यकर्ताओं के बल पर ही देश में तीसरी बार मोदी सरकार का संकल्प पूरा हुआ है.

एडीजी अभियान आज करेंगे बैठक

डायल-112 से संबंधित छह बिंदुओं पर होगी समीक्षा

रांची। एडीजी अभियान सोमवार को जोनल आईजी, रेंज के डीआईजी और जिलों के एसएसपी व एसपी के साथ समीक्षा बैठक करेंगे. इस बैठक में डायल-112 इमरजेंसी रिस्पांस सपोर्ट सिस्टम (ईआरएसएस) के कार्यों से संबंधित छह बिंदुओं पर चर्चा होगी.

इन छह बिंदुओं पर होगी समीक्षा

- प्राप्त शिकायतों का रिस्पॉन्स टाइम की स्थिति
- डायल 112 के प्रचार प्रसार की स्थिति
- डायल 112 के अंतर्गत एमडीटी टैब की अद्यतन स्थिति
- डायल 112 के अंतर्गत डीसीसी में उपलब्ध बल की स्थिति
- डायल 112 के अंतर्गत यूपीएस और बैटरी की स्थिति
- ईआरएसएस परियोजना के अंतर्गत सी-डैक से प्राप्त होने वाला स्मार्टफोन को बाइक के साथ लैस कर रांची

धनबाद और जमशेदपुर जिला शहरी थाना में सुधारित आवंटन के संबंध में.

इमरजेंसी रिस्पांस सपोर्ट सिस्टम है डायल-112

गौरतलब है कि डायल-112 एक इमरजेंसी रिस्पांस सपोर्ट सिस्टम (ईआरएसएस) है. यह केंद्र की महत्वाकांक्षी योजना है. इस प्रोजेक्ट के शुरू होने से किसी भी मुसीबत में सिर्फ एक ही नंबर याद रखना होगा और किसी भी समय कॉल कर पुलिस की सहायता ले सकते हैं. वर्तमान में अपराध संबंधित सूचना के लिए डायल-100, आग लगने की स्थिति में डायल 101 और एंबुलेंस के लिए डायल 108 पर संपर्क करना पड़ रहा है. नये प्रोजेक्ट के शुरू होने से अब डायल-112 पर ही सभी सुविधाएं मिल रही हैं.

मांगें पूरी नहीं तो 20 जुलाई से होगा आंदोलन : महासंघ

संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य अनुबंध कर्मचारी महासंघ झारखंड के केंद्रीय समिति की बैठक रविवार को प्रेस क्लब में विक्रांत ज्योति की अध्यक्षता में हुई. शामिल विभिन्न विभागों के संविदा कर्मियों ने एक स्वर में कहा कि वर्तमान सरकार विगत पौने पांच वर्षों के कार्यकाल में संविदा संवाद में दिए गए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के वक्तव्यों का अनुपालन नहीं हो सका. सहायक अध्यपको, बाल संरक्षण कर्मियों, मनरेगाकर्मियों, स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों, होमगार्ड, आईसीटी कम्प्यूटर ऑपरेटरों, आंगनबाड़ी सेविकाओं की नाराजगी से सरकार की सेहत पर बुरा असर पड़ पड़ेगा. महासंघ ने कहा कि मांग पूरी नहीं हुई तो 20 जुलाई से आर पार की लड़ाई होगी. मौके पर रविन्द्र सोनार, राणा चंदन सिंह, अनुज कुमार झा, हरेकृष्ण सिंह, नवीन गुप्ता, चंदन कुमारी, सीता तिगा, सुमन कुमारी, पुष्पा देवी समेत 45 संगठनों के प्रतिनिधि शामिल थे. संचालन सुशील कुमार पाण्डेय ने किया.

विश्व सनातन संघ की बैठक संपन्न

रांची। राष्ट्रीय विश्व सनातन संघ की झारखंड प्रदेश कमेटी की बैठक रविवार को किशोरगंज देवी मंडप में हुई. इसमें प्रदेश समिति के पुनर्गठन के लिए विचार विमर्श किया गया. बैठक में भारत के विपक्षी दल के नेता राहुल गांधी द्वारा सनातन धर्म के खिलाफ सदन में की गयी टिप्पणी का भी पुरजोर विरोध किया गया तथा संगठन द्वारा कहा गया कि इस प्रकार के किसी भी टिप्पणी संगठन बर्दाश्त नहीं करेगी. बैठक में सुनील विश्वकर्मा, गुड्डू पांडे, करण कर्मकार, राकेश गुप्ता, जीत यादव, गीता देवी, प्रदीप मंसूरिया, निशात पांडे, पंकज वर्मा, अक्षय कुमार मिश्रा, शुभम मोदी, जगदीश कुमार, सौरव कुमार, अभिषेक जैन समेत संगठन के सभी कार्यकर्ता उपस्थित थे.

सब्जी विक्रेताओं के साथ हो रही बदतमीजी

किसान हैं परेशान, छावनी परिषद के खिलाफ होगा चरणबद्ध आंदोलन

संवाददाता। रामगढ़

रामगढ़ छावनी परिषद के अधिकारी किसानों और सब्जी विक्रेताओं के लिए परेशानी की जड़ बन चुके हैं. अक्सर सब्जी विक्रेताओं के साथ उनके कर्मी बदतमीजी करते हैं. सब्जी बेचने आने वाले महिला और पुरुषों को कोई स्थाई जगह तक नहीं मुहैया कराई जाती. छावनी परिषद की अधिकारियों को इन सारी बातों की जानकारी तो है, लेकिन कोई पहल नहीं करते. लिहाजा अब किसानों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है. रविवार को शहर के पटेल छात्रावास में किसानों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की बैठक में यह फैसला लिया गया. बैठक की अध्यक्षता वार्ड पार्षद प्रतिनिधि मनोज कुमार महतो और संचालन द्वारिका प्रसाद ने किया. इस दौरान सर्वसम्मति से किसान सहयोग समिति का गठन किया गया. यह समिति किसानों के लिए चरणबद्ध आंदोलन चलाएगी.

आंदोलन की शुरुआत छावनी परिषद के सीईओ को ज्ञापन देने से की जाएगी. सोमवार को किसान सहयोग समिति का प्रतिनिधिमंडल ज्ञापन के माध्यम से स्थाई डेली मार्केट निर्धारित करने, शौचालय, शेड तथा पीने के लिए स्वच्छ पानी आदि मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने की मांग करेगा. ज्ञापन देने के लिए मुर्राम कला, कांकेबार , चेटर, गोसा, बूढ़ाखुखरा, गंडके, गोडातू , दोहाकातू, उसरा, जमीरा , बहातू, चाहा, छत्तर, कुन्दरू, बारलौंग, कोठार, कैथा, हुहूवा, गोबरदरहा आदि गावों के सैंकड़ों की संख्या में समाजसेवी, बुद्धिजीवी ,किसान आदि शामिल होंगे.

रामगढ़ के पंचवटी अपार्टमेंट का पार्क बना अखाड़ा

दो गुटों में जमकर हुई मारपीट, जितेंद्र और अरुण ने दर्ज कराई प्राथमिकी

संवाददता। रामगढ़

शहर का पंचवटी अपार्टमेंट का पार्क शनिवार की रात जंग का मैदान बन गया. यहां दो गुटों में जमकर मारपीट हुई. कोई बैट-विकेट लेकर तो कोई गमला फेंक कर जानलेवा हमला कर रहा था. किसी के हाथ में चाकू था तो किसी के हाथ में बेल्ट. इस मामले में दोनों गुटों की तरफ से रविवार को रामगढ़ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है. पहली प्राथमिक नानक ढाबा होटल के मालिक जितेंद्र सिंह पवार ने दर्ज कराई है. इस प्राथमिक में उन्होंने कहा है कि वह जब पार्क में पहुंचे तो अरुण गोयल ने गमला फेंक कर उन पर जानलेवा हमला किया. साथ ही उनके

खास बातें

- किसी के हाथ में चाकू था, तो किसी के हाथ में बेल्ट
- पहली प्राथमिकी नानक ढाबा होटल के मालिक के कराई

साथ मारपीट की. जब राजेश कुमार उन्हें रोकने गए तो उन्हें भी बेल्ट से पीटा गया. इसके बाद उनके बेटे और भतीजे भी जब वहां पहुंचे तो अरुण गोयल के द्वारा उन दोनों की भी पिटाई की गई. साथ ही उन सभी को जान से मारने की धमकी भी अरुण गोयल ने दी.

दूसरी प्राथमिकी अरुण गोयल ने दर्ज कराई है. उन्होंने कहा है कि जितेंद्र सिंह पवार उनके भाई राजेंद्र सिंह पवार और परिवार के अन्य लोग अक्सर उन्हें धमकाते रहते हैं. क्योंकि, वह नवनीत कौर और राजेंद्र सिंह पवार के बीच चल रहे घरेलू हिंसा के मामले में गवाह है. यह मामला अभी कोर्ट में लंबित है. इसलिए उन्हें गवाही देने से भी रोकने का प्रयास किया जाता रहता है. शनिवार की रात भी वह सभी लोग गुट बनाकर पार्क में पहुंचे और उनकी जमकर पिटाई कर दी. इस दौरान राजेंद्र सिंह पवार, जितेंद्र सिंह पवार, बेटा गुरु, भतीजा गुनी वहां मौजूद था. इन लोगों ने बैट-विकेट से उनकी पिटाई की. साथ ही चाकू से भी जानलेवा हमला किया.

प्रखंड कार्यालय के शौचालय में ताला,कर्मचारी परेशान

हुसैनाबाद (पलामू)। प्रखंड कार्यालय भवन में बने शौचालय में ताला बंद होने के कारण प्रखंड कर्मियों एवं आगंतुकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. शौचालय के दरवाजे पर कबाड़ा सामान फेंका हुआ है, जिससे साफ-सफाई और स्वच्छता की स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई है. एक तरफ स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने हेतु करोड़ों रुपये खर्च किये जा रहे हैं तो दूसरी ओर प्रखंड कार्यालय में ही स्वच्छ भारत योजना की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं. उल्लेखनीय है कि यह योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2 अक्टूबर 2014 को शुरू की गई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य देश को स्वच्छ और स्वस्थ बनाना है. इस योजना के अंतर्गत शौचालय निर्माण और स्वच्छता का प्रचार-प्रसार प्रमुख उद्देश्यों में शामिल है.

हाल झारखंड का झारखंड को राजनीति की प्रयोगशाला कहा जाता है, क्योंकि राज्य ने कई मामलों मे रिकॉर्ड बनाया है

झारखंड के 23 साल के सफर में 13 बार बदले मुख्यमंत्री

संवाददाता। रांची

झारखंड को राजनीति की प्रयोगशाला कहा जाता है. क्योंकि, झारखंड ने कई मायनों में रिकॉर्ड बनाया है. करीब 23 साल 08 माह की उम्र वाले इस राज्य में अब तक 13 बार मुख्यमंत्री बने और तीन राष्ट्रपति शासन लगा है. चार जुलाई को 13वें मुख्यमंत्री के रूप में हेमंत सोरेन के शपथ लेने के बाद राज्य में नई सरकार अस्तित्व में आई है. हालांकि, इसकी अधिकतम उम्र छह महीने ही होगी. झारखंड की मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल पांच जनवरी, 2025 को पूरा हो रहा है. ऐसा माना जा रहा है कि अक्टूबर में ही झारखंड में भी विधानसभा चुनाव हो सकता है. ऐसा होने पर इस सरकार का कार्यकाल तीन से चार महीने ही होगा. इसके पहले दो फरवरी को चम्पाई सोरेन के नेतृत्व में बनी सरकार का चैप्टर महज 152 दिनों में ही बंद हो गया.

मुख्यमंत्री के तौर पर हेमंत सोरेन ने अपनी तीसरी पारी शुरू की है. उनका अब तक का कुल कार्यकाल तकरीबन पांच साल 199 दिन का रहा है. वह आगामी विधानसभा चुनाव तक इस पद पर बने रहे तो उनके कार्यकाल में कुछ और दिनों का इजाफा हो जाएगा. झारखंड में मुख्यमंत्रियों का औसत कार्यकाल लगभग मात्र 1.5 साल का है. सिर्फ रघुवर दास ही राज्य के एकमात्र ऐसे मुख्यमंत्री रहे हैं, जिनकी सरकार ने 2014 से 2019 तक अपना कार्यकाल पूरा किया. वर्ष 2019 में हुए विधानसभा के चुनाव के बाद से अब तक राज्य में तीन सरकारें बन चुकी है. झारखंड के नाम ही यह नायाब राजनीतिक रिकॉर्ड भी है कि यहां निर्दलीय विधायक मधु कोड़ा भी मुख्यमंत्री रहे हैं. वह लगभग दो साल तक इस पद पर रहे. हेमंत सोरेन के पिता और झामुमो के अध्यक्ष शिबू सोरेन भी तीन बार मुख्यमंत्री बने लेकिन कभी कार्यकाल पूरा नहीं कर पाए. मुख्यमंत्री के तौर पर अपने पहले कार्यकाल में शिबू सोरेन सिर्फ 10 दिन ही इस कुर्सी पर बैठ पाए थे.

विश्वास प्रस्ताव में नौ बार सरकारों ने बहुमत साबित किया

राज्य गठन के बाद से अब तक रिकॉर्ड 12 बाद सदन में फ्लोर टेस्ट हो चुका है. आठ जुलाई को 13वीं बार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन फ्लोर टेस्ट का सामना करेंगे. हेमंत सोरेन दो बाद डिप्टी मुख्यमंत्री रहते और एक दफा मुख्यमंत्र के रूप में फ्लोर टेस्ट पास कर चुके हैं. इस साल दो बार फ्लोर टेस्ट की परिस्थिति बनी है. पांच फरवरी को हेमंत सोरेन के इस्तीफे के बाद चम्पाई सरकार ने फ्लोर टेस्ट में विश्वास मत हासिल किया था. सदन में अबतक 12 बार तत्कालीन सरकारों द्वारा लाए गए विश्वास प्रस्ताव में नौ बार सरकारों ने बहुमत साबित किया. दो बार प्रस्ताव आने के बाद वोटिंग से पहले ही तत्कालीन मुख्यमंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया था. एक बार वोटिंग की अनुमति ही नहीं दी गई थी. सदन में अबतक दो ही बार अविश्वास प्रस्ताव आया है. राज्य के पहले मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने सबसे पहले 23 नवंबर, 2000 को विश्वास प्रस्ताव लाकर बहुमत साबित किया था. इसके बाद 11 मार्च, 2005 को शिबू सोरेन ने विश्वास प्रस्ताव लाया था लेकिन प्रोटेम स्पीकर ने प्रस्ताव पेश करने की अनुमति नहीं दी. 15 मार्च, 2005 को अर्जुन मुंडा ने विश्वास मत हासिल किया था. 14 सितंबर, 2006 को अर्जुन मुंडा ने बहुमत नहीं होने के कारण सदन में इस्तीफा घोषणा की. 20 सितंबर, 2006 को मधु कोड़ा बहुमत साबित किया. 29 अगस्त, 2008 को स्टीफन मरांडी (तत्कालीन संसदीय कार्य मंत्री) का प्रस्ताव बहुमत से स्वीकृत हो गया. सात जनवरी, 2010 को रघुवर दास का (संसदीय कार्य मंत्री) प्रस्ताव बहुमत से स्वीकृत हो गया.

लोकहित अधिकार पार्टी का कार्यकर्ता मिलन समारोह संपन्न

संवाददाता। हजारीबाग

लोकहित अधिकार पार्टी की ओर से कार्यकर्ता मिलन समारोह का आयोजन किया गया. अध्यक्षता जिला संयोजक नंदलाल साव ने की. संचालन जिला प्रभारी कुंज बिहारी साव ने किया.

प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू ने कहा कि लोकहित अधिकार पार्टी सामाजिक न्याय आधारित पार्टी है. राज्य के 81 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है. प्रदेश सचिव कुंज बिहारी साव ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्यकर्ता काम करना शुरू कर दें. वहीं, सुरेंद्र अग्रवाल लोकहित अधिकार पार्टी में शामिल हुए. कहा कि लोकहित अधिकार पार्टी का संगठन विस्तार करेंगे. अग्रवाल के साथ गौतम वर्णवाल, संजीत लाल गुप्ता, संतोष कुमार पांडेय, किशोर कुमार शर्मा, निरंजन मेहता, संदीप यादव, आकाश कुमार, रंजन कुमार समेत कई लोग पार्टी में शामिल हुए.

मिलन समारोह में कई लोगों ने लोकहित पार्टी की सदस्यता ली.

आस्था के कारोबार पर अंकुश जरूरी

उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में एक सत्संग कार्यक्रम में मची भगदड़ में 134 लोगों की मौत हो गई. जिम्मेदारी लेने को कोई तैयार नहीं. आखिर कबतक होते रहेंगे ऐसे हादसे. देश की अनपढ़ और गरीब जनता ही नहीं आज के भौतिकवादी युग में बड़े-बड़े लोग कथित बाबाओं के चंगुल में फंस चुके हैं. इसी की वजह से देश में बिना किसी रोक-टोक के आस्था का कारोबार चल रहा है. इस तरह का हादसा कोई पहली बार नहीं हुआ, ऐसा पहले भी हो चुका है और आगे भी होता रहेगा.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

कहीं किसी बाबा के प्रवचन में गर्मी से बेहाल भक्तों का मूर्छित हो जाना और जान चली जाना. कहीं किसी धार्मिक कार्यक्रम में भगदड़ में रौंदे जाने से मौतें. अभी हाथरस में स्वयंभू बाबा नारायण साकार हरि भोले बाबा के सत्संग में मची भगदड़ में 134 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई. अस्पताल शवों से अट-पट गए. मौत का आंकड़ा देखते-देखते बढ़ता ही चला गया. आम लोगों की जान इतनी सस्ती है कि हादसे पर हादसे होते रहते हैं, मौतें होती रहती हैं लेकिन शोक की रस्म अदायगी, कड़ी कार्रवाइयों के बुलबुलानुमा शोर से ज्यादा कुछ नहीं होता. न हम सबक सीखते हैं और न ही सरकार. सरकार की नींद बीच-बीच में इस तरह के हादसों के बाद ही टूटती है. हाल के वर्षों में इस तरह के कार्यक्रमों में हुए बड़े हादसों पर नजर डालिए. फरवरी 1997 में ओडिशा के बाड़ीपाड़ा में धार्मिक कार्यक्रम के दौरान आग लगने से 206 लोगों की मौत. जनवरी 1999 में सबरीमाला मंदिर में भगदड़ से 52 लोगों की मौत. 2003 में नासिक महाकुंभ में भगदड़ के दौरान 29 की मौत. 2005 में महाराष्ट्र के सतारा में धार्मिक यात्रा के दौरान भगदड़ में 293 की मौत. अगस्त 2008 में हिमाचल के नैना देवी मंदिर में भगदड़ से 162 की मौत. सितंबर 2008 में जोधपुर के चामुंडा देवी मंदिर में भगदड़ से 249 लोगों की मौत. मार्च 2010 में यूपी के प्रतापगढ़ में एक आश्रम में 65 की मौत. 2011 में सबरीमाला मंदिर में भगदड़, 102 की मौत. फरवरी 2013 में महाकुंभ के दौरान इलाहाबाद (अब प्रयागराज) के रेलवे स्टेशन पर भगदड़ से 23 की मौत. अक्टूबर 2013 में एमपी के दतिया में एक मंदिर में मची भगदड़ में 121 की मौत. जनवरी 2022 में वैष्णो देवी मंदिर मार्ग पर भगदड़ से 12 की मौत. मार्च 2023 में इंदौर के एक मंदिर में हादसे से 36 लोगों की मौत. ये बीते कुछ दशकों में धर्मस्थलों या धार्मिक कार्यक्रमों में हुए हादसे, खासकर भगदड़ में मौत के मामले हैं.

इस देश में आम लोगों की जिंदगी से सस्ती कुछ भी नहीं. ये यूं ही नहीं कह रहे. क्या आपने कभी सोचा है कि इस तरह के भगदड़ धार्मिक कार्यक्रमों, धर्मस्थलों या मजहबी जलसों में ही क्यों होती हैं? म्यूजिक कॉन्सर्ट हो या स्पोर्ट्स स्टेडियम या फिर चुनावी रैलियां...भीड़ तो वहां भी जुटती हैं, लेकिन वहां तो इस तरह के हादसे आम नहीं है. वजह यही है कि वहां बदइंतजामी नहीं होती, लोगों को उनके हाल पर नहीं छोड़ा जाता, क्राउड मैनेजमेंट के पुख्ता इंतजाम होते हैं. लेकिन धार्मिक कार्यक्रमों में बदइंतजामी का ही बोलबाला रहता है, कुंभ या महाकुंभ जैसा आयोजन अपवाद हो सकते हैं. हाथरस में क्या हुआ? सैकड़ों-हजारों नहीं बल्कि लाख-दो लाख की भीड़ जुटी थी. न व्यस्थित ढंग से एंट्री की व्यवस्था थी और न ही एग्जिट की. क्राउड मैनेजमेंट के नाम पर कुछ पुलिसवाले तैनात थे. इतनी बड़ी भीड़ के जुटान और मौके पर एक भी एंबुलेंस नहीं. अग्निशमन की कोई व्यवस्था नहीं. खेत में पंडाल बना दिया गया. पंडाल तक जाने वाल रास्ते का अता-पता नहीं. अगर रास्ता जैसा कुछ था भी तो हल्की सी ही बारिश के बाद फिसलन भरे कीचड़ में तब्दील हो चुका था. ये सबकुछ हादसे को दावत देने की ही तरह था.

आजकल स्वयंभू बाबा, कथित चमत्कारिक धर्मगुरु चाहे जिस भी धर्म से धर्म से ताल्लुक रखते हों, ने धर्म को अब कारोबार बना दिया है. आस्था का बाजार सजा रहे हैं. ज्यादा से ज्यादा भीड़ जुटाने को दुकान सजाने की तरह देख रहे. जितनी ज्यादा भीड़, उस कथित बाबा की उतनी ज्यादा ब्रांड वैल्यू. हाथरस के मामले को ही देख लीजिए. बताया जा रहा है कि 80 हजार लोगों भीड़ के लिए प्रशासन से इजाजत मांगी गई थी, लेकिन भीड़ जुटी लाख में. प्रशासन भी जैसे कुंभकर्णी नींद में सोया रहा. ऐसे कार्यक्रमों को इजाजत देने के बाद आखिर ये देखना किसकी जिम्मेदारी है कि जिन शर्तों पर मंजूरी दी गई है, उनका पालन हो रहा है या नहीं. क्या प्रशासन इजाजत देकर भूल जाता है. वहां लाख-दो लाख की भीड़ कैसे जुटने दी गई. हाथरस कांड सीधे-सीधे घोर प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा है.

लेकिन क्या ऐसे हादसों के लिए सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही ही जिम्मेदार होती है? नहीं, ऐसा नहीं है. अगर हर तरह के जरूरी इंतजाम कर भी कर लिए जाएं, तब भी इस बात की गारंटी नहीं है कि इस तरह के हादसे नहीं होंगे. इसकी वजह भीड़ का पागलपन है, जुनून है. आस्था ठीक है, लेकिन अंध आस्था खतरनाक है. आस्था को तर्क की कसौटी पर नहीं कसा जाना चाहिए, लेकिन चमत्कार की आस में पागलपन को आस्था तो नहीं ही कहा जा सकता. हाथरस वाले स्वयंभू बाबा के चरणरज यानी उनके पैरों की धूल को सिर से लगाने के लिए अनुयायियों में होड़ लगी रहती है. चलते वक्त जमीन पर पड़े जूते के निशान के नीचे की धूल तो छोड़िए, बाबा की गाड़ी के पहिए जिस लीक से गुजरते हैं, उसे तक सिर से लगाने की होड़ लगी रहती है. ये पागलपन नहीं तो और क्या है. हाथरस कांड का दोहराव न हो, इसके लिए जरूरी है कि आस्था के बेरोक-टोक कारोबार पर अंकुश लगे. भीड़ को बाबा अपनी ब्रांड वैल्यू बढ़ाने का औजार बनाने की कोशिश करेंगे, लेकिन इस पर अंकुश लगाना होगा. जरूरी है कि ऐसे कार्यक्रमों में लोगों की जुटान पर एक पाबंदी लगाई जाए. कोई एक संख्या तय करनी होगी, जिससे ज्यादा भीड़ जुटाने की इजाजत किसी भी कीमत पर न दी जाए. लेकिन सबसे जरूरी है सरकार और प्रशासन का कुंभकर्णी नींद से जागना. आम लोगों को यूं ही मरने के लिए नहीं छोड़ा जा सकता.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

ईरान में उदारवादी राष्ट्रपति

ईरान में एक उदारवादी नेता की राष्ट्रपति चुनाव में जीत बेहद महत्वपूर्ण है. इस्लामी क्रांति के बाद से ईरान के भीतर उदारवादियों और अनुदारवादियों के बीच टकराव चलता रहा है. अनुदारवादी अब तक उदारवादियों पर जीत हासिल करते रहे हैं. दुनिया के इस प्राचीन सांस्कृतिक क्षेत्र की राजनीति का असर एशिया और अरब के देशों पर पड़ता है. पिछले कुछ समय से चीन, रूस और इररान का एक त्रिकोण बन रहा है. पश्चिमी देश इसे खतरनाक मानते हैं. प्रतिबंधों के बावजूद ईरान ने कई क्षेत्रों में अद्भुत प्रगति की है. इसके साथ ही क्षेत्रीय संतुलन को बनाने में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है. ईरान और सउदी अरब के संबंधों में उतार चढ़ाव बना रहता है. फिलीस्तीन इजराइल युद्ध के कारण पश्चिम एशिया में तनाव का माहौल है. ऐसे समय एक उदारवादी नेता मसूद पेजेशकियान की जीत बेहद अहमियत वाली है. ईरान में सुधारवादी मसूद पेजेशकियान ने जीत हासिल की है, उन्होंने कट्टरपंथी नेता सईद जलीली को हराया. पेजेशकियान ने अपने चुनाव अभियान के दौरान ईरान के शिया धर्मतंत्र में कोई आमूलचूल परिवर्तन नहीं करने का वादा किया था और माना कि देश के सभी मामलों में अंतिम मध्यस्थ सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ही होंगे. हालांकि पेजेशकियान की राह बिल्कुल भी आसान नहीं होने वाली है और उन्हें सुधारवादी कदमों के लिए सरकार में मौजूद कट्टरपंथी नेताओं की चुनौती से पार पाने के लिए खासा संघर्ष करना पड़ सकता है. ईरान में 5 जुलाई को राष्ट्रपति पद के लिए दूसरे चरण का मतदान हुआ, जिसमें करीब तीन करोड़ लोगों ने हिस्सा लिया. नतीजों में पेजेशकियान ने सईद जलीली को 30 लाख से ज्यादा वोटों से हराया. पेजेशकियान को चुनाव में 1.64 करोड़ वोट मिले, वहीं जलीली को 1.36 लोगों ने वोट किया. मसूद पेजेशकियान ईरान के नौंवे राष्ट्रपति हैं. ईरान में राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की बीती 19 मई को एक हेलीकॉप्टर हादसे में मौत हो गई थी. 28 मई को हुई पहले चरण की वोटिंग में किसी उम्मीदवार को बहुमत नहीं मिला. इसके बाद करीब 42 फीसदी वोट पाने वाले पेजेशकियान और 38 फीसदी वोट पाने वाले सईद जलीली के बीच दूसरे चरण का चुनाव हुआ. ईरान के संविधान के अनुसार, अगर पहले चरण के चुनाव में किसी उम्मीदवार को बहुमत नहीं मिला तो शीर्ष दो उम्मीदवारों के बीच दूसरे चरण का चुनाव होता है. 29 सितंबर 1954 को जन्मे मसूद पेजेशकियान पेशे से डॉक्टर हैं और वह ईरान की तबरीज मेडिकल यूनिवर्सिटी के प्रमुख रहे हैं. साल 1994 में एक कार हादसे में मसूद पेजेशकियान की पत्नी और बेटी की मौत हो गई थी. पेजेशकियान साल 1997 में ईरान के स्वास्थ्य मंत्री भी रह चुके हैं. मसूद पेजेशकियान ने साल 2011 में पहली बार ईरान के राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन किया था, लेकिन बाद में अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली थी. पेजेशकियान की पहचान एक उदारवादी नेता की है और वह पूर्व राष्ट्रपति हसन रूहानी के करीबी माने जाते हैं. पेजेशकियान को हिजाब के सख्त कानून का विरोधी माना जाता है. मसूद पेजेशकियान पश्चिमी देशों के साथ संपर्क बनाए जाने के पक्षधर हैं.

> ईरान में 5 जुलाई को राष्ट्रपति पद के लिए दूसरे चरण का मतदान हुआ, जिसमें करीब तीन करोड़ लोगों ने हिस्सा लिया. नतीजों में पेजेशकियान ने सईद जलीली को 30 लाख से ज्यादा वोटों से हराया.

सुभाषित

महाजनस्य संसर्गः कस्य नोन्नतिकारकः।
पद्मपत्रस्थितं तोयं धत्ते मुक्ताफलश्रियम्॥

महान व्यक्तियों की संगति किसे उन्नति प्रदान नहीं करती? अर्थात् महान व्यक्तियों की संगति से उन्नति ही होती है. कमल के फूल पर पानी की बूंद मोती के समान दिखने लगता है (अर्थात् कमल की संगत से पानी मोती बन जाता है. इसलिए महान लोगों की संगति की जानी चाहिए.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

धर्म और शांति

यदि धर्म नहीं होता तो ये झगडे नहीं होते और मनुष्य शान्ति और प्रेम पूर्वक रहते. सारे झगड़ों की जड़ यह धर्म ही है और कोई नहीं. इसे ही पोषित करने में सारे संसाधन व्यय होते हैं, अन्यथा इन्सान आनंद और मौज में जीवन बिताए". लोग अक्सर ऐसा कहते पाए जाते हैं. जबकि धर्म तो शान्ति, समता, सरलता और सहनशीलता आदि सद्‌गुणों की शिक्षा देता है. धर्म लड़ाई झगड़े करना नहीं सिखाता. फ़िर धार्मिकजनों में यह लड़ाई झगड़े और ईर्ष्या द्वेष क्यों? वास्तव में जो सच्चा धर्म होगा वह कभी भी लड़ाई-झगड़े नहीं कराएगा. जो मनुष्य मनुष्य में वैर-विरोध कराए, वह धर्म नहीं हो सकता. यह स्वीकार करते हुए भी उपरोक्त विचार समुचित नहीं लगता. कुछ ऐसे 'धर्म' नामधारी मत है जो विपक्षी से लड़ना, युद्ध करना, पशु-हत्या करना, ईश्वर की राह में लड़ने को प्रेरित करना आदि का विधान करते है, किन्तु यहां हम उन पंथों की बात नहीं करते. क्योंकि उनका आत्म विशुद्धि से कुछ भी लेना देना नहीं है, उनका लक्ष्य भौतिकवाद है. वे तो राज्य, सम्पत्ति, अधिकार, अहंपूर्ति, भोगसाधन की प्राप्ति, उसकी रक्षा एवं वृद्धि की कामना लिए हुए है. मिथ्या मतों में अज्ञान ही प्रमुख कारण है. ऐसे मत दूसरे संयत धर्मानुयायिओं में भी विद्वेष फैलाने का कार्य करते हैं. "फिर आत्म शुद्धि और सद्भाव धर्म वाले अनुयायी आपस में लड़ते झगड़ते क्यों है" प्रश्न उठना स्वाभाविक है. यदि चिंतन किया जाय तो स्पष्ट ज्ञात होता है कि सभी झगड़े धर्म के कारण नहीं, बल्कि स्वयं मानव मन में रहे हुए कषाय कलुष एवं अहंकार के निमित होते है. वे धर्म को तो मात्र अपनी अहं-तुष्टि में हथियार बनाते है. उन्हें तो बस कारण बनाना है. यदि धर्म न होता तो वे और किसी अन्य पहचान प्रतिष्ठा को कारण बना देते. वैसे भी राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक कारण से झगडे होते ही है. पर उन्हें संज्ञावाची बदनामी नहीं मिलती. संसार में करोड़ों कम्युनिस्ट, धर्म-निरपेक्ष, नास्तिक आदि हैं. क्या उनमें झगड़े नहीं होते? धर्म की अनुपस्थिति में भी वहां झगड़े क्यों? अधर्मी कम्युनिस्टों की ध्येय प्राप्ति का तो साधन ही हिंसा है. यदि उनके जीवन में धर्म का स्थान होता तो वे हिंसा को आवश्यक साधन न मानते. यही कलुषित इरादों वाले अधर्मी-त्रय, धर्म को निशाना बनाकर अपना हित साधते हैं. क्योंकि उनके लिए निज स्वार्थ सर्वोपरि है, नीतिमान बने रहना उनके लिए धार्मिक बंधन है, रास्ते का कांटा है. ऐसे में जब इन्हें दिखावटी धार्मिक अहंकारी मिल जाते है, धर्म को निंदित कर उसे रास्ते से हटाने का इनका प्रयोजन सफल हो जाता है. अतः इन सभी झगड़ों का मूल कारण मनुष्यों की अपनी मलीन वृत्ति है.

लोकतंत्र के लिए मजबूत विपक्ष जरूरी

• सियासत

विश्वनाथ सचदेव

आखिरकार लोकसभा में विपक्ष के नेता की आवाज़ सुनाई दे ही गयी. ऐसा नहीं है कि राहुल गांधी पहले संसद में बोले नहीं थे, पर तब वह कांग्रेस के एक नेता के रूप में ही बोलते थे, पर अब उनकी आवाज़ पूरे विपक्ष की आवाज़ मानी जायेगी और जैसा कि प्रधानमंत्री ने कहा है, 'लोकतांत्रिक परंपराओं का तकाज़ा है कि वे नेता प्रतिपक्ष की बात ध्यान से सुनें', सोमवार को लोकसभा में दिये गये राहुल गांधी के भाषण को इस दृष्टि से देखा-सुना जायेगा. पिछले दस साल में हमारी लोकसभा में प्रतिपक्ष तो था, पर नियमों के अनुसार नेता प्रतिपक्ष किसी को नहीं चुना जा सकता था. चुनावों में भाजपा को मिली सफलता इतनी 'भारी' थी कि विपक्ष की आवाज़ दब-सी गयी थी. इस बार ऐसा नहीं है. इस बार मतदाता ने भाजपा को सदन में सबसे बड़ा दल तो चुना है, पर उसे इतनी ताकत नहीं दी कि वह अपनी मनमानी कर सके. आज देश में एक मिली-जुली सरकार है. बैसाखियों के सहारे चल रही है भाजपा के नेतृत्व वाली यह सरकार. भाजपा को सबसे बड़े दल के रूप में चुनने वाले मतदाता ने कांग्रेस को इतनी सीटें दे दी हैं कि उसका नेता सदन में प्रतिपक्ष के नेता के रूप में काम कर सके. सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष का यह संतुलन जनतंत्र को मज़बूत बनाने वाला है. उम्मीद की जानी चाहिए कि भाजपा का नेतृत्व स्थिति को समझते हुए जनतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप कार्य करेगा और विपक्ष से भी यही उम्मीद की जाती है कि वह सकारात्मक भूमिका निभायेगा. संसद के दोनों सदनों में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के संदर्भ में हुई बहस से देश को ऐसी ही उम्मीद जगी है. चूंकि लोकसभा में दस साल बाद कोई नेता प्रतिपक्ष बना है इसलिए यह उत्सुकता होनी स्वाभाविक थी कि राहुल गांधी सदन में क्या और कैसे कहते हैं. नेता प्रतिपक्ष ने अपनी बात लगभग सौ मिनट में पूरी की और ऐसे अनेक मुद्दे उठाये जो मतदाता को सीधा प्रभावित करते हैं. नेता प्रतिपक्ष के रूप में उन्होंने जिस तरह से अपनी बात रखी उसने बहुतों को प्रभावित किया होगा. यह कतई ज़रूरी नहीं है कि उनकी बातों से सहमत हुआ ही जाये, पर इतना तो स्वीकारना ही होगा कि राहुल गांधी ने अपनी बात मज़बूती से देश के सामने रखी है और जो मुद्दे उन्होंने उठाये हैं वह सत्तारूढ़ गठबंधन को बेचैन करने वाले हैं. यह बात अपने आप में कम महत्वपूर्ण नहीं है कि राहुल गांधी के वक्तव्य के दौरान प्रधानमंत्री और गृहमंत्री समेत छह केंद्रीय मंत्रियों को खड़े होकर प्रतिवाद करने के लिए बाध्य होना पड़ा. नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी का यह भाषण हमारी राजनीति में बहुत दिन तक गूंजेगा. भाजपा एक अर्से से, कम से कम पिछले दस साल से, यह असफल कोशिश करती रही है कि राहुल गांधी को राजनीति के लिए अपरिपक्व समझा जाये. पर आज सदन में उन्होंने जिस परिपक्वता का परिचय दिया है. वह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि अब वह पहले वाले राहुल गांधी नहीं रहे. अपनी भारत जोड़ो यात्राओं के माध्यम से भी वह यह जताने में सफल रहे कि अब वह जन-मानस से सीधे जुड़ने की कला सीख चुके हैं. अब नेता प्रतिपक्ष के रूप में उनके इस भाषण ने नई उम्मीद जगायी है. कोई ज़रूरी नहीं कि उनकी हर बात से सहमत हुआ जाये, पर यह समझना ज़रूरी है कि उनकी बातों में दम है. अब वह पहले वाले राहुल गांधी नहीं रहे. उन्हें हल्के में नहीं लिया जा सकता. एक और बात जो रेखांकित की जानी चाहिए, वह जनतंत्र में प्रतिपक्ष की भूमिका के बारे में है. एक कमज़ोर विपक्ष जनतंत्र के लिए किस तरह खतरनाक हो सकता है, यह बात हम पिछले दस साल में देख चुके हैं. ऐसे में सबसे बड़ा खतरा सत्ता के बेलगाम होने का होता है. जनतंत्र में प्रतिपक्ष का काम सत्ता के क्रिया-कलाप पर नज़र रखने का होता है. कमज़ोर प्रतिपक्ष यह काम आशा और आवश्यकता के अनुरूप नहीं कर सकता. यह स्थिति सत्ताधारी में अहंकार लाने वाली होती है. इसीलिए यह कामना की जाती है कि सत्ता और विपक्ष के बीच में एक संतुलित समीकरण बने. इस संतुलन में एक मज़बूत विपक्ष की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण होती है. विपक्ष जागरूक हो और अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी से करे, यह सफल जनतंत्र की एक महत्वपूर्ण शर्त है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> आज देश में एक मिली-जुली सरकार है. बैसाखियों के सहारे चल रही है भाजपा के नेतृत्व वाली यह सरकार. भाजपा को सबसे बड़े दल के रूप में चुनने वाले मतदाता ने कांग्रेस को इतनी सीटें दे दी हैं कि उसका नेता सदन में प्रतिपक्ष के नेता के रूप में काम कर सके. सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष का यह संतुलन जनतंत्र को मज़बूत बनाने वाला है.

वायु प्रदूषण से हर साल 33 लाख की मौत

• वायु प्रदूषण

रोहित कुमार

एक नए अध्ययन में पाया गया है कि 2008 से 2019 के बीच हर साल 10 भारतीय शहरों में लगभग 33,000 मौतें विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के दिशा-निर्देशों से अधिक वायु प्रदूषण के स्तर के कारण हुई हैं. अध्ययन के अनुसार, वर्तमान भारतीय वायु गुणवत्ता मानकों से नीचे का प्रदूषण स्तर भी दैनिक मृत्यु दर में वृद्धि का कारण बनता है. द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ पत्रिका में गुरुवार को प्रकाशित यह अध्ययन भारत में अल्पकालिक वायु प्रदूषण जोखिम और मृत्यु के बीच संबंध का आकलन करने वाला पहला कई शहरों के अध्ययन पर आधारित है. इसने दस शहरों में PM2.5 (2.5 माइक्रोमीटर से कम व्यास वाले अल्ट्राफाइन पार्टिकुलेट मैटर) के संपर्क और 2008 से 2019 के बीच दैनिक मृत्यु दर का आकलन किया. अध्ययन में पाया गया कि मुंबई, बेंगलुरु, कोलकाता और चेन्नई जैसे शहरों में भी, जहां प्रदूषण का स्तर अपेक्षाकृत कम है, मृत्यु दर में उल्लेखनीय वृद्धि प्रदूषण के संपर्क के कारण हो सकती है, जो भारत की निगरानी एजेंसियों द्वारा निर्धारित कम प्रदूषण मानकों की ओर इशारा करता है. हाल के वर्षों में, सबसे अच्छी वायु रिकॉर्डिंग वाले शहर भी दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की वैश्विक सूची में शामिल हो गए हैं. स्विस वायु गुणवत्ता निगरानी निकाय द्वारा जारी विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2023 के अनुसार, भारत को बांग्लादेश और पाकिस्तान के बाद वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे प्रदूषित देश घोषित किया गया था. रिपोर्ट की शीर्ष 50 सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में, 42 शहर भारत के थे.नई दिल्ली स्थित स्वतंत्र शोध संगठन सस्टेनेबल फ्यूचर्स कोलैबोरेटिव के फेलो और पेपर के मुख्य लेखक भार्गव कृष्ण ने कहा कि निष्कर्ष वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने में भारतीय राज्यों की अक्षमता को रेखांकित करते हैं. "हमारा विश्लेषण मुंबई, बेंगलुरु, कोलकाता और चेन्नई जैसे पहले कम प्रदूषित माने जाने वाले शहरों में भी मृत्यु पर वायु प्रदूषण के पर्याप्त प्रभावों को उजागर करता है."अध्ययन से पता चला है कि 2008 से 2019 के बीच, अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई, पुणे, शिमला और वाराणसी में सभी मौतों में से 7.2 प्रतिशत – जो हर साल लगभग 33,000 थी – का संबंध अल्पकालिक PM2.5 के एक्सपोजर की वजह से हो सकता है, जो डब्ल्यूएचओ के दिशा-निर्देश मान 15 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर से अधिक है.निष्कर्षों ने यह भी उजागर किया कि प्रत्येक मामले में, अल्पकालिक एमपी 2.3 एक्सपोज़र में 10 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर की वृद्धि दैनिक मौतों में 1.42 प्रतिशत की वृद्धि से जुड़ी थी. प्रदूषण के विशिष्ट स्थानीय स्रोतों के कारण यह अनुमान लगभग दोगुना होकर 3.57 प्रतिशत हो गया.विभिन्न सुझावों को सूचीबद्ध करते हुए, शोधकर्ताओं ने कहा कि भारत में वायु प्रदूषण नीति वर्तमान में 'गैर-प्राप्ति शहरों' पर केंद्रित है, जो वर्तमान भारतीय मानकों को पूरा करने में विफल हैं. हालांकि, चूंकि PM2.5 के लिए वर्तमान भारतीय मानक स्वयं डब्ल्यूएचओ के वर्तमान दिशानिर्देश मान 15 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से चार गुना अधिक है, इसलिए इन शहरों से परे कई और क्षेत्रों के लोग भी असुरक्षित हैं. स्वीडन के कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट में एसोसिएट प्रोफेसर और अध्ययन में शामिल शोधकर्ताओं में से एक डॉ. पीटर लजुंगमैन ने रिपोर्ट जारी करने के दौरान कहा, "भारत में हम जो वायु प्रदूषण का स्तर देखते हैं, वह वास्तव में बहुत अधिक है, और यह अध्ययन स्पष्ट रूप से दिखाता है कि इन स्तरों में दिन-प्रतिदिन के बदलाव से किस तरह से मृत्यु दर में काफी वृद्धि होती है." "दिलचस्प बात यह है कि हमने देखा कि स्थानीय प्रदूषण स्रोत के अधिक दूर के स्रोतों की तुलना में अधिक विषाक्त होने की संभावना है, जिसका मानव स्वास्थ्य से जुड़े इस अति प्रासंगिक मामले को लेकर नीति निर्माताओं पर प्रभाव पड़ता है." शोधकर्ताओं ने कहा कि इसके लिए पूरे साल कार्रवाई पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है, न कि केवल जब चरम मौसमी स्थितियां होती हैं तब. मृत्यु दर के जोखिम का एक बड़ा हिस्सा कम से मध्यम पीएम 2.5 स्तरों से जुड़ा हुआ है, जो उच्च स्तरों पर जोखिम को कम करता है. रिपोर्ट के अनुसार, ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) जैसे मौजूदा हस्तक्षेप प्रदूषण की चरम सीमाओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं और साल भर की कार्रवाई पर ध्यान केंद्रित करने के लिए उन्हें फिर से समायोजित किया जाना चाहिए.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> हाल के वर्षों में, सबसे अच्छी वायु रिकॉर्डिंग वाले शहर भी दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की वैश्विक सूची में शामिल हो गए हैं. स्विस वायु गुणवत्ता निगरानी निकाय द्वारा जारी विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2023 के अनुसार, भारत को बांग्लादेश और पाकिस्तान के बाद वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे प्रदूषित देश घोषित किया गया था.

मीडिया में अन्यत्र

64 फीसदी इंजीनियर रोजगार पाने योग्य

भारत के रोजगार क्षेत्र का एक बड़ा विरोधाभास यह है कि जहां एक ओर बेरोजगारी बड़ी चुनौती बनी हुई है, वहीं देश के संभावित बड़े नियोक्ताओं की शिकायत है कि उन्हें काम करने के लिए श्रमिक नहीं मिल रहे हैं.गत सप्ताह लार्सन ऐंड टुब्रो के चेयरमैन एस एन सुब्रमण्यन ने कहा कि इंजीनियरिंग क्षेत्र की इस दिग्गज कंपनी को कुल मिलाकर 45,000 श्रमिकों और इंजीनियरों की जरूरत है. इस मामले में एलऐंडटी कोई अपवाद नहीं है. पूरे भारत की बात करें तो पूर्व में स्टील निर्माताओं से लेकर टेक्सटाइल हब तिरुपुर तक कंपनियों को मशीन ऑपरेटर, वेल्डर, फिटर, वाहन चालक, टेक्नीशियन, कारपेंटर और प्लंबर जैसे साधारण कामों के लिए कुशल श्रमिक तलाशने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. यह कमी केवल ऑर्डर बुक के विस्तार, चुनावों या गर्मियों की वजह से नहीं है जिन्होंने श्रमिकों को वापस उनके गांव भेज दिया. यह देश के श्रम बाजार की एक पुरानी कमजोरी का परिणाम है जिसकी वजह से वेतन और लागत में ऐसे समय में इजाफा हो रहा है, जब निजी क्षेत्र का निवेश अभी भी अपेक्षाकृत कमजोर है. यह कमी उस समय और बढ़ जाती है जब हम मूल्य श्रृंखला में ऊपर जाते हैं. उस स्थिति में कंपनियों के अंतर को पाटने के लिए विदेशों खासकर चीन से तकनीशियनों और इंजीनियरों को बुलाना पड़ता है. इस कमी की प्रमुख वजह शिक्षा और प्रशिक्षण की खराब गुणवत्ता है. इससे कंपनियों को इंजीनियरों और तकनीकी कर्मचारियों के प्रशिक्षण की अतिरिक्त लागत वहन करनी पड़ती है. ताजा इंडिया स्किल्स रिपोर्ट के अनुसार करीब 64 फीसदी इंजीनियरिंग ग्रेजुएट रोजगार पाने योग्य हैं और इनमें से 40 फीसदी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों यानी आईटीआई से आते हैं. कुल मिलाकर करीब आधे युवाओं के पास ही रोजगार पाने लायक कौशल है.दिलचस्प है कि यह हतोत्साहित करने वाली तस्वीर भी 2014 की तुलना में बेहतर है. उस समय केवल 33.9 फीसदी युवा ही रोजगार पाने लायक थे. यह सुधार सरकार के प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना तथा अप्रेंटिस एवं अन्य योजनाओं की बदौलत आया. इस प्रगति के बावजूद रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि बाजार को कुशल श्रमिक उपलब्ध कराना एक बड़ी चुनौती बना हुआ है.यह बताती है कि केवल दो फीसदी श्रमिकों के पास औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण है और नौ फीसदी के पास अनौपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण है. इसके अलावा सरकार के कौशल कार्यक्रमों में भी गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षकों या प्रमाणन की कमी है. इसके परिणामस्वरूप प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षित 20 फीसदी से भी कम लोगों को कंपनियों में रोजगार मिल पाया.

(बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा — डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

शुरुआत/शुरूआत

शब्द है शुरुआत. इसे कुछ लोग शुरूआत के रूप में भी लिखते हैं. इन दोनों में कौन सही है, यह विचारणीय है. विचार-विमर्श की शुरुआत इस गाने से करते हैं-अजीब दास्तां है ये, कहां शुरू कहां खतम, ये मंजिलें हैं कौन सी, ये तुम समझ सके न हम. आपने गौर किया होगा कि लता मंगेशकर जब इस गाने को गाती हैं तो 'शुरू' के आखिरी अक्षर रू पर जोर देती हैं. यानी उसके उच्चारण में ह्रस्व मात्रा की तुलना में दोगुना समय लगाती हैं. हम जब भी 'शुरू' कहते हैं तो हम भी ऐसा ही करते हैं, लेकिन हममें से कई लोग इसे लिखने में भूल कर जाते हैं और इसका अंतिम अक्षर रू के बजाय रु लिख देते हैं. वस्तुतः शब्द शुरू ही है, शुरु नहीं. शुरू का अर्थ है आरंभ, आगाज, श्रीगणेश, किसी कार्य के आरंभ करने या होने की क्रिया. शुरू से ही बनता है शब्द शुरुआत. दिलचस्प बात यह है कि शुरुआत शब्द बना तो शुरू से ही, लेकिन इसका प्रारंभ शुरू से नहीं होता. मतलब यह कि शुरू का रू शुरुआत में आकर रु हो जाता है. रेख्ता, मद्दाह आदि उर्दू के शब्दकोशों में शुरूआत को ही सही माना गया है, ज्ञानमंडल सहित हिंदी के विभिन्न शब्दकोश शुरुआत को सही मानते हैं. चूंकि ज्ञानमंडल के शब्दकोश को हिंदी जगत प्रामाणिक मानता है, इसलिए शुरुआत को ही सही मान चुका है. ज्ञानमंडल के कोशकार का तर्क यह है कि मूल अरबी शब्द है शुरुअ. इसलिए उसका बहुवचन रूप शुरुआत होना चाहिए. जैसे सवाल का सवालात, कागज का कागजात, जज्बा का जज्बात आदि. वैसे शुरुआत शब्द का प्रयोग अक्सर एकवचन के तौर पर ही होता है. हिंदी व्याकरण के अनुशासन के अनुसार दूसरी भाषाओं के शब्दों का बहुवचन रूप हिंदी के नियमानुसार ही सही माना जाता है. इस प्रकरण में हिंदी जगत में प्रचलन और स्वीकार्यता के आधार पर निष्कर्षतः शुरुआत का ही प्रयोग उचित है.

देश में नीट और डर्टी का चक्कर

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेंद्र वर्मा

मुझे घोटाओं की चिंता सता रही थी. तमाम तरह के घोटालों का अध्ययन करने के बाद मुझे ऐसा लगा कि घटित होने वाले घोटालों को दो वर्गों में विभाजित किया जा सकता है. कुछ घोटाले बड़े साफ़-सफाई से घटित किए जाते हैं. उन्हें मैं 'नीट' कहता हूं. कुछ अन्य घोटाले अत्यन्त गंदे और घृणित ढंग से घटित होते हैं, उन्हें मैं 'डर्टी' कहता हूं. मास्टर आदमी ठहरा. बच्चों की कापियां जांचता रहा हूं. साफ़-सुथरी कापी को 'नीट' (भले ही उसमें सवाल गलत ही क्यों न हों) और गंदी लिखावट की कापी को (भले ही सवालों का जवाब उसमे सही ही क्यों न हो) 'डर्टी' लिखता रहा हूं. तमिलनाडु का किस्सा है. वहां एक सीधी-सादी लेकिन प्रतिभाशाली लड़की को मेडिकल में प्रवेश के लिए "नीट" की परीक्षा देनी पडी, लेकिन वह इतनी डर्टी साबित हुई कि छात्रा ने आत्महत्या कर ली. तमिलनाडु में अभी तक "नीट" परीक्षा नहीं होती थी और स्टेट बोर्ड की बारहवीं की परीक्षा के अंकों के आधार पर मेडिकल में प्रवेश मिल जाता था. इस छात्रा ने 12वीं में 98 फीसदी अंक पाए थे और सोच रही थी कि उसे मेडिकल में प्रवेश मिल ही जाएगा. तमिलनाडु की राजनीति में आखिर तक यह बहस चलती रही कि छात्रों को नीट की परीक्षा दिलवाई जाए या नहीं. अंततः हां-ना करते हुए नीट के पक्ष में निर्णय बड़ी सफाई से ले लिया गया. लेकिन राज्य की राजनीति के इस चौसर पर मेधा बलिदान हो गई. ज़ाहिर है बड़ी सफाई से जो निर्णय लिए जाते हैं साफ़-सुथरे नहीं होते. 'नीट' भले ही हों! राम रहीम काण्ड ही ले लीजिए. हज़रत ने अपना मूल नाम बदल के 'राम रहीम' रख लिया. राम भक्त भी खुश, रहीम भक्त भी खुश. अपनी जन्म तिथि बदल कर 15 अगस्त कर ली. स्वतंत्रता दिवस को अपना जन्म बताते ही बन्दा स्वच्छंद हो गया. बड़ी सफाई से अकूत संपत्ति इकट्ठी कर ली. खुद कृष्ण बनकर ढेरों भक्त इकट्ठे कर लिए. अनेक भक्तिनें राधा बन गईं. भक्तों को 'राम रहीम' की रक्षा के लिए हथियार बंद किया गया, ताकि 'डेरा' सुरक्षित रह सके. शासकों और राजनीतिज्ञों के लिए ऐश के सारे इंतज़ाम किए गए. ये सारा काम इतनी सफाई से किया गया कि आम जनता राम रहीम को भगवान ही समझ बैठी. भोली थी बेचारी! लेकिन 'घर का भेदी लंका ढाए' को चरितार्थ करते हुए राधा का रोल निभाने वाली दो तथाकथित भक्तिनों ने 'डेरे' की सारी पोल खोल दी. सफाई से बनाया गया डेरा दाग-दाग हो गया. भगवान जेल के अन्दर पहुंच गए. साफ़-सुथरा इतना गंदा भी हो सकता है, किसी को अहसास नहीं था! वो कहते हैं न, हर चीज़ जो चमकती है सोना नहीं होती. हम लोग अक्सर भूल जाते हैं, जो नीट है अन्दर ही अन्दर डर्टी भी हो सकता है और जो ऊपर से देखने में डर्टी है, वह नीट भी होता है.

सुकून
शुभम संदेश

रहना नहीं देस बेगाना : न्यूयॉर्क में टाइम्स स्क्वायर

माया की मृगमरीचिका पार ही मिलेगी मुक्ति

डॉ मयंक मुरारी

विश्व के आधुनिक और परंपरा का लघु स्वरूप न्यूयॉर्क है. यह मानव के मस्तिष्क और उसके पुरुषार्थ की सर्वश्रेष्ठ संरचना है. इस धरती की पसंदीदा जगह न्यूयार्क है. वहां का टाइम्स स्क्वायर का जादू और कशिश युवाओं के तन-मन पर हावी रहता है. इसके नयनाभिराम नजारा से जीवन को देखने का वृहद् फलक मिलता है. न्यूयॉर्क शहर में टाइम्स स्क्वायर पृथ्वी पर सबसे प्रतिष्ठित और हलचल भरे स्थानों में से एक है. ब्रॉडवे और सेवेंथ एवेन्यू के चैराहे पर स्थित यह क्षेत्र, दुनिया के कुछ सबसे बड़े होर्डिंग और संकेतों का घर है, जो इसे किसी भी यात्री या पर्यटक के लिए अवश्य देखने योग्य स्थान बनाता है. आदर्श रूप से कोई व्यक्ति टाइम्स स्क्वायर न्यूयॉर्क की खोज में दो-तीन दिन बिता सकता है.

यह शहर मुंबई की तरह चौबीसो घंटे जगता है, दिल्ली की तरह सम्मोहित करता है और कोलकाता की तरह परंपरागत विरासत को संजो कर रखता है. यहां जीवन उबाल मारता है, तो मृग मरीचिका की झलक मिलता है, जो खुद को खोजने के लिए आमंत्रित करता है. यह अतियों के पथ पर गमन करता शहर है. इस अतिवाद में उत्कृष्टता का आरोहण है, जीवन के शिखर की यात्रा है तो दूसरी ओर भोग की गहराई है. भोग की सोच और कर्म में पतन का भी एक मार्ग है. धरती के हरेक भाग के युवा यहां मिलेंगे. इसके साद फिजा में एक गांजा का गंध भी समान रूप से तैरता मिलेगा. नशा का यहां पूरा वितान बिछा है. जिसने इस मृत्यु बोध की मृगशिरा को पार किया, वहीं इस शहर को अपने में उतार सकता है, अन्यथा यह जगह डूबने के लिए तैयार बैठी है. जीवन में एक बार न्यूयार्क और न्यूयार्क में टाइम्स स्क्वायर नहीं आए, तो जीवन अधूरा है. आधुनिकता, गतिशीलता, विलासिता और जिजीविषा के शिखर को समझने के लिए यह जगह है. जहां आकाश दिखता नहीं, और धरती होती नहीं. टाइम्स स्क्वायर के पास देने के लिए इतना कुछ है कि शायद आप अपनी पूरी छुट्टियां यहीं बिताएंगे! टाइम्स स्क्वायर अद्भुत है, अलौकिक है और अविस्मरणीय है. यहां गगनचुंबी अट्टालिकाओं के मध्य ही जीवन को मुक्ति और मृत्यु के पथ का सारभूत अनुभूति मिलती है. महात्मा बुद्ध का विचार है कि जीवन में ज्ञानबोध के लिए वह व्यक्ति अनुकूल है जो अतिवाद के साथ है. जीवन में माया की इस मृगमरीचिका की सैर जरूरी है ताकि हम उस परम मुक्ति की ओर आरोहण करें.

इन दिनों मेरी किताब

चुनिन्दा अशआर की बानगी बेहद ख़ास

इम्तियाज़ अहमद ग़ाज़ी

हाल ही में पुस्तक 'डॉ. मधुबाला सिन्हा के चुनिन्दा अशआर' प्रकाशित हुई है. इसमें डॉ सिन्हा के चुनिन्दा अशआर संग्रहित हैं. आमतौर पर अधिकतर हिन्दी और उर्दू के रचनाकार ग़ज़ल का सृजन कर रहे हैं. मगर किसी भी बड़े से बड़े शायर या कवि की ग़ज़लों के सभी अशआर अच्छे नहीं होते. मीर, ग़ालिब, अकबर या सूर, रहीम, तुलसी आदि हमारे अहद के बड़े शायर और कवि हैं. जब भी बड़ी शायरी की बात हम करतें हैं, तो इनकी नज़ीर पेश करते हैं, मगर इनकी भी सारी रचनाएं बहुत अच्छी नहीं हैं. इन लोगों ने जो लेखन किया है, उनमें बहुत सी रचनाएं कालजयी हैं, मगर सारी रचनाएं कालयजी नहीं हैं. इसी तरह आज के शायर जो ग़ज़लें लिख रहे हैं, इनकी ग़ज़लों के सभी अशआर अच्छे नहीं होते. कई बार तो ऐसा भी होता है कि एक-दो अच्छे अशआर हो जाने पर एक ग़ज़ल पूरी करने के लिए भर्ती के कई शेर कहने पड़ते हैं. ऐसे में पाठक के सामने जब ग़ज़ल आती तो वह एक-दो अच्छे अशआर के बाद बाक़ी के अशआर को पढ़कर बोरियत का एहसास करता है. कहने का आशय यह है कि आज के भाग-दौड़ भरी ज़िन्दगी में लोगों के पास इतना समय नहीं है कि वह आपके भर्ती के ऊबाउ शेर पढे.

डॉ. मधुबाला सिन्हा के चुनिन्दा अशआर में कोशिश की गई है कि पाठकों के सामने चुनिंदा अशआर प्रस्तुत किए जाएं, जिन्हें पढ़कर आनंद का अनुभव करे और समाज की मौजूदा हालात से रूबरू हो. इस किताब में तमाम उल्लेखनीय अशआर हैं. बानगी स्वरूप कुछ अशआर इस प्रकार हैं- उदासी, शाम, तन्हाई, कसक यादों की बेचैनी/मुझे सब सौंपकर सूरज उतर जाता है पानी में', 'लटका दी उलझनों को उसी दीवार पर/कभी जहां हमारी तस्वीर लगा करती थी.', 'इशारों ने दिल से अदावत तो की है/फ़क़त कुछ कहे थे बनाया जो माली.'

इस तरह डॉ. मधुबाला सिन्हा की इस पुस्तक में ढेर सारे शानदार अशआर हैं, जिसे शायरी में दिलचस्पी लेने वाले लोग एक बार ज़रूर पढ़ना चाहेंगे. मूलतः हिन्दी भाषी होने के बावजूद डॉ. सिन्हा ने ग़ज़ल की परंपरा को अपने तौर पर समझने और उसमें डूब जाने का भरसक प्रयास किया है. ऐसे प्रयासों को छूरी और चाकू दिखाने के बजाए प्रशंसा की नज़र से देखे जाने की आवश्यकता है.

पुस्तक का नाम : डॉ. मधुबाला सिन्हा के चुनिन्दा अशआर
कवयित्री : डॉ. मधुबाला सिन्हा,
मूल्य : 40 रुपए,
प्रकाशक : गुफ्तगू पब्लिकेशन, प्रयागराज

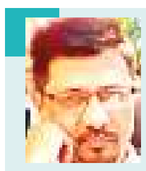

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

मोटिवेशन

स्ट्रिक्टली नो-नो

कुछ बातें स्ट्रिक्टली नो-नो के अंतर्गत आती हैं अर्थात उन्हें भूलकर भी नहीं करना चाहिए. कुछ लोग जाने-अनजाने में यह गलतियां कर बैठते हैं और कोपभाजन के शिकार होते हैं. आईए जानते हैं, कौन-कौन सी बातें इस स्ट्रिक्टली नो-नो के अंतर्गत आती हैं-

किचन में प्रवेश

मियां की दौड़ मस्जिद तक और मेहमानों की पहुंच ड्राइंग रूम तक. जी हां, किसी भी मेहमान की एंट्री सिर्फ ड्राइंग रूम तक ही होती है. किसी के यहां भी जाइए, तो जूता-चप्पल बाहर उतार कर, ड्राइंग रूम में बैठिए, बातें कीजिए. कुछ लोग होस्ट की सहायता करने की नीयत से किचन में प्रवेश कर जाते हैं. जी नहीं, जब तक होस्ट आपको किचन में आने को न बोले, आप किचन में प्रवेश न करें. इसका मुख्य कारण है, कई बार किचन बहुत साफ-सुथरा, व्यवस्थित नहीं रहता. ऐसे में किसी गेस्ट का किचन में प्रवेश होस्ट को बहुत नागवार गुजरता है. यही बात बेडरूम के साथ भी लागू होती है. किसी के बेडरूम में डायरेक्ट प्रवेश न करें. बॉटम लाइन यह है कि ड्राइंग रूम छोड़कर हमें किसी भी कमरे में नहीं जाना चाहिए, जब तक की होस्ट न बोले.

लिपस्टिक, कंघी, मेकअप किट

महिलाएं लिपस्टिक, कंघी, हैंकी, टावल, मेकअप किट को लेकर बहुत फसी होती हैं. कोई उनकी इन चीजों को टच करे, इस्तेमाल तो दूर की बात है, बिलकुल पसंद नहीं करतीं. इसलिए अगर आप गेस्ट बनकर कहीं जा रही हैं, तो आप इन चीजों को अपने पर्स में कैरी करें. दूसरों का लिपस्टिक, कंघी, मेकअप किट, हैंकी का प्रयोग न करें. वैसे भी हर महिला को अपने पर्स में अपना पसंदीदा लिपस्टिक, कंघी, हैंकी, छोटा मिरर जरूर रखना चाहिए, ताकि उन्हें दूसरों से मांगना न पड़े.

वीडियो और कार्यक्रम दिखाना

दो-तीन फोटो दिखाना चल सकता है, लेकिन कई लोग अपने मोबाइल पर वीडियो दिखाने लगते हैं. यह शिष्टाचार के खिलाफ है. अगर आप कोई खास वीडियो दिखाना ही चाहते हैं, तो उसे फारवर्ड कर दें ताकि वह व्यक्ति अपनी सुविधा अनुसार उसे देख लेगा. यही बात टीवी कार्यक्रमों के साथ भी लागू होती है. किसी मेहमान को टीवी के सामने बैठा कर उसे जबरदस्ती अपना फेवरेट कार्यक्रम दिखाना बिल्कुल गलत बात है. मेहमान आपसे मिलने या बात करने आया है, और आप हैं कि उसे वीडियो और कार्यक्रम दिखाने पर तुल जाते हैं जी नहीं, यह गलत बात है, स्ट्रिक्टली नो-नो है.

कविता, लेख वगैरह

यह बात मुख्य रूप से लेखकों, कवियों पर लागू होती है. कुछ कवियों में कविता सुनाने की बुरी आदत होती है. जहां किसी को पकड़ते हैं, कविता सुनाने लगते हैं. वह भी एक नहीं, कई-कई. कुछ लेखकों की कोई रचना छपती है या पुस्तक प्रकाशित होकर आती है, तो अति उत्साह में सभी को पढ़ाने में लग जाते हैं. वे यह बात भूल जाते हैं कि सभी को कविता-लेख में रूचि नहीं होती. किसी को जबरदस्ती कविता सुनाना, लेख/पुस्तक पढ़ने के लिए बाध्य करना गलत बात है, स्ट्रिक्टली नो-नो के अंतर्गत आता है.

खाने के लिए बाध्य करना

आजकल लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति ज्यादा ही सजग हैं. वे निर्धारित समय पर खाते हैं, अपने डायट चार्ट के अनुसार खाते हैं. किसी को खाने के लिए फोर्स करना गलत बात है. ऑफर कीजिए, लेना होगा तो ले लेगा. नहीं लेता, कीप कूल. आपने किसी को खाने पर बुलाया है. बेहतर होगा, डायनिंग टेबल पर सबकुछ कायदे से रख दें. मेहमान को जो पसंद होगा, जितना चाहिए होगा, ले लेगा. जबरदस्ती करने की कोई जरूरत नहीं.

फिजूल के प्रश्न और प्रवचन

तो तुम क्या पढ़ रहे हो, क्या करना है भविष्य में, कौन सा करियर चुन रहे हो? यहां तक तो ठीक है लेकिन बच्चों को करियर पर प्रवचन देने लगना, स्ट्रिक्टली नो-नो के अंतर्गत आता है. आपसे बच्चों ने सलाह मांगी है, नहीं न ! तब आपको ज्ञान बांचने की कोई जरूरत नहीं. किसी अनमैरिड गर्ल को यह कहना कि शादी कब कर रही हो, किसी न्यूलि मैरिड को यह कहना कि खुशखबरी कब दे रही हो, किसी लड़के को यह कहना कि नौकरी का क्या हुआ, अपने पैरों पर कब खड़े होंगे? आजकल इस तरह के प्रश्न पूछना अशिष्टता की श्रेणी में आते हैं, स्ट्रिक्टली नो-नो हैं.

मूल मंत्र

याद रखें, हमें किसी के किचन या बेडरूम में प्रवेश नहीं करना चाहिए, किसी को वीडियो या कार्यक्रम जबरदस्ती नहीं दिखाना चाहिए, कविता-आलेख नहीं पढ़ाना चाहिए. अनावश्यक प्रश्न नहीं पूछने चाहिए, न ही सलाह देनी चाहिए. हमारी पूरी कोशिश होनी चाहिए कि हमारी आदतें किसी को परेशान न करें, हमारी बातें किसी को चुभे नहीं. एमिली पोस्ट का कहना है- शिष्टाचार दूसरों की भावनाओं के प्रति एक संवेदनशील जागरूकता है. अगर हमारे पास वह जागरूकता है, तो हम शिष्टाचारी हैं, हम सही इंसान हैं.

जुलाई में नहीं लगाएं ये पौधे

बरसात होते ही मन बागवानी के लिए मचल जाता है. हमारी सोच होती है कि बरसात में कोई भी पौधा लगाएंगे तो वह बड़े आसानी से लग जाएंगे. लेकिन कुछ ऐसे भी पौधे हैं जिन्हें आप बरसात में नहीं लगा सकते हैं. आइए, जानें कि बरसात में किन पौधों को नहीं लगाएं.

सूरजमुखी के फूल को अधिक धूप की आवश्यकता होती है जिसके कारण बरसात में ज्यादा पानी होने से यह पौधा नहीं लगता. इस पौधे को मार्च महीने में लगा सकते हैं.

चमेली, रजनीगंधा आदि भी सूखी मिट्टी में लगाए जाते हैं.

शतावरी व पान के बेल भी इस मौसम में लगाने से बचें.

गुड़हल का फूल भी जुलाई की जगह फरवरी-मार्च में लगाएं.

सफलता के ये सात सूत्र

जिंदगी में सफलता के लिए कुछ अच्छी चीजों को अपनाना और कुछ बुरी आदतों को छोड़ना होता है. आइए, आज बात करें कि जिंदगी में सफलता के लिए किन आदतों और कदमों की दरकार होती है-

- **खुद पर विश्वास रखें**
जीवन में सफलता पाने का पहला नियम कहता है कि व्यक्ति को खुद पर भरोसा होना चाहिए. आत्मविश्वास ही आपको कठिन समय से लड़कर लक्ष्य तक पहुंचने का हौसला देगा.
- **लक्ष्य निर्धारण**
किसी काम को करने के लिए सबसे पहले लक्ष्य को निर्धारित करें. ध्यान रखें, बिना किसी लक्ष्य के कोशिश करना अंधेरे में तीर मारने के जैसा होता है.
- **रिस्क लेना**
सफलता उन्हें ही मिलती है जो जिंदगी में रिस्क लेते हैं. बिल गेट्स ने माइक्रोसॉफ्ट बनाने के लिए कॉलेज ड्रॉप किया था. अगर ऐसा नहीं करते तो आज की उपलब्धि नहीं होती.
- **कम्फर्ट जोन से दूर**
सफल लोग कभी कंफर्ट जोन नहीं पसंद करते हैं. उनका मानना होता कि अगर हम आगे बढ़ रहे हैं तो हम हमेशा अपने कम्फर्ट जोन से बाहर रहेंगे.
- **लोग क्या कहेंगे से बेपरवाह**
सफल व्यक्ति कभी यह नहीं सोचता कि दूसरे लोग क्या कहेंगे. हमेशा फोकस लाइफ में आगे बढ़ने पर होता है इसके लिए उन्हें जो सही लगता है, वो वही करते हैं.
- **सकारात्मक सोच**
सकारात्मक सोच आत्मविश्वास में इजाफा करता है. अगर आप असफलता के बारे में सोचने लगेंगे तो निश्चित ही आपका काम प्रभावित होगा.
- **गिरकर उठें**
असफलता और कठिन समय से घबराकर कमजोर नहीं पड़ना है. गिर कर उठने वाले ही सफल होते हैं. लक्ष्य प्राप्ति के नियम कठिन हो सकते हैं लेकिन असंभव नहीं,

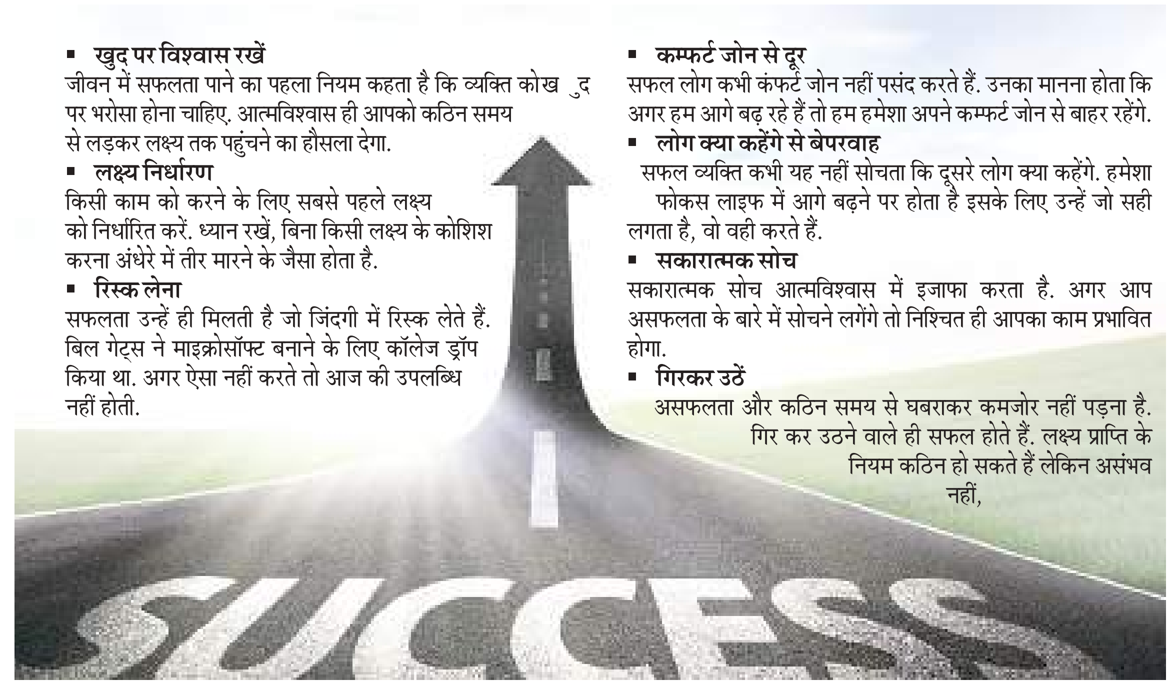

रमता जोगी : नियाग्रा फाल्स

जब धरती पर उतरा नजर आया इन्द्रधनुष

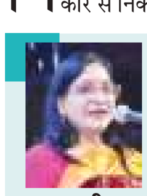

कल्याणी झा

नियाग्रा फॉल्स स्टेट पार्क जाने के लिए हम अपनी कार से निकले. इंडियाना से सात से आठ घंटे में हम वहां पहुंच गए थे. हम ऐसे समय में पहुंचना चाह रहे थे जब शाम और रात दोनों समय की सुंदरता का आनंद ले सके. पार्किंग में जाने से पहले ही दूर से कल-कल करती हुई नदी दिखाई दे रही थी. बहुत दूर ऊंचाई से गिरता हुआ पानी का धुआं सूर्यास्त की लालिमा को अपने में समेटे नारंगी रंग का बेहद खूबसूरत दिख रहा था.

कार पार्क करने के बाद किनारे बनी रेलिंग पर चलते हुए, कुछ-कुछ दूरी पर रुक कर व्यूज देख रहे थे. धीरे-धीरे हम नीचे ढलान पर उतरते गए. जैसे-जैसे हम नजदीक आ रहे थे, व्यूज़ उतना ही रोमांचक लग रहा था. ऊंचाई से गिरता हुआ नदी का पानी और वेग से उठता हुआ धुआं प्रकृति की अप्रतिम संरचना सबका मन मोह रही थी. पूरे वेग से गिरता हुआ पानी बहते हुए आगे जाकर एकदम शांत बहुत धीमी चाल में बह रहा था.

बेटे ने हाथ के इशारे से दिखाते हुए कहा – "उस तरफ कसीनो और होटल दिख रहा है, वह कनाडा है और इस तरफ जहां हम खड़े हैं यह अमेरिका है." लाइट जलते ही पानी कई रंगों में अपनी छटा बिखेरने लगा. हम रेलिंग से ऊपर चढ़ते-चढ़ते आगे बढ़ते हुए रोशनी की सजावट को निहार रहे थे. शाम को यह सी ग्रीन और दूधिया रंग में रंगा जलप्रपात अब नीला, लाल, हरा, गुलाबी कई रंगों से सराबोर रंग-बिरंगा लग रहा था.

रात बिताने के लिए बफेलो शहर का होटल पहले से ही बुक था. दूसरे दिन सुबह नाश्ता करके हम फिर होटल से निकल कर स्टेट पार्क एरिया के पार्किंग में खड़े थे. आज बहू की बहन और बेटा का एक दोस्त भी कनाडा से हमारे साथ घूमने आए जिनके साथ पहले हम नदी के किनारे चलते-चलते वहीं पहुंच गए जहां कल शाम इस अद्भुत जलप्रपात का दीदार कर के गए थे. आज यहां का नजारा एकदम अलग था. ऊपर उठता हुआ धुआं रेलिंग की तरफ पानी का फव्वारा फेंक रहा था. सभी एक साथ ऊपर की तरफ भागे. इस भागदौड़ में हमें बहुत आनंद आया. कुछ पर्यटक छाता खोलकर खड़े थे तो कुछ रेनकोट पहने थे. यहां अचानक काले-काले बादल छा जाते और ऐसा लगता कि घनघोर बारिश होगी, पर फिर बादल छंट जाते. आज बादलों के छंटते ही नीचे नदी पर दो अर्धगोलाकार इन्द्रधनुष बन गए. धरती पर इंद्रधनुष हमने पहले कभी नहीं देखा था. हम नदी किनारे साथ चलते हुए एक खूबसूरत पॉइंट पर पहुंचे जहां बैठने के लकड़ी के बेंच बने हुए थे. रंग -बिरंगे फूल खिले थे. वहां बैठकर हमने अपनी-अपनी मनपसंद फ्लेवर की आइसक्रीम खाई.

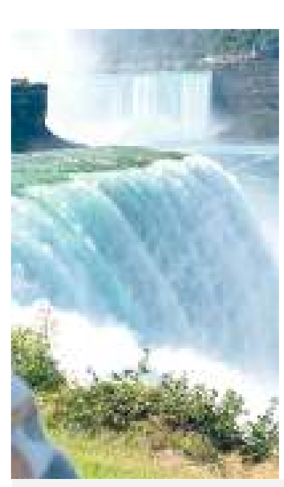

नियाग्रा जलप्रपात संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा की सीमा पर स्थित एक जलप्रपात है. कनाडा के ओंटारियो और अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य की अंतर्राष्ट्रीय सीमा स्थित नियाग्रा नदी पर बना है. यह जलप्रपात न्यूयॉर्क के बफेलो से 27 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम और कनाडा के टोरंटो (ओंटारियो)से 120 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित है. नियाग्रा जलप्रपात तीन अन्य जलप्रपातों से मिलकर बना है जिसमें से सबसे बड़ा हार्सशू फॉल्स लगभग 790 मीटर चौड़ा है, जबकि एक अन्य अमेरिकन फॉल्स 320 मीटर चौड़ा है. नियाग्रा के शिखर से प्रति सेकंड 700,000 गैलन से अधिक पानी गिरता है. रात में नियाग्रा फॉल्स कलरफुल दिखाई देता है.

मेड ऑफ मिस्ट और ब्लू, पिंक रेनकोट

नियाग्रा फॉल्स का सबसे रोमांचक सफर 'मेड ऑफ़ मिस्ट' के लिए ऑब्जर्वेशन पुल पर गए. बहुत ऊंचाई पर होने के कारण यहां से जलप्रपात के सभी बिंदु दिखाई दे रहे थे. अर्ध्यगोलाकार रेलिंग के पास खड़े पर्यटक बौने दिख रहे थे. आब्जर्वेशन से हमने देखा कि अमेरिका के पर्यटक नीले रंग के रेनकोट में और कनाडा के पर्यटक गुलाबी रंग के रेनकोट में अलग-अलग नाव पर सवार हैं. वहां लिफ्ट से हम नीचे आए. लंबी लाइन के पीछे खड़े हो गए. हमें नीले रंग का रेनकोट को दिया गया. धीरे-धीरे आगे बढ़ते हुए नाव पर चढ़ गए. नाव आगे बढ़ती जा रही थी. सामने से लौट रहे पर्यटक हाथ हिलाकर अपनी खुशी प्रकट कर रहे थे. हम जलप्रपात के बहुत करीब आ गए थे. हमारे चारों ओर धुंध ही धुंध था. पानी की मोटी-मोटी बूंदें हमें भिगो रही थी. भीगते हुए भी मेरे साथ कई पर्यटकों ने मोबाइल से वीडियो लेना बदस्तूर जारी रखा था. अब मोबाइल हमने अंदर रख लिया, क्योंकि जलप्रताप का शोर और लोगों की रोमांच से भरी आवाज़ मिलकर 700,000 गैलन पानी के गिरने की गर्जना और भयावता को महसूस करने की बारी थी. सचमुच यह कुदरत का करिश्मा है. इस करिश्माई सफर से बाहर निकलते ही रंग-बिरंगे फूलों की सजावट ने मंत्रमुग्ध कर दिया. यहां छोटी-छोटी स्नैक्स की दुकानें, हरे-भरे पेड़-पौधे, बैठने के लिए बेंच साफ-सुथरा रेस्ट रूम था.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

माही ने केक काटकर मनाया 43वां बर्थडे, साक्षी और सलमान खान रहे मौजूद

जन्मदिन पर केक काटते महेंद्र सिंह धौनी.

संवाददाता। मुंबई/रांची

रांची के राजकुमार महेंद्र सिंह धौनी ने अपना 43वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया. इस खास मौके पर उन्होंने देर रात केक काटकर अपना बर्थडे सेलिब्रेट किया. इस दौरान माही की पत्नी साक्षी सिंह और बॉलीवुड के दबंग सलमान खान मौजूद रहे. साक्षी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर केक कटिंग का वीडियो शेयर किया है. वीडियो में माही केक कटिंग करते नजर आ रहे हैं. वहीं साक्षी बगल में खड़ी दिख रही है. धौनी ने केक काटकर अपनी पत्नी को खिलाया और साक्षी ने भी अपने पति को केक खिलाया. केक कटिंग के दौरान साक्षी ने एमएस धौनी के पैर छुए. यह नजारा फैंस के दिलों में घर कर गया.

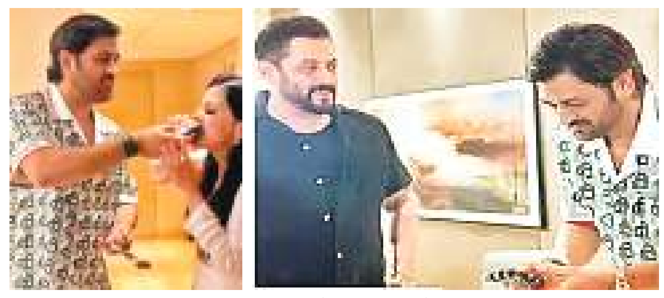
पत्नी साक्षी को केक खिलाते महेंद्र सिंह धौनी. साथ में हैं एक्टर सलमान खान.

सलमान ने कैप्टन साहब को बर्थडे विश किया

सलमान खान ने भी अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर महेंद्र सिंह धौनी के साथ फोटो शेयर कर जन्मदिन की बधाई दी है. सलमान ने फोटो के साथ कैप्शन में लिखा कि हैप्पी बर्थडे कैप्टन साहब. इसके अलावा गौतम गंभीर, इरफान पठान, डीजे ब्रॉवो, नासिर हुसैन सहित अन्य खिलाड़ियों ने धौनी को जन्मदिन की बधाई दी. बता दें कि धोनी अभी मुंबई में अनंत अंबानी की शादी में शामिल होने गये हैं. वहीं उन्होंने अपने जन्मदिन का केक भी काटा.

धौनी के घर के बाहर फैंस ने मनाया कैप्टन कूल का जन्मदिन

रांची। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कैप्टन कूल महेंद्र सिंह धौनी ने रविवार को अपना 43वां जन्मदिन मनाया. इस खास मौके पर देशभर में उनके प्रशंसक उनका बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं. राजधानी रांची में भी फैंस ने माही का जन्मदिन धूमधाम से मनाया. धौनी के फैंस ने सिमलिया स्थित धोनी के घर के बाहर केक काटा और कट आउट पोस्टर पर उनको केक खिलाया. धौनी के फैंस सुबोध कुशवाहा और कुश्माही एकेडमी के कोच बच्चों के साथ पहुंचे थे. उन्होंने कहा कि आज माही का 43वां जन्मदिन है. उनके जन्मदिन पर हम कामना करते हैं कि वह हमेशा खुश रहें और आगे भी क्रिकेट खेलते रहे. वहीं अहमदाबाद से आये एक फैन ने कहा कि वह सिर्फ धौनी को देखने और उनके जन्मदिन मनाने अहमदाबाद से रांची आये हैं. लेकिन उन्हें अफसोस है कि धौनी से मुलाकात नहीं हो पाएगी. हालांकि उन्होंने उम्मीद जतायी कि इस बार नहीं तो अगली बार जरूर उनसे मुलाकात होगी.

धौनी के जन्मदिन पर केक काटते उनके फैंस.

ब्रीफ खबरें

कनाडा ओपन के सेफा में हारे राजावत

कैलगेरी। प्रियांशु राजावत को यहां पुरुष एकल सेमीफाइनल में फ्रांस के एलेक्स लेनियर के खिलाफ सीधे गेम मे हार का सामना करना पड़ा जिससे कनाडा ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत का अभियान खत्म हो गया. दुनिया के 39वें नंबर के खिलाड़ी राजावत को दुनिया के 37वें नंबर के खिलाड़ी लेनियर के खिलाफ 45 मिनट में 17-21 10-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी. राजावत ने इससे पहले दोनों खिलाड़ियों के बीच एकमात्र मुकाबले में मैड्रिड स्पेन मास्टर्स के क्वालीफिकेशन में लेनियर को हराया था.

भारत में रग्बी को आगे बढ़ाना है : सेरेवी

मुंबई। फिजी के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी और अब भारत के कोच वेसाले सेरेवी ने देश में रग्बी को लेकर जागरूकता पैदा करने को अपना पहला लक्ष्य बनाया है. हॉल ऑफ फेम में शामिल 56 साल के सेरेवी को भारत की पुरुष और महिला सेवेन्स रग्बी टीम का मुख्य कोच बनाया गया है. सेरेवी ने पीटीआई से विशेष बातचीत के दौरान कहा, मैं सामान्यतः दुनिया के इस हिस्से में, एशिया में, रग्बी पर ध्यान नहीं देता. लेकिन मैंने दुनिया के इस हिस्से में टीमों को रग्बी खेलते हुए देखा है. हम रग्बी के बारे में जागरूकता लाने की कोशिश कर रहे हैं.

दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में पांच मैच की क्रिकेट शृंखला 1-1 से बराबर की

भारत ने जिंबाब्वे को 100 रन से हराया

एजेंसी। हरारे

अभिषेक शर्मा का धुआंधार शतक

- अभिषेक शर्मा ने 46 गेंदों में जड़ा आतिशी शतक
- रिंकू सिंह व गायकवाड़ ने लगाया अर्धशतक

स्कोर बोर्ड

भारत	: 234/2
जिंबाब्वे	: 134/10

जिंबाब्वे के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में मिली अप्रत्याशित हार के एक दिन बाद ही उसी मैदान पर युवा टीम इंडिया की प्रचंड बल्लेबाजी देखने को मिली. उछाल वाली पिच पर एक समय भारत का स्कोर 10 ओवर में 74 रन था. इसके बाद अभिषेक शर्मा ने गियर बदला और फिर रिंकू सिंह का भी तूफान देखने को मिला. इससे टीम ने 2 विकेट पर 234 रन ठोक दिए. जवाब में जिंबाब्वे के विकेट गिरने का सिलसिला पहले ही ओवर में शुरू हो गया. टीम की पारी 19 वें ओवर में 134 रनों पर सिमट गयी. भारत की इस जीत के साथ ही सीरीज 1-1 से बराबर हो गयी है.

खराब शुरुआत के बाद विस्फोटक बैटिंग : भारत ने इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और टीम इंडिया की शुरुआत एक बार फिर से खराब रही. कप्तान शुभमन गिल ब्लेसिंग मुजारबानी की गेंद पर महज दो रन बनाकर आउट हो गए. पावरप्ले में भारत का स्कोर 36 रन ही था. लेकिन इसके बाद बाएं हाथ के तूफानी ओपनर अभिषेक शर्मा और ऋतुराज गायकवाड़ ने तेज बल्लेबाजी करके खूब रन बटोरे और मेजबान टीम के गेंदबाजों को असहाय कर दिया. इस दौरान अभिषेक शर्मा ने अपना पहला इंटरनेशनल शतक पूरा किया. उन्होंने 47 गेंदों पर 100 रनों की पारी खेली और वेलिंग्टन मसाकाद्जा की गेंद पर आउट हुए. अभिषेक शर्मा ने अपनी विध्वंसक पारी में सात चौके और आठ छक्के लगाए. ऋतुराज गायकवाड़ ने अंत तक नाबाद रहते हुए 47 गेंदों पर 77 रनों की पारी खेली. भारतीय उपकप्तान ने 11 चौके और एक छक्का लगाया. इसके अलावा रिंकू सिंह ने एक बार फिर जबरदस्त फिनिशिंग करते हुए महज 22 गेंदों पर पांच छक्के लगाकर नाबाद 48 रन बनाए.

नहीं चले जिंबाब्वे के बल्लेबाज : पहले ही ओवर में जिंबाब्वे के विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हो गिया. मुकेश कुमार ने इनोसेंट काइया को बोल्ड किया. लेकिन फिर ब्रायन बेनेट ने तेजी से रन बनाए. तीन ओवर में जिंबाब्वे ने 40 रन बना लिए थे लेकिन फिर मुकेश ने नौ गेंद पर 26 रन बनाने वाले ब्रायन को बोल्ड कर दिया. इसके बाद जिंबाब्वे के विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हो गया. चौथे ओवर में आवेश खान दो विकेट लिए. उन्होंने डिओन माइयर्स और कप्तान सिकंदर रजा को आउट किया. वेस्ली मधेवेरे ने जिम्बाब्वे के लिए सबसे बड़ी 43 रनों की पारी खेली लेकिन उन्होंने 39 गेंदों का सामना किया. निचले क्रम में ल्यूक जोंग्वे ने 33 रनों का योगदान दिया. जिंबाब्वे की पारी 19वें ओवर में 134 रनों पर सिमट गई. भारत के लिए मुकेश कुमार और आवेशन खान ने 3-3 विकेट लिए. रवि बिश्नोई के 4 ओवर में सिर्फ 11 रन बने. उन्होंने दो विकेट लिए.

हैट्रिक सिक्स के साथ शतक पूरा किया शतक

हरारे। पांच टी20 मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले में अभिषेक शर्मा ने जिम्बाब्वे के खिलाफ धमाकेदार बैटिंग करते हुए कमाल कर दिया. डेब्यू मैच में शून्य पर आउट होने वाले अभिषेक शर्मा ने अपने दूसरे ही मैच में अपनी सारी कसर निकाल ली और सिर्फ 46 गेंद में सेंचुरी ठोक कर कई बड़े रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिए. इस तरह अभिषेक ने यह बता दिया कि टीम इंडिया के लिए उनकी उड़ान अब काफी लंबी होने वाली है. जिम्बाब्वे दौरे पर पहली बार टीम इंडिया में जगह पाने वाले अभिषेक शर्मा अपने डेब्यू मैच में खाता नहीं खोल पाए थे. इस कारण उनकी खूब आलोचना भी हो रही थी.

रोहित की कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी डब्ल्यूटीसी फाइनल जीतेंगे : शाह

भाषा। नयी दिल्ली

बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने रविवार को कहा कि टी20 विश्व चैंपियन टीम के कप्तान रोहित शर्मा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट में भारत की अगुआई जारी रखेंगे. उन्होंने साथ ही भरोसा जताया कि भारत उनकी कप्तानी में अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) जीतेगा. कपिल देव और महेंद्र सिंह धोनी के बाद आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाले तीसरे भारतीय कप्तान बने रोहित ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है.

शाह ने एक वीडियो संदेश में कहा, अगला चरण डब्ल्यूटीसी फाइनल और चैंपियंस ट्रॉफी है. मुझे रोहित शर्मा की कप्तानी पर पूरा भरोसा है कि हम इन दोनों टूर्नामेंट में चैंपियन बनेंगे. अगले साल पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन आठ साल बाद (ब्रिटेन में 2017 के बाद से) किया जाएगा. इस टूर्नामेंट के कार्यक्रम का मसौदा आईसीसी को सौंपा जा चुका है लेकिन बीसीसीआई ने अब तक इसे हरी झंडी नहीं दी है.

जय शाह के इस संदेश ने इन अटकलों पर विराम लग गया है कि क्या रोहित अन्य प्रारूपों में कप्तान की भूमिका छोड़ेंगे? रोहित जब तक कप्तानी नहीं छोड़ते, तब तक भारत को एक बार फिर अलग-अलग प्रारूपों में दो कप्तान देखने को मिलेंगे. रोहित एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट में अगुआई करते रहेंगे.

एल्ड्रिन- अंकिता ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया

भाषा। नयी दिल्ली

लंबी कूद के एथलीट जेस्विन एल्ड्रिन और 5000 मीटर धावक अंकिता ध्यानी ने रविवार को विश्व रैंकिंग कोटे के जरिये पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया, जिससे भारतीय एथलेटिक्स टीम में सदस्यों की संख्या बढ़कर 30 हो गयी. लंबी कूद के राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी एल्ड्रिन और अंकिता का नाम विश्व एथलेटिक्स द्वारा प्रकाशित नवीनतम सूची में शामिल है. राष्ट्रीय महासंघों ने अंतरराष्ट्रीय संस्था को अपने उन एथलीटों के बारे में सूचित किया, जो कट बनाने के बावजूद विभिन्न कारणों से पेरिस में प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे. इसी तरह का उदाहरण भारत के शीर्ष लंबी कूद के एथलीट एम श्रीशंकर का है.

अभय ने एशियाई डबल्स स्क्वाश चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीते

भाषा। जोहोर (मलेशिया)

प्रतिभाशाली स्क्वाश खिलाड़ी अभय सिंह ने रविवार को यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई डबल्स स्क्वाश चैंपियनशिप में दोहरे खिताब हासिल किये. एशियाई खेलों में टीम चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता अभय ने वेलावन सेंथिलकुमार के साथ मिलकर पुरुष युगल खिताब जीता. इसके बाद अभय ने अनुभवी जोशना चिनप्पा के साथ मिलकर मिश्रित युगल फाइनल में फतह हासिल की. अभय और वेलावन की शीर्ष वरीय जोड़ी ने पुरुष युगल फाइनल में मलेशिया के ओंग साई हुंग और सियाफिक कमाल की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को 11-4, 11-5 से शिकस्त दी. इसके बाद अभय और जोशना की तीसरी वरीय जोड़ी ने टोंग सेज विंग और टांग मिंग होंग की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को मिश्रित युगल फाइनल में 11-8, 10-11, 11-5 से हराया. वेलावन ने एक विज्ञप्ति में कहा, मैं अभय के लिए बहुत खुश हूं जिन्होंने इस हफ्ते इतना शानदार प्रदर्शन किया. हमें पूरा भरोसा था और हम बेहतर होते रहे. इस साल पद्मश्री पुरस्कार पाने वाली जोशना ने कहा, भारत के लिए फिर से खेलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि मैं घुटने की सर्जरी के कारण पिछले पांच महीनों से खेल से दूर थी. युगल से वापसी करना अच्छा मौका था ताकि मैं पीएसए टूर पर वापसी कर सकूं.

भारत सरकार द्रविड़ को भारत रत्न से सम्मानित करे : गावस्कर

एजेंसी। मुंबई

महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने राहुल द्रविड़ को सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देने की मांग की है. द्रविड़ का कोच के रूप में कार्यकाल टी20 विश्व कप फाइनल के बाद समाप्त हो गया था. द्रविड़ ने कार्यकाल टीम को टी20 विश्व कप का चैंपियन बनाने के साथ खत्म किया. द्रविड़ के कोच रहते भारत ने कई उपलब्धियां हासिल की जिसमे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) और वनडे विश्व कप 2023 का उपविजेता बनना शामिल है. इसके अलावा द्रविड़ के नेतृत्व में टीम ने एशिया कप का खिताब भी जीता था. गावस्कर ने कहा, यह उचित होगा यदि भारत सरकार द्रविड़ को भारत रत्न से सम्मानित करे, क्योंकि वे वास्तव में यही हैं. एक महान खिलाड़ी और कप्तान जिसने वेस्टइंडीज में सीरीज जीती और इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने वाले तीसरे भारतीय कप्तान बने थे. एनसीए के अध्यक्ष के तौर पर उन्होंने युवा प्रतिभाओं को तराशा और फिर सीनियर भारतीय टीम के कोच बने। साल की शुरुआत में कुछ लोगों को भारत रत्न मिला था जिन्होंने समाज में महत्वपूर्ण योगदान दिया था. यहां तक कि उनके सबसे प्रबल समर्थक भी इस बात से सहमत होंगे कि उनका प्रभाव ज्यादातर उनकी पार्टी और देश के उस हिस्से तक ही सीमित था, जहां से वे आए थे.

उन्होंने कहा, द्रविड़ की उपलब्धि ऐसी है जिसने पूरे देश को खुशी दी है. निश्चित रूप से द्रविड़ देश के सर्वोच्च सम्मान के पात्र हैं.

विंबलडन 2024

जोकोविच ने प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, ईगा स्वियातेक हारीं

एजेंसी। लंदन

सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच ने पहला सेट गंवाने के बाद वापसी करते हुए एलेक्सेई पोपिरिन को चार सेट में हराकर विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी, जबकि महिला एकल में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी ईगा स्वियातेक को शिकस्त का सामना करना पड़ा. दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के जोकोविच ने पोपिरिन को 4-6, 6-3, 6-4, 7-6 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया. दूसरी तरफ स्वियातेक को पहला सेट जीतने के बावजूद तीसरे दौर के मुकाबले में गैर वरीय यूलिया पुतिंत्सेवा ने 3-6, 6-1, 6-2 से हराया. इसके साथ ही स्वियातेक का लगातार 21 मैच में जीत का अभियान भी थम गया.

पांच बार की ग्रैंडस्लैम विजेता स्वियातेक को विंबलडन का ग्रास कोर्ट काफी रास नहीं आता है. 2022 में भी एलिज कोर्नेट ने तीसरे दौर में उन्हें हराकर उनके लगातार 37 मैच के विजयी अभियान पर रोक लगायी थी. पुतिंत्सेवा अगले दौर में 2017 फ्रेंच ओपन चैंपियन और 13वीं वरीय येलेना ओस्टापेंका से भिड़ेंगी. महिला एकल में ही 21वीं वरीय एलेना स्वितोलिना ने 10वें नंबर की ओन्स जेब्युर को 6-1, 7-6 से हराया. पुरुष एकल में चौथे वरीय एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने कैमरन नोरी को सीधे सेट में 6-4, 6-4, 7-6 से शिकस्त दी. अमेरिका के 14वें वरीय बेन शेल्टन ने शुक्रवार को स्थगित किए गए मुकाबले में डेनिस शापोवालोव को 6-7, 6-2, 6-4, 4-6, 6-2 से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी.

यूरो 2024 — पेनल्टी शूटआउट में इंग्लैंड ने 5-3 से जीत दर्ज की

स्विट्जरलैंड को हराकर इंग्लैंड सेमीफाइनल में

एजेंसी। डसेलडोर्फ (जर्मनी)

स्विट्जलैंड को हराने के बाद खुशियां मनाते इंग्लैंड के खिलाड़ी .

इंग्लैंड ने पेनल्टी शूटआउट में स्विट्जरलैंड को हराकर यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2024) के सेमीफाइनल में प्रवेश किया. अतिरिक्त समय के बाद भी मुकाबला 1-1 से बराबर रहने के बाद इंग्लैंड ने शूटआउट में 5-3 से जीत दर्ज की. ट्रेंट एलेक्जेंडर-आर्नोल्ड ने जैसे ही इंग्लैंड की ओर से पांचवीं और अंतिम पेनल्टी किक को गोल में पहुंचाया तो टीम के खिलाड़ी और प्रशंसक खुशी से झूम उठे. वर्ष 2021 में यूरो के फाइनल में बुकायो साका की पेनल्टी किक बचाए जाने के कारण इंग्लैंड को हार का सामना करना पड़ा था. इससे पहले उन्होंने 80वें मिनट में गोल दागकर मुकाबले को अतिरिक्त समय में खींचा था. एलेक्जेंडर-आर्नोल्ड और साका के अलावा पेनल्टी शूट आउट में इंग्लैंड के लिए कोल पाल्मर, ज्यूड बेलिंघम और इवान टोनी ने भी गोल किए. इंग्लैंड अब फाइनल में जगह बनाने के लिए बुधवार को डोर्टमंड में नीदरलैंड से भिड़ेगा. स्विट्जरलैंड की टीम कभी किसी बड़े टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में नहीं पहुंची है. तीन साल पहले स्पेन

तुर्की को हराकर नीदरलैंड भी सेमीफाइनल में पहुंचा

नीदरलैंड ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए क्वार्टर फाइनल में तुर्की को 2-1 से हराकर यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2024) के सेमीफाइनल में जगह बनायी. तुर्की को 35वें मिनट में सामेत अकेदिन ने बढ़त बनायी, जिसके बाद स्टीफन डि व्रिज ने 70वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया. डि व्रिज के गोल के छह मिनट बाद मर्ट मुल्दुर ने आत्मघाती गोल दागा. जिससे नीदरलैंड ने 2-1 की बढ़त बना ली जो अंत में निर्णायक साबित हुई.

कोपा कप 2024 — सेमीफाइनल में पहुंची उरूग्वे की टीम

उरूग्वे ने पेनल्टी शूटआउट में ब्राजील को हराया

एजेंसी। लास वेगास

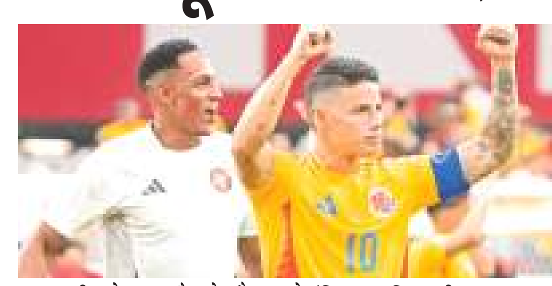
पनामा टीम के साथ मैच के दौरान कोलंबिया का खिलाड़ी .

मैनुएल उगार्ते ने पांचवीं और अंतिम पेनल्टी किक पर गोल दागा, जिससे उरूग्वे ने ब्राजील को 4-2 से हराकर कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह सुनिश्चित की. दोनों ही टीमें निर्धारित समय और फिर अतिरिक्त समय में भी गोल करने में नाकाम रहीं. इस मुकाबले में 41 फाउल हुए जो टूर्नामेंट के किसी मुकाबले में सर्वाधिक हैं. इस दौरान सिर्फ चार शॉट ही गोल की तरफ मारे गए. उरूग्वे के नाहिटन नांदेज को रोड्रिगो के खिलाफ खतरनाक टैकल के लिए 74वें मिनट में लाल कार्ड दिखाकर बाहर किया गया, लेकिन ब्राजील की टीम विरोधी टीम के 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने का फायदा नहीं उठा सकी. शूटआउट में गोलकीपर सर्जियो रोशेट ने एडेर मिलिताओ का शॉट रोका, जबकि डगलस लुई की पेनल्टी किक गोल पोस्ट से टकराई जिससे उरूग्वे ने 3-1 की बढ़त दिलायी. गोलकीपर एलिसन बेकर ने चौथे प्रयास में उरूग्वे के जोस मारिया गिमिनेज की पेनल्टी किक रोककर ब्राजील को मुकाबले में बनाए रखा था.

पनामा को 5-0 से रौंदकर कोलंबिया सेमीफाइनल में

ग्लेनडेल (एरिजोना)। कोलंबिया ने दबदबा बनाते हुए कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पनामा को 5-0 से रौंदकर सेमीफाइनल में जगह बनायी. इस जीत के साथ कोलंबिया ने अपने अजेय अभियान को 27 मैच तक पहुंचा दिया. जॉन कोरडोवा ने आठवें मिनट में जेम्स रोड्रिग्ज की कॉर्नर किक पर हैडर से गोल दागकर कोलंबिया को 1-0 की बढ़त दिलायी. रोड्रिग्ज ने 10 मिनट के भीतर पेनल्टी किक पर एक और गोल दागकर अपनी टीम को आगे किया.

ब्रीफ खबरें

गिरफ्तार शख्स की इलाज के दौरान हुई मौत

गया । गया जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के पंचायती अखाड़ा 7 नंबर बाके गली में मोहल्ले के प्रवीण खातून के घर चोरी की नीयत से 5 जुलाई की देर रात इसी मोहल्ले का मोहम्मद शहजादा घुस गया था. घर में हलचल होने पर गृह स्वामी ने चोर मोहम्मद शहजादा को रंगे हाथ पकड़ लिया. दूसरे दिन सुबह होने पर लिखित आवेदन देकर चोर शहजादा को पुलिस के हवाले कर दिया गया. सिटी एसपी प्रेरणा कुमार ने बताया कि पुलिस के हिरासत में मोहम्मद शहजादा ने पेट में दर्द की शिकायत बताई.

दलित युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी

पटना । बिहार में अपराधी बेलगाम हो गए है. राज्य में एक के बाद एक आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं. ताजा मामला गौरीचक थाना क्षेत्र का है, जहां एक दलित की पीट पीटकर कर हत्या दी गयी है. बताया जा रहा है कि गोपालपुर के रहने वाले वीरेंद्र दास की पीटकर हत्या कर दी गयी है. हालांकि जब परिजनों को इसकी जानकारी हाथ लगी तो वो घटनास्थल पर पहुंच गए. हादसे के बाद से परिजनों में कोहराम मच गया है. घटनास्थल पर पुलिस पहुंच मामले की जांच कर रही है. वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है.

चिराग पासवान मिले सीएम नीतीश कुमार से

पटना । केंद्रीय मंत्री और लोजपा रामविलास के प्रमुख चिराग पासवान ने रविवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की. उन्होंने सीएम नीतीश कुमार से मिलकर बिहार में चल रहे विकास कार्यों पर चर्चा की. चिराग सरकारी नौकरी के मुद्दे पर भी मुख्यमंत्री से चर्चा की और आगामी नियुक्ति को लेकर किन किन विभागों में काम चल रहा है इसकी जानकारी ली. नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री बनने के बाद चिराग की सीएम नीतीश कुमार से यह पहली मुलाकात है. पासवान ने रविवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सीएम से मुलाकात की तस्वीरें साझा की हैं. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से उनके आवास पर भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया.

लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जिले की नदियां उफान पर

गांवों में घुसा पानी, भय का माहौल

संवाददाता । अररिया

लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और नेपाल के जल अधिग्रहण क्षेत्र से छोड़े जा रहे पानी के कारण जिले की नदियां उफान पर है. जिले में बहने वाली परमान, बकरा, नूना, सिंधिया, घाघी, रतुआ, सुरसर आदि नदी और धार पानी से लबालब हो गया है. वहीं नदियों में अचानक आए पानी से नदियां उफान पर है. फलस्वरूप नदी से सटे निचले इलाकों में नदी का पानी फैलने लगा है. कई गांवों में नदी का फैल चुका है जिससे गांव के लोग भय के साये में जीने को विवश है.सबसे ज्यादा उफान पर नूना नदी है. फलस्वरूप सिकटी प्रखंड के सालगुड़ी, कचना, बांसबाड़ी, सिघिया, साहू टोला, पड़रिया, ओलाबाड़ी, दहगामा आदि इलाकों में नदी का पानी फैल गया है.

परमान नदी के कारण जोगबनी नगर परिषद क्षेत्र के कई वार्ड, अमौना, कुसमाहा, पिपरा, कलुआ, बैजनाथपुर, अम्हारा, घोड़ाघाट, रमई, गुरमही, खवासपुर आदि के गांव के निचले इलाकों में नदी का पानी फैल गया है. कई स्थानों पर पानी सड़क के ऊपर से बह रहा है. वहीं कुर्साकांटा प्रखंड के सौरगांव, रहटमीना,लक्ष्मीपुर,जागीर परासी, सिकटिया आदि पंचायतों में भी नदी का पानी लोगों के घरों और आंगन में प्रवेश कर गया है, जिससे लोगों को आवाजाही में भी परेशानी हो रही है. वहीं सैकड़ों एकड़ खेत में लगे फसल पौधे भी डूब गए हैं.

24 घंटे में ठनका गिरने से 10 लोगों की हुई मौत

पटना । पिछले 24 घंटे में वज्रपात से नौ जिलों में 10 लोगों की मौत हो गई . बिहार आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार नालन्दा में 02, वैशाली में 01, भागलपुर में 01, सहरसा में 01, रोहतास में 01, सारण में 01, जमुई में 01, भोजपुर में 01 एवं गोपालगंज में 01 व्यक्ति की मौत हुई है . मुख्यमंत्री ने वज्रपात से मौतों पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है . मुख्यमंत्री ने रविवार को ही मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपये अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिये हैं .

रोहतास के कुराईच नहर में डूबीं तीन छात्राओं का शव 16 घंटे बाद बरामद, एक अभी भी लापता

सासाराम । रोहतास जिला के सासाराम मुफ्फसिल थाना अंतर्गत लालगंज कुराईच नहर में धुवां गांव के पास नहर में डूबी चार छात्राओं में से तीन का शव रविवार 7 जून को बरामद कर लिया गया, जबकि चौथी छात्रा की खोज जारी है. एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंच कर खोज कर रही है. शनिवार को स्कूल से वापस आने के क्रम में नहर में पैर धोने गई छात्राएं तेज बहाव में बह गई थी, जिनमें से तीन का शव लगभग 16 घंटे बाद बरामद किया गया है.

खोले गए बैराज के सभी 56 फाटक

सुपौल । सुपौल कोसी नदी के जल अधिग्रहण क्षेत्र में जारी मानसूनी बारिश ने नदी के जलस्तर को अप्रत्याशित रूप से बढ़ा दिया है. रविवार को बराह क्षेत्र में जल प्रवाह 2,27,300 क्यूसेक तक पहुंच गया और कोसी बराज पर 3,68,680 क्यूसेक हो गया, जिससे कोसी बराज के सभी 56 फाटकों को उठाकर पानी को सीधे डाउनस्ट्रीम में भेजा जा रहा है. यह घटना 2024 की घोषित बाढ़ अवधि के 37वें दिन हुई, जब कोसी बराज के सभी गेट खोले गए. इससे पहले, 14 और 25 अगस्त 2023 को भी सभी गेट खोले गए थे.

रक्सौल शहर के कई मुहल्ले हुए जलमग्न

पूर्वी चंपारण । नेपाल में लगातार हो रही बारिश से बूढ़ी गंडक की सहायक पहाड़ी नदिया उफान पर है . तिलावे, बंगरी सरिसवा, दुधौरा समेत करीब दर्जन भर नदियों के जलस्तर में बेतहाशा वृद्धि दर्ज की जा रही है . जलग्रहण क्षेत्र में बारिश से पहाड़ से ढलकर पानी अब धीरे-धीरे भारत के मैदानी क्षेत्रों की ओर बढ़ रही है . हालांकि बूढ़ी गंडक लालबेगिया घाट पर निर्धारित खतरे के निशान 63 .195 मीटर से नीचे यानी 59 .80 मीटर पर बह रही है .

जदयू विधायक गोपाल मंडल का दावा

बिहार में नीतीश के बिना भाजपा का कोई स्थान नहीं

संवाददाता । भागलपुर

बिहार में एनडीए में सब कुछ ठीक नहीं दिख रहा है. गोपालपुर के जदयू विधायक गोपाल मंडल की बातों से कुछ ऐसा ही प्रतीत होता है. बीते दिनों पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्वनी चौबे ने 2025 में बिहार में एनडीए में भाजपा के चेहरा के नेतृत्व में चुनाव लड़ने की बात कही थी. इसको लेकर जदयू विधायक गोपाल मंडल ने अश्विनी चौबे और गिरिराज सिंह पर टिप्पणी की है.

गोपाल मंडल ने कहा कि अश्वनी चौबे क्या हैं. बिहार में भाजपा का स्थान कहां है, पहचान कहां है. ऐसे ही चौबे जी बकबक करते हैं. उनका दिमाग घसक गया है. वो टिक वाला है गिरिराज सिंह वह भी बकबक करते हैं. नीतीश कुमार के नेतृत्व में लोकसभा चुनाव लड़ा तो फूल बहुमत आया.

उन्होंने कहा कि अश्विनी चौबे राज्यपाल बने, कुछ बने जहां का बनेगा वहीं बर्बाद कर देगा. भाजपा नीतीश को साइड करके कहां जाएगी. अगर दम था तो क्यों नहीं अकेले चुनाव लड़े. इन लोगों को बकबक करने की आदत है. नीतीश कुमार को कहता है पलटू दादा नीतीश कुमार बैठे रहते हैं. कभी राजद आ गया सट जाओ कभी भाजपा आ गया तो सट जाओ. वहीं उन्होंने कहा कि 2025 में राजद नहीं सटेगा.

समस्तीपुर में महिला का युवक पर एसिड अटैक, हालत नाजुक

संवाददाता । समस्तीपुर

समस्तीपुर के पूसा थाना क्षेत्र के एक सरकारी विद्यालय में कार्यरत युवक पर एसिड फेंकने का मामला रविवार को प्रकाश में आया है. पुलिस ने झुलसे हालत में युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया है. युवक की पहचान महमदा गांव निवासी महेश पोद्दार के पुत्र राजकुमार पोद्दार (38 वर्ष) के रूप में हुई है.

अस्पताल में भर्ती के बाद जख्मी युवक ने बताया कि वह एक सरकारी स्कूल में काम करता है. जहां शनिवार की रात में मीरा मैडम ने उस पर एसिड फेंका है. जिसमें वह बुरी तरह से झुलस गया. हालांकि घटना कहां हुई और कब हुई? इसके बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है. युवक भी घटनास्थल के बारे में कुछ स्पष्ट नहीं बोल पा रहा है. वहीं, घटना की सूचना मिलने के बाद पूसा थाना की पुलिस भी दलबल के साथ सदर अस्पताल के लिए निकल गई. युवक का शरीर लगभग 75 प्रतिशत झुलस गया है. इस वजह से फिलहाल उसकी हालत गंभीर बनी हुई है. जबकि अस्पताल में मौजूद चिकित्सक उसका इलाज कर रहे हैं.

मोतिहारी में चार साल पूर्व बनी पुलिया हुई ध्वस्त

- करीब दो लाख रुपये की लागत से बनी आरसीसी पुलिया भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गयी

संवाददाता । मोतिहारी

बिहार में पुल और पुलियों के टूटने और गिरने का सिलसिला जारी है. इस बार पूर्वी चंपारण के मधुबन प्रखंड के लोहरगांव गांव में करीब दो लाख रुपये की लागत से बनी आरसीसी पुलिया भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गयी. इस पुलिया का निर्माण 14वीं वित्त आयोग के अनुशंसा पर

लोहरगांव में बनी पुलिया धंस गई

2019 में करीब 200000 की लागत से कराया गया था. जो महज कुछ ही घंटे की बारिश में ध्वस्त होकर जमींदोज हो गयी. इस पुलिया के ध्वस्त होने से लगभग 500 से ज्यादा की आबादी सीधे तौर पर प्रभावित हुई है,जिसमे ज्यादातर अनुसूचित जाति और अति पिछड़े समाज के लोग शामिल है. जिनका गांव के अन्य टोलो से संपर्क भंग हो चुका है. लोहारगांवा के लोगों ने कहा कि इस पुलिया के टूट जाने से हम सभी काफी परेशान हैं. पुलिया टूट जाने से एक व्यक्ति की हाथ भी टूट गया है. वहीं अगर पुल निर्माण नहीं हो पाया तो आने वाले दिनों में विशेष कर बरसात के मौसम में हम सभी को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है.

विकास के लिए मंडल जी को जिताएं : चिराग

संवाददाता । पूर्णिया

पूर्णिया के रुपौली विधानसभा को लेकर एक बड़ी जनसभा रुपौली हाई स्कूल में हुई. इस जनसभा में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और जीतन राम मांझी पहुंचे. इस जनसभा को संबोधित करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि हमारी एनडीए की सरकार एक मजबूत तथा लगातार विकास करने वाली सरकार है. हम लोग मिलकर बिहार के विकास के लिए तत्पर हैं. इस चुनाव में एनडीए के प्रत्याशी कलाधर मंडल जी को

रुपौली विस क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते चिराग व मांझी.

जिताकर यहां की बिहार सरकार तथा केंद्र सरकार को मजबूत करेंगे तो हमारा विकास का लक्ष्य आगे बढ़ सकेगा. इस मौके पर जीतन राम माझी ने कहा की विपक्षी लोग क्या काम करते हैं और क्या जंगल राज चलाते है यह सब को पता है. जंगल राज से दूर रहने के लिए एनडीए की सरकार को मजबूत करना जरूरी है. हम लोग लगातार बिहार के विकास के बारे में सोचते हैं और विपक्ष के लोग बिहार के विनाश के बारे में सोचते हैं. भ्रष्टाचार से दूर रहकर बिहार के लिए सभी लोग आगे बढ़े और रुपौली से कलाधर मंडल को तीर छप पर वोट देकर विजयी बनाएं.

कारोबार

सिग्नेचर की बिक्री बुकिंग 3.5 गुना बढ़ा

नयी दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल की बिक्री बुकिंग अप्रैल-जून की पहली तिमाही में 3.5 गुना होकर 3,120 करोड़ रुपये पर पहुंच गई है. कंपनी की आवासीय परियोजनाओं में भारी मांग की वजह से बिक्री बुकिंग में यह उछाल दर्ज हुआ है. एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी की बिक्री बुकिंग 820 करोड़ रुपये रही थी.

मई में देश का कोयला आयात 5% बढ़ गया

नयी दिल्ली । देश का कोयला आयात चालू वित्त वर्ष के पहले दो माह में एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 5.3 प्रतिशत बढ़कर 5.22 करोड़ टन रहा है. टाटा स्टील और सेल के संयुक्त उद्यम बी2बी ई-कॉमर्स मंच 'एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड' के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है. इससे पिछले वित्त वर्ष के अप्रैल और मई माह में कोयला आयात 4.96 करोड़ टन रहा था. हालांकि, मई में कोयला आयात मामूली घटकर 2.61 करोड़ टन रहा है.

रियल इस्टेट इंडस्ट्री को आगामी बजट से तर्कसंगत टैक्स की है उम्मीद

रियल एस्टेट मार्केट में उछाल, मकानों की मांग बढ़ी

भाषा । नयी दिल्ली

जिस तरह से आबादी बढ़ रही है, उस तरह से मकान की मांग भी बढ़ रही है. यह स्थिति सिर्फ छोटे शहरों की ही नहीं है, बल्कि मेट्रो सिटीज की भी है. कोरोना काल में मांग में कम रही थी, लेकिन इसके बाद मांग बढ़ी और देश के रियल एस्टेट मार्केट में बड़ा उछाल आया. इस वजह से मकान की कीमतें भी बढ़ी हैं. प्रोजेक्ट की नई लॉन्चिंग भी हो रही है. लेकिन इस सेक्टर पर टैक्स की कई मार भी पड़ रही है. ऐसे में रियल इस्टेट इंडस्ट्री की नजरें आगामी बजट पर टिकी है. इस इंडस्ट्री का कहना है कि सरकार को आगामी बजट में कुछ ऐसे उपाय करने चाहए ताकि इस सेक्टर में टैक्स तर्कसंगत हो सके. इसे लेकर सर्वे भी किया गया है. जिससे इस इंडस्ट्री के कारोबारी सरकार से कई उम्मीदें लगाए हैं.

सर्वे के मुताबिक 53% डेवलपर्स को लगता है कि 2022 की तुलना में 2023 में खरीदारी के बारे में पूछताछ और इससे जुड़ी गतिविधियों में बढ़ोतरी हुई है. बढ़ती इनपुट लागत के बीच 45% डेवलपर्स ने कहा कि

रियल एस्टेट

- 2023 में निर्माण लागत में 10-20% की वृद्धि हुई है
- इस सेक्टर पर टैक्स की कई मार भी पड़ रही है
- 2022 की तुलना में 2023 में खरीदारी के बारे में पूछताछ में बढ़ोत्तरी हुई है

2023 में निर्माण लागत में 10-20% की वृद्धि हुई है. लगभग आधे डेवलपर्स को लगता है कि 2024 में आवासीय मांग स्थिर रहेगी, जबकि 27% को लगता है कि मांग में 25% तक की बढ़त होगी. सर्वे में शामिल 52% डेवलपर्स को उम्मीद है कि 2024 में आवास की कीमतें बढ़ेंगी. 25% डेवलपर्स वैकल्पिक व्यवसाय मॉडल के रूप में प्लॉटेड डेवलपमेंट में संभावना तलाशने के लिए तैयार हैं. इसके बाद ब्रांडेड आवास सेगमेंट है जिसे अपने वैकल्पिक कारोबार के लिए 21% डेवलपर्स ने पसंद किया है. वहीं 80% से ज्यादा डेवलपर्स का मानना है कि आवासीय संपत्तियों के लिए एनआरआई मांग बढ़ेगी. जबकि लगभग 50 फीसदी डेवलपर्स टैक्स व्यवस्था को सरल बनाने या ब्याज दरों में कमी के जरिए लागत में बड़ी कटौती चाहते हैं.

देखा जाए तो पिछले 2-3 सालों में, देश के टियर वन और टियर टू शहरों में रेसिडेंसियल प्रॉपर्टी की मांग में तेजी देखने को मिली है. डेवलपर्स को उम्मीद है कि 2024 में भी यह तेजी जारी रहेगी. क्रेडाई और कोलियर्स द्वारा अप्रैल-मई 2024 के दौरान किए गए डेवलपर सेंटीमेंट सर्वे के मुताबिक सर्वे में शामिल डेवलपर्स में से लगभग आधे 2024 में आवासीय मांग में उछाल आने को लेकर आश्वस्त हैं. मजबूत मांग के बीच, पूरे भारत में लगभग 52% डेवलपर्स को उम्मीद है कि 2024 में आवास की कीमतें बढ़ेंगी. 2023 के दौरान, देश के आठ बड़े शहरों में आवास की कीमतों में औसतन 9% की वार्षिक बढ़त देखने को मिली है. यह रुझान 2024 की पहली तिमाही में 10% वार्षिक ग्रोथ के साथ कायम रहा और साल के बाकी बचे हिस्से में भी तेजी जारी रहने की संभावना है,

क्रेडाई के प्रेसिडेंट बोमन ईरानी का कहना है कि भारत की 2030 तक 7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की महत्वाकांक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर और रियल एस्टेट की क्रांतिकारी शक्ति और प्रभाव से प्रेरित है. पिछली कुछ तिमाहियों में रियल एस्टेट सेक्टर की मजबूत ग्रोथ और इस सेक्टर में हुई खरीद-फरोख्त की मात्रा में बढ़त का असर अर्थव्यवस्था द्वारा दर्ज की गई.

हिंडनबर्ग ने प्रकाशन से पूर्व ही अदाणी से संबंधित रिपोर्ट साझा की : सेबी

नयी दिल्ली । अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने अदाणी समूह के खिलाफ अपनी रिपोर्ट की एक अग्रिम प्रति इसके प्रकाशन से लगभग दो महीने पहले न्यूयॉर्क स्थित हेज कोष प्रबंधक मार्क किंग्डन के साथ साझा की थी और समूह की कंपनियों के शेयरों में उतार-चढ़ाव का लाभ उठाया था. सेबी ने यह दावा किया है. सेबी ने हिंडनबर्ग को भेजे अपने 46 पृष्ठ के कारण बताओ नोटिस में विस्तार से बताया है कि कैसे अमेरिकी शॉर्ट सेलर, न्यूयॉर्क के हेज कोष और कोटक महिंद्रा बैंक से जुड़े ब्रोकर को समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों के मूल्यांकन में रिपोर्ट के प्रकाशन के बाद आई भारी-भरकम 150 अरब डॉलर की गिरावट से लाभ हुआ. वहीं सेबी के इस कारण बताओ नोटिस के जवाब में हिंडनबर्ग ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा है कि यह भारत के सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों द्वारा किए गए भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी को उजागर करने वालों को चुप कराने और डराने-धमकाने' का प्रयास है. साथ ही उअदाणी के खिलाफ दांव लगाने के लिए जिस इकाई का इस्तेमाल किया गया.

एफपीआई ने शेयरों में 7,962 करोड़ रुपये डाले

नयी दिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जुलाई के पहले सप्ताह में भारतीय शेयर बाजारों में शुद्ध रूप से 7,900 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है. आर्थिक मोर्चे पर मजबूती के बीच एफपीआई का भारतीय बाजार के प्रति भरोसा बढ़ा है. डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इसके साथ ही इस साल अबतक शेयरों में कुल एफपीआई निवेश 1.16 लाख करोड़ रुपये पर

पहुंच गया है. आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने अबतक (पांच जुलाई तक) शेयरों में शुद्ध रूप से 7,962 करोड़ का निवेश किया है.

बीते सप्ताह सोयाबीन तिलहन की दर में गिरावट, अन्य में सुधार

नयी दिल्ली । बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में डी-आयल्ड केक की कमजोर मांग की वजह से सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट आई. दूसरी ओर आयातित सोयाबीन डीगम तेल की जुलाई खेप की कीमत में वृद्धि के कारण बाकी सभी देशी एवं आयातित तेल-तिलहन के दाम में सुधार देखने को मिला. बाजार सूत्रों ने कहा कि जुलाई खेप वाले सोयाबीन डीगम तेल का दाम

कांडला बंदरगाह पर 1,040-1,045 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 1,080-1,085 डॉलर प्रति टन हो गया है.

विश्लेषण

शेयर बाजार : वर्तमान में शेयर निवेश के लिए चौतरफा धन प्रवाह है, तभी निफ्टी नई ऊंचाइयों को छू रहा है

घरेलू निवेशकों के मार्केट में प्रवेश का उत्साह, जून में 42.4 लाख नए डीमैट खाते खुले

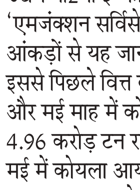
शशांक भारद्वाज
वीपी च्वॉइस ब्रोकिंग

भारतीय शेयर मार्केट में तेजी थकने का नाम ही नहीं ले रही है. निफ्टी नयी ऊंचाइयां बनाते जा रहा है. सप्ताह के पांच व्यापारिक सत्रों में चार में निफ्टी ने नयी ऐतिहासिक ऊंचाइयां बनायी. वास्तविकता यह है कि शेयर निवेश के लिए चौतरफा धन प्रवाह है इसलिए मार्केट में गिरावट आ नहीं रही है. मूल्यांकन के दृष्टिकोण से देखें तो अभी निफ्टी का पीई अनुपात 23.2 है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था की शक्तिशाली स्थिति व अच्छी विकास दर के कारण बहुत अधिक नहीं कही जा सकती है. हां,यह 27 -28 पहुंचने लगे, तब मार्केट को अत्यधिक गर्म माना जा सकता है.अर्थात निकट अवधि में 25000 निफ्टी पर मार्केट का मूल्यांकन अत्यधिक सा माना जायेगा. ये वर्तमान निफ्टी 24323 से 667 अंक दूर है. परंतु ,चूंकि भारतीय कंपनियों की आय में अगले पांच वर्षों तक 20 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि का अनुमान है , अतः आर्थिक स्थिति व मूल्यांकन के आधार पर बहुत बड़ी गिरावट की संभावना तो नहीं ही लगती है. विगत सप्ताह निफ्टी में 313 अंकों की बढ़त रही. 24000 के मनोवैज्ञानिक स्तर के ऊपर निफ्टी पूरे सप्ताह बना रहा. लगता है 24000 निफ्टी को एक मानसिक स्वीकृति मिल गयी है. निफ्टी 24000 हो गया, बहुत बढ़ गया ,शेयर बेच लो, ये मनोभाव से मार्केट थोड़ा ऊपर उठ चुका है. वैसे हो सकता है निफ्टी आधारित तथा बड़े शेयरों में प्रतिशत के आधार पर इन स्तरों से बड़ी वृद्धि न दिखें परंतु अन्य बहुत से व्यक्तिगत शेयरों में बड़ी तेजी दिख सकती है.

घरेलू निवेशकों का मार्केट में प्रवेश का उत्साह बना हुआ है. जून में 42.4 लाख नए डीमैट खाते खुले हैं व इनकी कुल संख्या 16.20 करोड़ से अधिक हो गई है. सबसे बड़ी बात यह है कि ये नए डीमैट अकाउंट सक्रिय प्रकृति के हैं.अब इनके माध्यम से 50000 रुपए प्रति खाते का भी निवेश आए तो यह राशि बहुत बड़ी राशि होती है. यह मार्केट के अभी के स्तर पर, किसी गिरावट में भी एक समर्थन,आधार प्रदान करेगी. ब्लूमबर्ग के एक सर्वेक्षण में तो इस वर्ष के अंत तक 26000 निफ्टी की संभावना जताई गई है.

30 वर्ष के कम आयु के निवेशक 5 वर्ष में दुगने हो गए हैं. युवा निवेशकों की जोखिम उठाने की क्षमता भी अधिक होती है.

23 जुलाई को मोदी सरकार 3.0 का पहला बजट आना है. अच्छे बजट की आशा में भी मार्केट शक्तिशाली बना रह सकता है.बजट में आधारभूत संरचनाओं के लिए बड़ा धन आवंटन हो सकता है, आयकर की छूट सीमा बढ़ सकती है. मोदी जी इस बार 240 सीट पर हैं,अतः बहुत कड़ा कोई पग तो नहीं उठाया जाना चाहिए जो किसी मतदाता वर्ग को रूष्ट कर दे .फिर अभी अगले लोकसभा चुनाव 5 वर्ष दूर हैं. अतः चुनावी बजट न हो कर अर्थव्यवस्था को गति,बढ़ावा ही बड़ी प्राथमिकता होगी.

एक बजट पूर्व खरीदारी भी दिखनी चाहिए, विशेषकर उन शेयरों में जिनको बजट से लाभ होने की संभावना है.उसमें खाद,सरकारी उपक्रम,रक्षा,रेलवे क्षेत्र के शेयर हो सकते हैं. इस वर्ष अप्रैल जून अवधि में रियल एस्टेट क्षेत्र में तीन वर्षों में सर्वाधिक 21123 करोड़ रुपए का निवेश हुआ है.इस वर्ष की पहली छमाही में घरों की बिक्री 11 प्रतिशत बढ़ 10 वर्षों के शिखर पर है. ये भारतीयों की अच्छी आय ,आय में वृद्धि का परिचायक है.अन्य संबंधित उद्योगों को भी इसका बड़ा लाभ मिलता है.

अर्थव्यवस्था का विकेंद्रीकरण भी हो रहा है. स्टार्टअप्स तथा वैश्विक दक्षता केंद्र ने पिछले 5 वर्षों में 8 करोड़ जीविका सृजित की है.यह संपन्न भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण पग है. निफ्टी के इन अपेक्षाकृत ऊंचे स्तरों पर भी विदेशी निवेशक निवेश कर रहें हैं.पिछले सप्ताह विदेशी संस्थागत निवेशकों ने नकद संभाग में 6874 करोड़ रुपए के शेयर क्रय किए , एफपीआई ने 7962 करोड़ की खरीद की.घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 385 करोड़ रूपए के शेयर बेचे यद्यपि उनकी बिकवाली विदेशी निवेशकों के क्रय की तुलना में नगण्य सी ही रही. पूरे विश्व में ब्याज दरों में कमी का युग शीघ्र ही प्रारंभ होने की संभावना बलवती हो रही है.अमेरिका में मुद्रास्फीति कम होने की स्थिति हो रही है.भारत ने भी वस्तुओं तथा सेवाओं की मुद्रास्फीति 4 प्रतिशत से कम है जबकि रेपो रेट 6.5 प्रतिशत है.ऐसे में यहां रेपो रेट में एक प्रतिशत तक की कमी होनी ही चाहिए. विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में ब्याज दरों में कमी का क्रम प्रारंभ होने पर बहुत बड़ी राशि ब्याज की प्रतिभूतियों से इक्विटी की ओर आयेगी. प्रसिद्ध अमेरिकी अर्थशास्त्री मार्टिन वुल्फ के अनुसार वर्ष 2047 में भारत उच्च मध्यम आय का राष्ट्र बन जायेगा. भारत एक बड़ी जनसंख्या का देश है.अतः इन दोनों के मिश्रण के प्रभाव से एक बड़ी आर्थिक महाशक्ति हो जाएगा.यह अगले 25 वर्षों में अर्थव्यवस्था तथा शेयर मार्केट को आशातीत ऊंचाइयों पर ले जायेगा.अतः दीर्घ अवधि में तो दोनो का भविष्य अत्यंत उज्जवल है. भारत में निर्धनता भी 2011 -12 के 21.2 प्रतिशत की तुलना में 2022 -24 में 8.5 प्रतिशत आ गई है.संपन्नता शेयरों में निवेश बढ़ाती है. पीएमआई सूचकांक मई के 57.5 प्रतिशत की तुलना में जून में बढ़कर 58.3 प्रतिशत हो गया जो अच्छी आर्थिक गतिविधियों का संकेत है. जून में जीएसटी संग्रह 1.74 लाख करोड़ रहा है.अब सरकार का गठन हो चुका तो इसमें इस स्तरों से अच्छी वृद्धि दिख सकती है. म्यूचुअल फंड से अच्छी आय का क्रम बना हुआ है.इस वर्ष 117 नए कोष आए थे जिन्होंने अभी तक 31.9 प्रतिशत प्रतिफल दिया है. यह बैंक ब्याज से कई गुणा अधिक है. इससे एमएफ के निवेश का उत्साह बना रहेगा और बढ़ेगा.

भारतीय अर्थव्यवस्था के इसी वर्ष 4 ट्रिलियन डॉलर के पार होने की संभावना बन गई है.ऐसे में भारतीय शेयर मार्केट का पूंजीकरण 5 ट्रिलियन डॉलर हो सकता है. क्रूड का महंगा होना तथा बने रहना थोड़ी चिंता का विषय है.ईरान में सत्ता परिवर्तन हुआ है,कट्टरपंथी हारे हैं,उदारपंथी जीते है.इससे ईरान पर आर्थिक प्रतिबंध कम हो सकते,विश्व में तनाव कम हो सकता है.यह क्रूड के मूल्यों में भी बड़ी गिरावट ला सकता है. मानसून में अभी कमी है परंतु इसकी भरपाई की बात कही जा रही है. भारतीय शेयर मार्केट में के पारंपरिक नियम, नए निवेशकों के व्यवहार के तरीके ,सोच आदि में परिवर्तन आ चुका है.पुरातनपंथी अवधारणाएं तिरोहित हो रहीं हैं. अतः उसी परिपेक्ष्य में शेयर मार्केट,अपने निवेश को लें. एसएंडपी के भारत की साख बढ़ाने की संभावना बतायी है, यदि राजकोषीय घाटा गिर कर 4 प्रतिशत हो जाता है. यह भारत में बड़ा निवेश आकर्षित करेगा.

देवी-देवताओं के 'पहांडी' अनुष्ठान के साथ पुरी सहित देशभर में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकली

पुरी/कोलकाता। भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा का पारंपरिक 'पहांडी' अनुष्ठान रविवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे शुरू हुआ. जब भगवान सुदर्शन को सबसे पहले देवी सुभद्रा के रथ 'दर्पदलन' तक ले जाया गया, तो पुरी मंदिर के सिंहद्वार पर घंटियों, शंखों और मंजीरों की ध्वनियों के बीच श्रद्धालुओं ने 'जय जगन्नाथ' के जयकारे लगाए. भगवान सुदर्शन के पीछे-पीछे भगवान बलभद्र को उनके 'तालध्वज रथ' पर ले जाया गया. सेवक भगवान जगन्नाथ और भगवान बलभद्र की बहन देवी सुभद्रा को विशेष शोभा यात्रा निकालकर 'दर्पदलन' रथ तक लाए. अंत में, भगवान जगन्नाथ को घंटियों की ध्वनि के बीच एक पारंपरिक शोभा यात्रा निकालकर 'नंदीघोष' रथ की ओर ले जाया जाएगा. रविवार को भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथ यात्रा में शामिल होने के लिए तीर्थ नगरी पुरी में लाखों श्रद्धालु उमड़े. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी रथ यात्रा में शामिल होंगी. यह 53 साल बाद दो दिवसीय यात्रा होगी. ग्रह-नक्षत्रों की गणना के अनुसार, इस साल दो-दिवसीय यात्रा आयोजित की गई है. आखिरी बार 1971 में दो-दिवसीय यात्रा का आयोजन किया गया था. इसके साथ ही देश के अलग-अलग शहरों में भी भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली गई. कोलकाता में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस्कॉन रथ यात्रा के दौरान रथ की रस्सियां खींचीं. मौके पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

ब्रीफ खबरें

पाकिस्तान को 5 अरब डॉलर का निवेश मिलेगा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान को अगले तीन साल में पेट्रोलियम और गैस भंडार की खोज और विकास के लिए स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों से पांच अरब डॉलर का निवेश मिलने की उम्मीद है. इससे नकदी संकट से जूझ रहे देश को बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की बचत होगी और ईंधन की ऊंची कीमतों की मार झेल रहे आम आदमी को राहत मिलेगी. प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में तेल एवं गैस खोज और उत्पादन क्षेत्र की कंपनियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ शनिवार को हुई बैठक में यह घोषणा की गई. पाकिस्तान में पेट्रोलियम और गैस की खोज के लिए पांच अरब डॉलर के निवेश से लगभग 240 स्थानों पर खुदाई की जाएगी.

बीएमडब्ल्यू की टक्कर से एक महिला की मौत

मुंबई। मुंबई के वर्ली इलाके में रविवार सुबह एक बीएमडब्ल्यू कार ने एक दुपहिया वाहन को टक्कर मारी दी, जिससे उस पर सवार एक महिला की मौत हो गयी. वर्ली पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि महिला की पहचान कावेरी नखवा (45) के तौर पर की गयी है. वह एनी बेसेंट रोड पर अपने पति प्रदीप के साथ दुपहिया वाहन से जा रही थीं तभी बीएमडब्ल्यू कार के चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया. उन्होंने बताया, 'कावेरी नखवा सड़क पर गिर गयीं. आसपास से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को घटना के बारे में सूचना दी. उन्हें सरकारी नायर हॉस्पिटल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

प्रसिद्ध अमेरिकी फिल्म निर्माता लैंडोउ का निधन

लॉस एंजिलिस। प्रसिद्ध अमेरिकी फिल्म निर्माता और ऑस्कर पुरस्कार विजेता जॉन लैंडोउ का निधन हो गया. वह 63 साल के थे. लैंडोउ ने निर्देशक जेम्स कैमरन के साथ मिलकर फिल्म ''टाइटैनिक'' और ''अवतार'' सीरीज पर काम किया था. डिज्नी एंटरटेनमेंट के सह-अध्यक्ष एलन बर्गमैन ने शनिवार को एक बयान जारी कर लैंडोउ के निधन की जानकारी दी. हालांकि, यह नहीं बताया कि मृत्यु किस कारण हुई. बर्गमैन ने कहा, 'जॉन दूरदर्शी थे, जिनकी असाधारण प्रतिभा और जुनून ने कुछ अविस्मरणीय कहानियों को बड़े पर्दे पर जीवंत कर दिया. फिल्म जगत में उनके उल्लेखनीय योगदान ने एक अमिट छाप छोड़ी है.

मूसलाधार बारिश से असम समेत कई राज्यों की नदियां उफान पर, बाढ़ जैसे हालात

आठ राज्यों में आफत बनी अतिवृष्टि

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

देशभर में मानसून ने दस्तक दे दी है. हर जगह बरसात हो रही है. जहां पर बहुत भीषण गर्मी थी, वहां पर भी बारिश की बूंदों से राहत है. लेकिन कई ऐसे इलाके हैं, जहां पर बारिश का कहर भी नजर आना शुरू हो गया है. मूसलाधार बारिश और बाढ़ की चपेट में देश के कई राज्य हैं. उत्तराखंड, हिमाचल, असम में नदियां उफान पर हैं. महाराष्ट्र, गुजरात मॉनसूनी बारिश में डूबे हैं. राजस्थान और मध्य प्रदेश में इस बार भी बारिश आफत बन कर टूटी है. यूपी में पिछले दो दिन से बारिश ने रफ्तार पकड़ ली है. देश में हर साल बारिश और बाढ़ से करीब 7 करोड़ लोग प्रभावित होते हैं. पिछले 65 सालों से हर साल औसतन बाढ़ में 2130 लोग मारे जाते हैं. एक लाख 20 हजार जानवर मरते हैं. 82.08 लाख हेक्टेएयर खेती बर्बाद होती है. इस साल भी हालात ऐसे ही बन रहे हैं. हालांकि अभी तक जन-धन के नुकसान का आकलन नहीं किया जा सका है.

असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर, 29 जिलों में 24 लाख लोग प्रभावित

एजेंसी। गुवाहाटी

असम में रविवार को भी बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी रही और करीब 24 लाख लोग इस प्राकृतिक आपदा से प्रभावित हुए हैं. आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी. राज्य भर में ब्रह्मपुत्र समेत कई प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं. सूत्रों ने बताया कि इस साल बाढ़, भूस्खलन और तूफान के कारण अबतक 70 लोगों की मौत हो चुकी है. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के लिए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से बात की और कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और राज्य आपदा मोचन बल प्रभावित लोगों को बचाने तथा राहत प्रदान करने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रहे हैं. इस बीच, पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार को गुवाहाटी में एक नाले में गिरे आठ वर्षीय लड़के का शव शहर के राजगढ़ इलाके से बरामद हुआ है. उसके माता-पिता ने गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में शव की पहचान की. राज्य में 29 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं. इनमें धुबरी में सबसे अधिक 7.95 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं. इसके साथ ही कछार और दरांग जिले भी बाढ़ से बहुत अधिक प्रभावित हुए हैं, दोनों जिलों में डेढ़-डेढ़ लाख लोग बाढ़ में फंसे हुए हैं. कुल 577 राहत शिविरों में 53 हजार से अधिक लोगों ने शरण ले रखी है. जोरहाट से धुबरी तक ब्रह्मपुत्र समेत प्रमुख नदियां कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं. बुरहीदेहिंग, दिखोउ, दिसांग, धनसिरी, जिया भराली, कोपिली, बराक और संकोष नदियां भी विभिन्न स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं. बाढ़ से मवेशी भी प्रभावित हुए हैं, जबकि फसलों को भी नुकसान पहुंचा है. राज्य में विभिन्न स्थानों से सड़कों, पुलों समेत बुनियादी ढांचों के क्षतिग्रस्त होने की भी सूचना है.

गुजरात और महाराष्ट्र में पानी का प्रकोप बढ़ा

भारी बारिश की वजह से गुजरात पानी-पानी हो गया है. मॉनसून के भीषण जलप्रहार से सूरत जैसा शहर मानो तालाब में तब्दील हो गया है. सड़कें जैसे दरिया बन गई हैं. बाढ़ जैसे हालात हैं और जिंदगी बेहाल है. सूरत के आसपास से गुजरने वाली नदियां उफान पर हैं. पानी गांव और शहरों में घुस गया है. बालेश्वर गांव टापू जैसा नजर आने लगा है. पानी के प्रकोप की ऐसी तस्वीरें लोगों को डरा रहीं हैं. जूनागढ़ में मानो शहर के अंदर समंदर घुस आया हो. लगातार बारिश से ओजत नदी और बांध ओवरफ्लो हो गए हैं. जूनागढ़ के 30 से ज्यादा गांव टापू में तब्दील हो गए हैं. सूरत, अहमदाबाद, गांधीनगर, कच्छ, भरूच जैसे शहर बारिश से बेहाल हैं. उधर, मुंबई में भी रविवार को आफत वाली बारिश शुरू हो गई है.

राजस्थान और एमपी में बड़ी नदियां उफान पर

मध्य प्रदेश और राजस्थान में इस बार मॉनसून देरी से पहुंचा. पांच दिन देरी से वहां पर बरसात की शुरुआत हुई. लेकिन जैसे ही बारिश की शुरुआत हुई जयपुर में घंटे के भीतर 3.1 इंच बारिश हो गई. जिस वजह से पूरे शहर में गाड़ियां तैरती हुई नजर आईं. इस बार मौसम विभाग का पूर्वानुमान कहता है कि राजस्थान में औसत से अधिक बरसात हो सकती है. चंद घंटे की बारिश ने टोंक में सैलाब ला दिया और पूरा शहर दरिया बन गया. भारी बारिश की वजह से राजस्थान की कई छोटी बड़ी नदियां उफान पर हैं.

उत्तरप्रदेश का भी हाल बुरा

यूपी में भी मॉनसून ने जोर पकड़ना शुरू कर दिया है. मथुरा में इतनी बारिश हुई कि सड़कों पर पानी भर गया. नए बस स्टैंड के पास जलभराव में स्कूल बस और एंबुलेंस फंस गईं. पहले बच्चों को ट्रैक्टर-ट्रॉली से बाहर निकला गया. फिर बुल्डोजर बुलाकर एंबुलेंस को खींचकर निकाली गयी.

रिसॉर्ट में फंसे 49 लोगों को एनडीआरएफ ने बचाया

मुंबई। ठाणे जिले में भारी बारिश के कारण जलमग्न हुए एक रिसॉर्ट में फंसे 49 लोगों और पालघर के 16 ग्रामीणों को रविवार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया. राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के एक अधिकारी ने बताया कि टीम ने रिसॉर्ट में फंसे लोगों को बचाने के लिए नावों और 'लाइफ जैकेट' का इस्तेमाल किया. जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने कहा कि वसई में साईवान स्थित चालिसपाड़ा में खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों का समूह पास के तानसा बांध में जलस्तर बढ़ने के बाद इलाके में आई बाढ़ के कारण फंस गया.

एबी-पीएमजेएवाई का होगा विस्तार दोगुना होंगे लाभार्थी और कवर राशि

- प्रस्तावों को मंजूरी मिलने पर 12,076 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा

एजेंसी। नयी दिल्ली

केंद्र सरकार अपनी प्रमुख आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के लाभार्थियों की संख्या आगामी तीन साल के दौरान दोगुना करने पर गंभीरता से विचार कर रही है. सरकार शुरुआत में 70 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों को इसके दायरे में लाने और बीमा कवरेज को बढ़ाकर 10 लाख रुपये प्रति वर्ष करने पर मंथन कर रही है. आधिकारिक सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि यदि प्रस्तावों को मंजूरी दी जाती है तो राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के अनुमान के अनुसार, सरकारी खजाने पर प्रति वर्ष 12,076 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा. सूत्रों ने कहा, 'अगले तीन वर्षों में एबी-पीएमजेएवाई के तहत लाभार्थियों की संख्या दोगुना करने पर चर्चा हो रही है, जिसे लागू किया गया तो देश की दो-तिहाई से अधिक आबादी को स्वास्थ्य कवर मिलेगा.

लगभग 30 प्रतिशत आबादी स्वास्थ्य बीमा से है वंचित

नीति आयोग की अक्टूबर 2021 में प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया था कि लगभग 30 प्रतिशत आबादी स्वास्थ्य बीमा से वंचित है, जो भारतीय आबादी में स्वास्थ्य बीमा कवरेज में अंतर को उजागर करती है. लगभग 20 प्रतिशत आबादी सामाजिक स्वास्थ्य बीमा और निजी स्वैच्छिक स्वास्थ्य बीमा के माध्यम से कवर की जाती है, जो मुख्य रूप से उच्च आय समूहों के लिए तैयार की गई है. पीएमजेएवाई में मौजूदा कवरेज अंतराल और योजनाओं के बीच व्याप्ति (ओवरलैप) के कारण स्वास्थ्य कवर से वंचित वास्तविक आबादी अधिक है.

जम्मू-कश्मीर दो मुठभेड़ में मारे गए छह आतंकवादी, दो जवान हुए शहीद

एजेंसी। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में हुई दो मुठभेड़ों में छह आतंकवादी मारे गए और दो जवान शहीद हो गए.अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया, मोदरगाम मुठभेड़ स्थल से दो आतंकवादियों के शव बरामद किए गए जबकि चिन्नीगाम स्थल से रविवार को चार शव बरामद किए गए. कुलगाम जिले के दो गांवों में शनिवार को मुठभेड़ शुरू हुई थी. उन्होंने बताया कि आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक पैरा कमांडो समेत दो सैन्यकर्मियों ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए. अभियान के बारे में बताते हुए जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक आरआर स्वैन ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में आतंकवादियों का सफाया करना एक बड़ी उपलब्धि है. उन्होंने कहा, निस्संदेह सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में यह एक बड़ा मील का पत्थर है. ये सफलताएं वास्तविक रूप से और संदेश के लिहाज से भी बहुत सार्थक हैं. अभियान की सफलता इस बात का संकेत है कि जम्मू-कश्मीर में आतंक के खात्मे की लड़ाई अपने अंजाम तक पहुंचेगी.

गृह मंत्रालय ने कोलकाता के पुलिस आयुक्त पुलिस उपायुक्त के खिलाफ कार्रवाई शुरू की

एजेंसी। कोलकाता

अफवाह फैलाकर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के कार्यालय को कथित तौर पर बदनाम करने के लिए कोलकाता के पुलिस आयुक्त विनीत गोयल और एक डीसीपी के खिलाफ गृह मंत्रालय ने अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की है. केंद्र सरकार के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय ने यह कार्रवाई पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस द्वारा गोयल और कोलकाता पुलिस उपायुक्त (मध्य) इंदिरा मुखर्जी के संबंध में उस रिपोर्ट के सौंपे जाने के बाद शुरू की है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि वे 'इस तरह काम कर रहे हैं, जो एक लोक सेवक के लिए पूरी तरह से अनुचित है.' उन्होंने कहा कि बोस ने जून के अंतिम सप्ताह में गृह मंत्री को सौंपी अपनी रिपोर्ट में इस मुद्दे को उठाया है कि कोलकाता पुलिस के अधिकारी चुनाव के बाद हुई हिंसा के पीड़ितों को उनसे मिलने की अनुमति नहीं दे रहे हैं, जबकि उन्होंने इसके लिए उन्हें जरूरी अनुमति दे दी थी. अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'गृह मंत्रालय ने बंगाल के राज्यपाल बोस द्वारा प्रस्तुत विस्तृत रिपोर्ट के आधार पर आईपीएस अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की है.' पत्र की प्रतियां चार जुलाई को राज्य सरकार को भेज दी गई थीं. अधिकारी ने बताया कि बंगाल के राज्यपाल ने राजभवन में तैनात अन्य पुलिस अधिकारियों पर अप्रैल-मई 2024 के दौरान एक महिला कर्मचारी द्वारा लगाए गए मनगढ़ंत आरोपों को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया.

भारत-ऑस्ट्रिया के द्विपक्षीय संबंधों में नई शुरुआत

मोदी बोले

- ऑस्ट्रिया की यात्रा पर संबंधों को मजबूत बनाने, सहयोग के नये रास्ते तलाशने पर होगी चर्चा

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत और ऑस्ट्रिया के राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के मौके पर इस मध्य यूरोपीय देश की यात्रा करना वास्तव में सम्मान की बात है. उन्होंने उम्मीद जताई कि उनकी इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच संबंधों को प्रगाढ़ करने तथा सहयोग के नये रास्ते तलाशने पर चर्चा होगी. प्रधानमंत्री मोदी ने यह बात ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर के उस सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कही, जिसमें कहा गया है कि वह दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अगले सप्ताह वियना में स्वागत करने के लिए बहुत उत्सुक हैं. नेहमर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था, "यह यात्रा एक विशेष सम्मान है क्योंकि यह 40 से अधिक वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की मेरे देश की पहली यात्रा है. यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हम भारत के साथ राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं." उन्होंने कहा, "हमें अपने द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ करने और कई भू-राजनीतिक चुनौतियों पर बेहतरीन सहयोग के बारे में बात करने का अवसर मिलेगा."

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मास्को की 'बेहद अहम यात्रा' को लेकर उत्सुक है रूस : क्रेमलिन

मॉस्को। रूस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मॉस्को की 'बेहद अहम यात्रा' को लेकर उत्सुक है और वह इस यात्रा को रूस तथा भारत के संबंधों के लिए अति महत्वपूर्ण मानता है. रूस के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'क्रेमलिन' के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने शनिवार को यह बात कही. रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और वह आठ एवं नौ जुलाई को मॉस्को में रहेंगे. विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को नयी दिल्ली में इस उच्च स्तरीय यात्रा के बारे में जानकारी दी थी और कहा था कि दोनों नेता दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंधों की संपूर्ण समीक्षा करेंगे तथा आपसी हितों के समकालीन क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे.

रिपोर्ट भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर के अध्ययन में हुआ चिंताजनक खुलासा

उत्तर भारत में दो दशकों में घट गया 450 घन किमी भूजल

एजेंसी। नयी दिल्ली

उत्तर भारत में साल 2002 से लेकर 2021 तक लगभग 450 घन किलोमीटर भूजल घट गया और निकट भविष्य में जलवायु परिवर्तन के कारण इसकी मात्रा में और भी गिरावट आएगी. एक नये अध्ययन में यह दावा किया गया है. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गांधीनगर में सिविल इंजीनियरिंग और पृथ्वी विज्ञान के 'विक्रम साराभाई चेयर प्रोफेसर' और अध्ययन के मुख्य लेखक विमल मिश्रा ने बताया कि यह भारत के सबसे बड़े जलाशय इंदिरा सागर बांध की कुल जल भंडारण मात्रा का करीब 37 गुना है. शोधार्थियों ने अध्ययन के दौरान यह पता लगाया कि पूरे उत्तर भारत में 1951-2021 की अवधि के दौरान मानसून के मौसम (जून से सितंबर) में बारिश में 8.5 प्रतिशत कमी आई. इस अवधि के दौरान इस क्षेत्र में सर्दियों के मौसम में तापमान 0.3 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है.

6-12 प्रतिशत की कमी आने का अनुमान : अध्ययन के अनुसार, 'जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून के दौरान बारिश की कमी और उसके बाद सर्दियों में अपेक्षाकृत तापमान अधिक रहने से भूजल पुनर्भरण में लगभग 6-12 प्रतिशत की कमी आने का अनुमान है.' मिश्रा ने कहा, 'इसलिए हमें अधिक दिनों तक हल्की वर्षा की आवश्यकता है.' भूजल के स्तर में परिवर्तन मुख्य रूप से मानसून के दौरान हुई वर्षा तथा फसलों की सिंचाई के लिए भूजल का दोहन किये जाने पर निर्भर करता है. अध्ययन में यह भी पाया गया कि सर्दियों के दौरान मिट्टी में नमी में कमी आना पिछले चार दशकों में काफी बढ़ गई है, जो सिंचाई की बढ़ती मांग की संभावित भूमिका का संकेत देती है.

कम बारिश बनी चुनौती

हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय भूभौतिकी अनुसंधान संस्थान के शोधार्थियों के दल ने कहा कि मानसून के दौरान कम बारिश होने और सर्दियों के दौरान तापमान बढ़ने के कारण सिंचाई के लिए पानी की मांग बढ़ेगी और इसके कारण भूजल पुनर्भरण में कमी आएगी, जिससे उत्तर भारत में पहले से ही कम हो रहे भूजल संसाधन पर और अधिक दबाव पड़ेगा. 2022 की सर्दियों में अपेक्षाकृत गर्म मौसम व मानसून में कम बारिश का भी अध्ययन किया.

अध्यक्ष पद के लिए चुनाव 'जीवंत और फलते-फूलते' लोकतंत्र का उदाहरण

- लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने सदन में व्यवधान को बताया अनुचित

एजेंसी। कोटा/बूंदी

ओम बिरला ने लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए हुए दुर्लभ चुनाव को एक 'जीवंत और फलते-फूलते लोकतंत्र' का उदाहरण बताते हुए कहा है कि सहमति और असहमति इसका हिस्सा हैं. बिरला ने अध्यक्ष पद के लिए विपक्षी उम्मीदवार के. सुरेश के खिलाफ ध्वनिमत से जीत हासिल की थी. विपक्ष ने भाजपा के बिरला के खिलाफ कांग्रेस के सुरेश को नामित करके चुनाव कराने पर जोर दिया था, हालांकि उसने मत विभाजन के लिए दबाव नहीं डाला था. बिरला ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में नयी सरकार के गठन के बाद इसके पहले सत्र के दौरान लोकसभा में हुए व्यवधान को अनुचित बताया और कहा कि संसद में तथा सड़कों पर होने वाली बहसों में अंतर होना चाहिए. कट्टरपंथी सिख उपदेशक अमृतपाल सिंह और आतंकी वित्तपोषण मामले में आरोपी इंजीनियर रशीद के जेल में रहते हुए क्रमशः पंजाब के खडूर साहिब और जम्मू-कश्मीर के बारामूला से निर्दलीय के रूप में सदन के लिए चुने जाने पर लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि दोनों सदस्यों को जनता ने चुना है. लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए हुए दुर्लभ चुनाव के बारे में पूछे जाने पर बिरला ने कहा कि यह 'जीवंत और फलते-फूलते लोकतंत्र' का उदाहरण है. इस पद के लिए पिछला चुनाव 1976 में हुआ था. अठारहवीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से तीन जुलाई तक चला था.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)